RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:270 ता. 17 अप्रेल 2024, बुधवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

सुरक्षाबलों की कार्रवाई से घबराए नक्सली, 26 ने किया सरेंडर

दंतेवाड़ा। सुरक्षाबलों की कार्रवाई से नक्सलियों में घबराहट पैदा हो गई है। दंतेवाड़ा में एक या दो नहीं, बल्कि 26 नक्सलियों ने एक साथ सरेंडर किया, जिसे देखकर सुरक्षाबलों के भी होश फाख्ता हो गए। सुरक्षा बालों को यह चमत्कार जैसा लगा, लेकिन यह कोई चमत्कार नहीं, बल्कि सच्चाई है। सरेंडर करने वाले नक्सलियों में एक नक्सली पर एक लाख रुपए का इनाम घोषित किया गया था। प्रतिबंधित माओवादी संगठन ने सुरक्षाबलों की कार्रवाई के विरोध में 15 अप्रैल को बंद का आह्वान किया था। जिसका कोई खास असर नहीं दिखा। एसपी गौरव राय ने बताया कि यह सभी नक्सली कई गतिविधियों में शामिल थे, जिसमें पोस्टर लगाना, बैनर लगाना, रसद एकत्रित करना, आगजनी करना, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाना, सरकारी कार्यों में बाधा पहुंचाना शामिल है। छत्तीसगढ़ को नक्सल मुक्त बनाने की दिशा में सुरक्षाबलों की प्रखर कार्रवाई का अंदाजा आप महज इसी से लगा सकते हैं कि अब तक इस अभियान के अंतर्गत 717 नक्सली सरेंडर कर चुके हैं, जिसमें 176 इनामी हैं।

अयोध्या राम मंदिर में आज 50 लाख से अधिक भक्तों के दर्शन करने की संभावना

मिर्जापुर। रामनवमी को देखते हुए अयोध्या ही नहीं, देश भर के श्रद्धालुओं में उत्साह है। इस अवसर पर अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर में कल 50 लाख से अधिक भक्तों के दर्शन करने की संभावना है। ऐसे में श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण के लिए मिर्जापुर से 1,11,111 किलो लड्डू भेजे जा रहे हैं। प्रसाद शहर के देवरहा हंस बाबा ट्रस्ट द्वारा भेजा जा रहा है। इन लड्डुओं को तैयार करने के बाद इसी टिफिन में पैक किया जा रहा है। सनातन धर्म में प्रभु श्री राम को मर्यादा पुरुषोत्तम की उपाधि दी गई है। यही कारण है कि हर साल चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को मनाए जाने वाले रामनवमी का पर्व हिंदू धर्म के लोगों के लिए बेहद खास माना जाता है। इस वर्ष रामनवमी 17 अप्रैल को मनाई जा रही है। ऐसे में अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के बाद अब राम नवमी के पर्व को ऐतिहासिक बनाने के लिए मिर्जापुर से भोग और वितरण के लिए प्रसाद के तौर पर 1,11,111 किलोग्राम लड्डू अयोध्या स्थित राम लला मंदिर भेजा जा रहा है। कल आने वाले राम भक्तों को देवरहा बाबा आश्रम की तरफ से यह प्रसाद वितरित किया जाएगा। अयोध्या में रामलला को लड्डुओं का भोग लगाने के लिए वाराणसी और प्रयागराज से विशेष कारीगर बुलाए गए हैं। वाराणसी से आएं अशोक यादव ने बताया कि 10 लोगों के साथ 31 मार्च को यहां आए थे। इसके बाद से लगातार लड्डू बन रहे हैं। प्रयागराज से भी 6 कारीगर आए हैं। इसके अलावा मिर्जापुर के भी कारीगर लड्डू बनाने में लगे हैं। इससे पहले हम लोगों ने जनवरी में भी लड्डुओं को तैयार किया था जहां वह भी अयोध्या में भोग लगाने गया था। संत तुषार दास ने बताया कि राम नवमी के पर्व पर देवरहा बाबा आश्रम के तरफ से प्रभु श्रीराम के विशेष भोग के लिए लड्डुओं को तैयार किया जा रहा है। लगभग 20 दिनों से शुद्ध देशी घी, बेसन और चीनी से लड्डू बनाये जा रहे हैं। सोमवार और मंगलवार को लड्डू वाहन से अयोध्या भेजा गया जहां कल रामनवमी पर भोग लगाने के बाद प्रसाद भक्तों में वितरित होगा। उन्होंने बताया कि 500 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद यह शुभ अवसर आया है। ऐसे में महाराज के आदेश के बाद इस रामनवमी को खास तरह से मनाया जा रहा है।

लेम्बोर्गिनी को लगा दी आग, वीडियो हुआ वायरल

हैदराबाद । तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद के पहाड़ी इलाके में 13 अप्रैल को लेम्बोर्गिनी कार को आग लगा दी। 2009 मॉडल की इस स्पोर्ट्स कार की कीमत करीब 1 करोड़ रुपये बताई जा रही है। इस घटना एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें पीले रंग की लैंबॉर्गिनी सड़क पर धूं-धूंकर जलती दिख रही है। पुलिस के मुताबिक कार मालिक ने इसे बेचने के इरादे से दोस्तों को खरीदार ढूंढने के लिए कहा था। जांच में पता चला कि यह शख्स सेकंड हैंड कार की बिक्री करता है। उसकी अपने मालिक के साथ झगड़ा हो गया था जिसके बाद उसने कुछ साथियों के साथ मिलकर इस घटना को अंजाम दिया। रिपोर्ट में बताया गया कि इस घटना का प्राथमिक संदिग्ध जो मालिक के एक दोस्त की जान-पहचान का था ने उससे कार लाने के लिए कहा था। पुलिस ने बताया कि जब 13 अप्रैल की शाम को यह लैम्बॉर्गिनी कार हैदराबाद के बाहरी इलाके में ममीदिपल्ली रोड पर लाई गई तो उस शख्स ने दूसरे लोगों के साथ मिलकर इस पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। उसका दावा है कि कार मालिक पर उसका पैसा बकाया है। कार लेने वाले व्यक्ति की शिकायत के आधार पर आईपीसी की धारा 435 (नुकसान पहुंचाने के इरादे से आग या विस्फोटक पदार्थ द्वारा शरारत) के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने कहा कि पूरी जानकारी जांच के बाद ही असली बात पता चलेगी।

पंजाब, हरियाणा राजस्थान समेत पूर्वोत्तर राज्यों में बारिश की संभावना

नई दिल्ली। आईएमडी ने बताया कि पूर्वोत्तर के राज्य असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, नगालैंड और सिक्किम में 16 से 21 अप्रैल को बारिश की संभावना है। उधर आईएमडी ने कहा कि उत्तर पश्चिम भारत के राज्य में मौसम में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है। ऐसे में जो मौजूदा मौसूम है वैसा ही रहेगा। आईएमडी ने बताया कि मध्य प्रदेश, विदर्भ और मराठवाड़ा में भी बारिश हो सकती है। इसके अलावा यहां आंधी तूफान चलने की भी संभावना है। आईएमडी ने कहा कि गंगीय पश्चिम बंगाल में 17 अप्रैल से शुक्रवार 19 अप्रैल के दौरान अलग-अलग स्थानों पर हीट वेव चल सकती है। मौसम विभाग ने कहा कि जम्मू कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में बारिश होने की संभावना है। इन राज्यों में फिर से ऐसा ही मौसम 18 अप्रैल को शुरू होगा। भारत मौसम विभाग ने कहा कि उत्तर पश्चिम भारत में अगले 24 घंटे में बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। इसके बाद 18 से 21 अप्रैल के दौरान वर्षा का एक नया दौर जारी रह सकता है।

मस्जिद बनाने के लिए चंदे में मिला अंडा, 2.26 लाख में बिका

जम्मू। कश्मीर के बारामूला में मस्जिद निर्माण के लिए चंदा किया जा रहा था। इस दौरान ऐसा वाक्या पेश आया कि लोग हैरान रह गए। मस्जिद के चंदे के लिए एक अंडे की नीलामी की गई। यह अंडा 2.26 लाख रुपये में नीलाम हुआ है। अब हर कोई हैरान है कि एक अंडा की कीमत इतनी कैसे हो सकती है। यह घटना श्रीनगर के सोपोर के मालपोर गांव में घटित हुई। जहां एक मस्जिद समिति मस्जिद बनाने के लिए लोगों से नकद और कोई भी वस्तु चंदा के रुप में इकट्ठा करना शुरू किया। वहीं एक बुजुर्ग महिला ने बताया कि उसने अपनी मुर्गी द्वारा दिया गया ताजा अंडा दान किया है। वस्तु के रूप में दिए गए दान को नीलामी के लिए रखा गया लेकिन दूसरी वस्तुओं से ज्यादा अंडा सबसे ज्यादा कीमत में नीलाम हुआ। स्थानीय निवासी ने बताया कि वस्तुओं की नीलामी शुरु हुई। सभी वस्तु तो नीलाम हो गई लेकिन लोग तीन दिनों तक अंडे पर बोली लगाते रहे और हर बोली के बाद, सफल बोली लगाने वाले ने अपनी बोली की राशि का भुगतान किया और फिर और ज्यादा पैसे जुटाने के लिए अंडे को दान के रूप में समिति को वापस कर दिया। नीलामी के आखिरी दिन एक युवा व्यापारी दानिश अहमद ने अंडे को 70,000 रुपये में खरीदा। दानिश ने कहा कि हम इस मस्जिद को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए बहुत उत्सुक हैं। चूंकि मस्जिद को बड़ा बनाने की योजना है, इसलिए ज्यादा पैसे की जरुरत भी है। उन्होंने कहा कि 'मैं कोई अमीर आदमी नहीं हूं लेकिन मस्जिद बनाने के लिए मेरा जुनून और भावना थीज।' दानिश के मुताबिक कई दौर की नीलामी के बाद अंडे के लिए बोली लगाने वालों ने 2,26,350 रुपये नीलामी से जमा किए हैं। जिसे अब मस्जिद की तामीर में लगाया जाएगा।

कांग्रेस कन्हैया कुमार को टिकट देकर अपनी मानसिकता का परिचय दे रही है- मनोज तिवारी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कांग्रेस कन्हैया कुमार को कांग्रेस पार्टी से टिकट मिलने के बाद बीजेपी कैंडिडेट मनोज तिवारी ने कहा कि वो अपनी मानसिकता का परिचय दे रही है। चुनाव में तो कोई भी प्रत्याशी बनकर आ सकता है। मनोज तिवारी ने कहा कि आज कांग्रेस और आप पार्टी का कार्यकर्ता निराश होकर बैठ गया होगा और बहुत निराश होगा। कोई इसको स्वीकार नहीं करेगा। मेरा मानना है कि हमारे क्षेत्र में जो भी आएगा 14 हजार 600 करोड़ का काम देखेगा। हमारे क्षेत्र में जाम होने वाले बड़े-बड़े चौराहे निर्बाध गति से चल रहे हैं। कांग्रेस ने उत्तर-पूर्वी दिल्ली से कन्हैया कुमार को टिकट दिया है।

4 जून के बाद भष्ट्राचारियों के खिलाफ तेज होगी मोदी सरकार की कार्रवाई: नड्डा

रामनाथपुरम (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने तमिलनाडु में रामनाथपुरम जिले के परमकुडी में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के प्रत्याशी और पूर्व मुख्यमंत्री ओ पन्नीरसेल्वम के समर्थन में रोड शो किया। दरअसल अन्नाद्रमुक से निष्कासित पन्नीरसेल्वम भाजपा नीत राजग के तहत निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में रामनाथपुरम से लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। तमिलनाडु में 19 अप्रैल को मतदान होगा।

राज्य की स्टालिन सरकार पर निशाना साधते हुए नड्डा ने इस पार्टी के लोगों पर 'बालू घोटाले में लिप्त होने का आरोप लगाया और कहा कि द्रमुक का मतलब, डी यानी डायनेस्टी (वंशवाद), एम यानी मनी स्विंडलिंग (पैसे की हेराफेरी) और के यानी कट्टपंचायत (कंगारू अदालत) है। राष्ट्रीय अध्यक्ष नडडा ने कहा कि चार जून के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी जाएगी और ''ये सभी लोग जेल में होंगे या जमानत पर होंगे। देश में सात चरणों में लोकसभा चुनाव होने के बाद चार जून को मतगणना होगी। नड्डा ने विशेष रूप से तैयार किये गये एक खुले वाहन में सवार होकर रोड शो किया।

उन्होंने पन्नीरसेल्वम की तारीफ कर उन्हें ऐसा ''वरिष्ठ नेता बताया जो अनुभवी एवं परिपक्व हैं तथा जिन्होंने तमिलनाडु की खातिर संघर्ष किया है।'' नडडा ने कहा कि मोदी ने कोष आवंटन में इस दक्षिणी राज्य के साथ 'विशेष बर्ताव' किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने ''तमिल संस्कृति एवं को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पहुंचाया। उन्होंने कहा कि राजग के पिछले एक दशक के शासनकाल में देश ने विभिन्न क्षेत्रों में तेज छलांग लगाई है तथा 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर लाया गया है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने डिजिटल लेनदेन पर जोर दिया

नई दिल्ली। देश के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने डिजिटल लेनदेन पर जोर दिया है। इससे पहले जयशंकर ने 2008 के मुंबई हमलों के बाद नीति में निर्णायक बदलाव के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को श्रेय देते हुए सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत के दृढ़ रुख की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि प्रमुख आतंकवादी घटनाओं का युग हमारे पीछे है। आज किसी भी आतंकवादी कृत्य पर भारत की प्रतिक्रिया का उदाहरण उरी में हमारी कार्रवाई है। राजस्थान के बीकानेर में एक कार्यक्रम में बोलते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि भारत में मासिक रूप से 120 करोड़ रुपये का लेनदेन होता है जबकि संयुक्त राज्य अमेरिका में एक वर्ष में केवल 40 करोड़ रुपये का लेनदेन ही होता है। जयशंकर ने अन्य देशों के संदेह का मुकाबला करते हुए भारत में लोकतंत्र की प्रभावशीलता पर प्रकाश डाला। एक सभा में उन्होंने कहा कि कैशलेस भुगतान के लिए यूपीआई के आगमन के साथ ही भारत की मासिक लेनदेन मात्रा 120 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है जो अमेरिका के वार्षिक आंकड़े को भी पार कर गई है। इस प्रगति को विश्व स्तर पर मान्यता और सराहना मिली है। उन्होंने बताया कि कई देशों के विपरीत जहां चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाए जाते हैं भारत के चुनाव इसके लोकतंत्र के सुचारू कामकाज का एक प्रमाण हैं। लोकतंत्र ने भारत में परिणाम देने की अपनी क्षमता साबित की है यह इस धारणा के विपरीत है कि यह विकास में बाधा डालता है। 100 करोड़ लोगों को शामिल करने वाली निर्बाध मतदान प्रक्रिया दुनिया के लिए एक आश्चर्य है और एक उपलब्धि है जिस पर हमें गर्व होना चाहिए।

अरुणाचल प्रदेश की महिलायें बोलीं- मोदी जी की सरकार में राज्य का भाग्य ही बदल गया

ईटानगर (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश की महिलाओं ने कहा कि पहले हमारे पास ना पहनने के लिए अच्छे कपड़े होते थे ना राशन पूरा मिलता था। ना ही मेडिकल सुविधाएं थीं और सड़कों की स्थिति अच्छी नहीं होने से आवाजाही में दिक्कत होती थी, लेकिन केंद्र में जबसे मोदी जी की सरकार आई है तबसे इस राज्य का भाग्य ही बदल गया है।

लोगों ने बताया कि पिछले साल जब जी 20 समूह की बैठक अरुणाचल प्रदेश में आयोजित की गयी थी तो विदेशी मेहमानों ने यहां की आवभगत देखी व यहां का विकास भी देखा और यहां की संस्कृति से परिचित हुए। लोगों ने कहा कि पहले लोग अरुणाचल प्रदेश को सिर्फ मानचित्र में देखा करते थे लेकिन अब पूरी दुनिया अरुणाचल की संस्कृति से रूबरू हुई है तो इसका पूरा श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जाता है।

यही नहीं अरुणाचल प्रदेश कुछ उन राज्यों में शुमार है जहां विधानसभा और लोकसभा के चुनाव साथ हो रहे हैं। पूर्वोत्तर राज्य अरुणाचल में लोकसभा की दो सीटें हैं और विधानसभा की 60 सीटें हैं। जब हमने कई लोगों से बातचीत की। लोगों ने कहा कि हमें केंद्र में मोदी और राज्य में पेमा खांडू की सरकार पर विश्वास है क्योंकि यह सरकारें गरीबों का पूरा ख्याल रख रही हैं। हर तरह की मदद सीधे उनके खाते में आती है। विधानसभा की 10 सीटों पर एक ही उम्मीदवार होने की वजह से उन्हें निर्वाचित घोषित किया जा चुका है। इसलिए चुनाव बाकी की 50 विधानसभा सीटों पर कराये जा रहे हैं। अरुणाचल प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए मतगणना 2 जून को कराई जायेगी जबकि लोकसभा चुनावों के लिए दोनों सीटों के मतों की गणना देश की सभी लोकसभा सीटों की मतगणना के साथ 4 जून को होगी।

लोगों ने कहा कि चीन चाहे जितनी आंखें दिखाता रहे, लेकिन हर अरुणाचली भारतीय है और अपने देश के साथ चट्टान की तरह खड़ा है। लोगों ने बताया कि वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के तहत जिस तरह सीमावर्ती गांवों का विकास हुआ है। उससे सिर्फ वहां के निवासियों को ही लाभ नहीं हुआ है बल्कि इससे सुरक्षा के हालात भी बेहतर हुए हैं। लोगों ने बताया कि सुदूर क्षेत्रों में पुलों और सड़कों का जो जाल बिछाया गया है। उससे हमारे सुरक्षा बलों के लिए कहीं भी कभी भी पहुँचना आसान हो गया है जिससे दुश्मन भी हैरत में है।

लोगों ने बताया कि जिस तरह यहां डबल इंजन सरकार जल विद्युत परियोजना के क्षेत्र में काम कर रही है। उससे आने वाले दिनों में अरुणाचल की किस्मत बदलने वाली है क्योंकि तब हम पूरे देश को बिजली दे रहे होंगे। जब ईटानगर से सटे कुछ गांवों का दौरा किया तो पाया कि वहां पक्की सड़कें और बुनियादी ढांचागत परियोजनाएं पर्याप्त हैं। लोगों ने कहा कि कांग्रेस भले न्याय की गारंटी देने की बात कर रही हो लेकिन हमें मोदी की गारंटी पर विश्वास है। लोगों ने कहा कि भाजपा ने विकसित भारत व विकसित अरुणाचल प्रदेश के लिए जो संकल्प पत्र जारी किया है हम उससे संतुष्ट हैं और हमें विश्वास है कि उसमें किये गये वादे पूरे किये जायेंगे।

बाबा रामदेव को माफ करने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार, 23 को फिर होंगे पेश

-पतंजलि के भ्रामक विज्ञापन मामले में योग गुरु और आचार्य बालकृष्ण को फिर झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। पतंजलि के भ्रामक विज्ञापन मामले में योग गुरु रामदेव और आयुर्वेद के आचार्य बालकृष्ण को सुप्रीम कोर्ट से कोई भी राहत नहीं दी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार भी बाबा रामदेव को माफ करने से इनकार कर दिया और उन्हें 23 अप्रैल को पेश होने का आदेश दिया।

एलोपैथी के खिलाफ पतंजलि के भ्रामक विज्ञापन मामले में योग गुरु रामदेव अपने सहयोगी बालकृष्ण के साथ सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए। योग गुरु रामदेव ने सुप्रीम कोर्ट से माफी मांगी, लेकिन कोर्ट ने उन्हें माफ करने से साफ इनकार कर दिया। रामदेव से जस्टिस हिमा कोहली ने कहा कि 'आपने जो किया है उसके लिए क्या हम आपको माफी दे दें? आपको पता है कि आपने क्या किया?' इस पर बाबा रामदेव ने कहा कि हमसे भूल हुई है, उसके लिए हमने माफीनामा भी पेश किया है और हम फिर माफी मांग रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट से बाबा रामदेव ने दोबारा कहा कि हम माफी मांग रहे हैं और भविष्य में सौ फीसदी इसका ख्याल रखेंगे और इसकी पुनरावृत्ति नहीं होगी। इस पर कोर्ट ने कहा कि अभी हमने मन नहीं बनाया कि आपको माफ करें कि नहीं.. एक नहीं तीन बार आपने उल्लंघन किया है। आप इस तरह की बात मत करिए। आपके रवैये से यह नहीं लगता। हम आदेश जारी करेंगे नहीं। कोर्ट ने कहा 23 अप्रैल को मामले की फिर सुनवाई करेंगे और फिर से दोनों को कोर्ट में पेश होना होगा। बता दें कि इससे पहले की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने योग गुरु रामदेव और पतंजलि आयुर्वेद के आचार्य बालकृष्ण के उन हलफनामों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था, जिसमें उन्होंने भ्रामक विज्ञापन प्रकाशित करने के लिए बिना शर्त माफी मांगी थी।

सीएम मान बोले- केजरीवाल को जेल में वे सुविधाएं भी नहीं जो कट्टर अपराधियों को मिलती हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने तिहाड़ जेल में आप पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की। उन्होंने केजरीवाल से ग्लास सेपरेशन के जरिए मुलाकात की और उनकी आधे घंटे लंबी मुलाकात हुई। उन्होंने कहा कि यह देखकर बहुत दुख हुआ कि उन्हें वे सुविधाएं भी नहीं मिल रही हैं जो कट्टर अपराधियों को मिलती हैं। उसकी गलती क्या है? आप उनके साथ ऐसा व्यवहार कर रहे हैं मानो आपने देश के सबसे बड़े आतंकवादियों में से एक को पकड़ लिया हो।

सीएम मान ने कहा कि पारदर्शिता की राजनीति शुरू करने वाले और भाजपा की राजनीति खत्म करने वाले कटर ईमानदार अरविंद केजरीवाल के साथ ऐसा ही व्यवहार किया जा रहा है। जब मैंने पूछा कि वह कैसे हैं तो उन्होंने कहा कि मेरे बारे में भूल जाओ मुझे यह बताओ कि पंजाब में चीजें कैसी चल रही हैं? क्योंकि हम काम की राजनीति करते हैं। वहीं आप नेता संदीप पाठक ने कहा कि हम सभी ने अरविंद केजरीवालजी से पूछा कि वह कैसे हैं। उन्होंने कहा मेरे बारे में चिंता करना बंद करो मुझे बताओ कि लोग कैसे हैं। क्या उन्हें मुफ्त बिजली मिल रही है? उन्होंने बिजली कटौती के बारे में भी पूछा। उन्होंने पूछा कि जो दवाएँ पहले उपलब्ध थीं वे अब भी उपलब्ध हैं या नहीं? पाठक ने कहा कि हमने उसे सब कुछ बता दिया। उन्होंने कहा कि अगले सप्ताह से वह चल रहे कार्यों की समीक्षा के लिए एक समय में 2 मंत्रियों को यहां बुलाएंगे। उन्होंने मुझसे यह भी कहा कि मैं हर विधायक से मिलूं और उनसे कहूं कि हर गली में जाकर देखूं कि लोगों को कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए और हम जितना करते थे उससे 10 गुना ज्यादा लोगों की सेवा करनी है।

सलमान खान के घर फायरिंग मामले में दोनों आरोपियों को 10 दिन की पुलिस हिरासत

मुंबई, (एजेंसी)। रविवार तड़के बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के घर पर फायरिंग करने वाले दोनों आरोपियों को मुंबई पुलिस गिरफ्तार करने में सफल रही. आरोपियों को मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने गुजरात के भुज से गिरफ्तार किया था। इसके बाद आरोपियों को मंगलवार दोपहर में मुंबई लाया गया. आरोपियों को किला कोर्ट में पेश किया गया. इस दौरान पुलिस ने अदालत से आरोपियों को 14 दिन की पुलिस हिरासत देने का अनुरोध किया. लेकिन कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया और कुछ देर बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया. कोर्ट ने आरोपी को 10 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है. सुनवाई के दौरान पुलिस ने कोर्ट को बताया कि इस मामले में एक अंतरराष्ट्रीय रैकेट शामिल है. आरोपियों पर बिहार, हरियाणा, पंजाब और गुजरात के साथ-साथ उत्तर प्रदेश में भी मुकदमा चलाया जाना है। इस सुनवाई के दौरान पुलिस ने कोर्ट में अनमोल बिश्नोई की पोस्ट पढ़ी. पुलिस ने अदालत को यह भी बताया कि वह गोलीबारी में इस्तेमाल की गई पिस्तौल को जब्त करना चाहती है. पुलिस ने कोर्ट में खुलासा किया कि आरोपी सलमान खान के पनवेल फार्म हाउस के पास किराए पर रहने आया था. पुलिस ने यह भी कहा कि आरोपियों ने सांताक्रूज रेलवे ट्रैक के पास अपने कपड़े बदले और वहां से भाग गए. आपको बता दें कि मुंबई के बांद्रा में गैलेक्सी अपार्टमेंट में सलमान खान के घर पर 14 अप्रैल को सुबह करीब 5 बजे दो अज्ञात बाइक सवार हमलावरों ने गोलीबारी की। आरोपियों ने सलमान खान के घर पर चार राउंड फायरिंग की थी. फिलहाल मुंबई पुलिस इस मामले की जांच कर रही है. उधर इस मामले में आरोपी विशाल राहुल की गिरफ्तारी से जांच एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं. क्षेत्र में सक्रिय संगठित अपराध नेटवर्क की सीमा के बारे में सवाल उठाए गए हैं। जांच से पता चला है कि विशाल, जिसे कालू के नाम से जाना जाता है, हरियाणा में कई हत्याओं और डकैतियों सहित कई जघन्य अपराधों में शामिल था। विशाल उर्फ कालू लॉरेंस बिश्नोई गैंग का शूटर है. विशाल गुड़गांव का रहने वाला है. वह राजस्थान में गोदारा नाम के गैंगस्टर के लिए काम करता है। उस पर मूसवाला सहित कई हाई-प्रोफाइल हत्याओं में शामिल होने का आरोप है। हाल ही में वह लॉरेंस बिश्नोई के निर्देश पर रोहतक में एक सट्टेबाज की हत्या में शामिल था।

.... क्या गडकरी को अपने ही गढ़ में हराने की व्यूह रचना दिल्ली से की गई

- औवेसी और आंबेडकर की पार्टी ने नहीं उतारे उम्मीदवार

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय के अलावा महाराष्ट्र का नागपुर संतरों के लिए दुनिया अलग ही पहचान रखता है। लेकिन अब नागपुर को केंद्रीय मंत्री गडकरी का गढ़ भी माना जाने लगा है। पिछले 10 साल में गडकरी ने गली-मोहल्ले छान मारे और शायद ही ऐसा कोई इलाका शेष हो, जहां उन्होंने काम न किया हो। हालांकि, इस बार गडकरी को चुनौती देने वाले विकास ठाकरे को बिना मांगे ही प्रकाश आंबेडकर की वंचित बहुचन विकास आघाडी ने समर्थन दे दिया है और एमआईएम ने भी उम्मीदवार नहीं उतारा है। गडकरी के लिए यह व्यूह रचना ठीक नहीं मानी जा रही है। सवाल उठ रहे हैं कि कांग्रेस उम्मीदवार ठाकरे को वंचित के समर्थन देने के पीछे कौन सी शक्तियां खड़ी हैं? एमआईएम के उम्मीदवार न उतारने का कारण क्या है, जबकि बीजेपी के विरोधी आरोप लगाते हैं कि आंबेडकर और एमआईएम बीजेपी की बी टीम है। इसके बाद नागपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में यह चर्चा जोरों पर है कि क्या गडकरी को घेरने के लिए यह चक्रव्यूह रचा गया है?

आंबेडकर की वंचित ने यहां से उम्मीदवार नहीं उतारा और ओवैसी की पार्टी एमआईएम ने भी उम्मीदवार नहीं दिया है, जबकि कांग्रेस ने आंबेडकर से समर्थन नहीं मांगा था। महाराष्ट्र की राजनीति को करीब से जानने वाले कहते हैं कि किसके कहने पर वंचित ने कांग्रेस उम्मीदवार को समर्थन दिया है। एमएमआई के उम्मीदवार नहीं उतारने का कारण क्या है, इस पर शक दिल्ली की ओर जाता है। यह बात गडकरी को कचोट रही है, तब कांग्रेस खेमा उत्साहित है। इस बार गडकरी के सामने कांग्रेस ने इसी क्षेत्र के विधायक विकास ठाकरे को उम्मीदवार बनाया है। विकास नागपुर के मेयर रहे हैं। नागपुर महानगरपालिका में कई साल तक नेता विपक्ष रहे हैं। शहर पर उनकी अच्छी पकड़ है और जिस कुनबी समाज से आते हैं, उस समाज के वोटर्स की संख्या 6 लाख के करीब है। विकास का चुनाव प्रचार करने के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे आए, जबकि गडकरी के चुनाव प्रचार के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। वंचित ने जब से कांग्रेस उम्मीदवार को समर्थन देने की घोषणा की है, तब से गडकरी खेमा अलर्ट मोड पर है। चुनाव प्रचार में गडकरी का पूरा परिवार उतर गया है। गडकरी के व्यावहारिक होने के कारण उनके चुनाव प्रचार के लिए देश के कोने-कोने से लोग आ रहे हैं।

क्या है जातीय समीकरण

नागपुर लोकसभा चुनाव क्षेत्र में 22.23 लाख मतदाता हैं, जिसमें हिंदीभाषी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। करीब साढ़े चार लाख हिंदीभाषी मतदाता है, जिसमें करीब 3 लाख के आस-पास उत्तर प्रदेश, बिहार के हैं। करीब साढ़े 3 लाख मुस्लिम मतदाता हैं। कुनबी, तेली, दलित के चार-चार लाख के करीब मतदाता हैं। इनमें कांग्रेस के उम्मीदवार ठाकरे कुनबी समाज से हैं। उनका दावा है कि कुनबी, दलित, मुस्लिम और हिंदीभाषी समाज उनके साथ है। तेली समाज के समर्थन का दावा भी ठाकरे कर रहे हैं। दूसरी ओर, गडकरी का दावा करते हैं कि उन्हें सभी समाज का समर्थन हासिल है और वह पिछली बार से ज्यादा वोट हासिल कर जीत रहे हैं। कांग्रेस को और ज्यादा मार्जिन से हराएंगे।

गडकरी का मिलनसार स्वभाव उन्हें अन्य नेताओं से कुछ अलग जरूर करता है। जातीय समीकरण साधने के लिए गडकरी ने ओबीसी समाज के विकास के लिए संवैधानिक दर्जा प्राप्त आयोग का गठन में योगदान दिया।

वेस्ट बैंक में इज़राइली गोलीबारी, 2 फ़िलिस्तीनियों की मौत

रामल्ला। इजराइली गोलीबारी में यहां 2 फिलिस्तीनियों की दर्दनाक मौत हो गई। फिलिस्तीन के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि वेस्ट बैंक के नब्लस शहर के दक्षिण में इजराइल ने गोलीबारी की जिसमें कम से कम दो फिलिस्तीनी मारे गए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि मारे गए दोनों लोगों की पहचान कर ली गई है। इसके मुताबिक मृतकों में 30 वर्षीय अब्दुलरहमान माहेर बानी फादेल और 21 वर्षीय मोहम्मद अशरफ बानी जामे हैं। इस मामले में अकरबा के मेयर सलाह बानी जाबेर का कहना था कि कई बाशिंदों ने अकरबा शहर के उपनगर खिरबेट अल-तवील में फिलिस्तीनियों के एक समूह पर हमला किया, जिस कारण 2 लोगों की मौत हो गई और 3 अन्य घायल हो गए। इज़राइली सेना ने अभी तक इस घटना पर कोई टिप्पणी नहीं की है। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि गत सात अक्टूबर को गाजा पट्टी में संघर्ष शुरू होने के बाद से, वेस्ट बैंक में इजराइलियों द्वारा 468 फिलिस्तीनियों को मारा गया है, जबकि 4,800 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं।

कोशिमा में लगे भूकंप के झटके

टोक्यो। जापान के कोशिमा में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक भूकंप के झटके अंतरराष्ट्रीय समयानुसार सोमवार को 22:38 बजे कोशिमा से 143 किलोमीटर दूर दक्षिण-पूर्व में महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता रिएक्टर स्केल पर 5.9 मापी गई है। भूकंप का केंद्र 29.47 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 131.74 डिग्री पूर्वी देशांतर एवं जमीन की सतह से 8.0 किमी की गहराई में रहा है। भूकंप से फिलहाल कोई जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

मैक्रों ने सूडान को दो अरब यूरो से अधिक की सहायता देने का वादा किया

पेरिस। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने घोषणा की कि वैश्विक दानदाताओं ने युद्धग्रस्त सूडान को दो अरब यूरो से अधिक की सहायता देने का वादा किया है। सूडान में एक साल से जारी युद्ध के कारण देश के लोग अकाल के कगार पर पहुंच गए हैं। उन्होंने इस वित्तीय मदद की कोई विस्तृत समयसीमा या ब्यौरा नहीं दिया। सूडान के नागरिक समाज के सदस्यों ने पेरिस में हुई बैठक में भाग लिया, लेकिन न सूडानी सेना और न ही उसके प्रतिद्वंद्वी अर्धसैनिक बल का इस बैठक में कोई प्रतिनिधित्व रहा। सूडान में पिछले साल अप्रैल से उस समय संघर्ष शुरू हुए, जब सेना और अर्धसैनिक 'रैपिड सपोर्ट फोर्सेज' के बीच बढ़ते तनाव ने राजधानी खार्तूम और देश भर में अन्य जगहों पर खुली लड़ाई का रूप ले लिया। इस युद्ध में 14,000 से अधिक लोग मारे गए हैं और कम से कम 33,000 घायल हुए हैं। राष्ट्रपति मैक्रों ने इसे दुनिया के सबसे खराब मानवीय संकटों में से एक'' करार देकर कहा कि इसने ''अकाल का वास्तविक खतरा'' पैदा कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से उदारतापूर्वक दान करने और ''रक्तपात के दु:स्वप्न'' में फंसे सूडानी लोगों की मदद के लिए संयुक्त राष्ट्र के जीवन-रक्षक प्रयासों में सहयोग करने का आग्रह किया।

ड्रैगन को चुनौती.....अमेरिका ने फिलीपींस में तैनात की अपनी मिसाइल

वॉशिंगटन। अमेरिकी सेना ने फिलीपींस में एक अभ्यास में भाग लेने के लिए पहली बार अपने टायफॉन मिसाइल प्रणाली को विदेश भेजा है। जमीन आधारित टाइफॉन टॉमहॉक क्रूज मिसाइलों और एसएम-6 बहुउद्देश्यीय मिसाइलों को फायर कर सकता है। टाइफॉन का फिलीपींस में पहुंचना अमेरिका की ओर से चीन के लिए भी एक संदेश है। अमेरिकी सेना ने फिलीपींस में टाइफॉन प्रणाली के करीब एक हिस्से के आने की घोषणा की है, इस मिड-रेंज कैपेबिलिटी (एमआरसी) के रूप में भी जाना जाता है, जहां इसने अभ्यास सालाकनिब-24 में भाग लिया। चीन की ओर से कई बार ये संदेश दिया गया है कि अमेरिका उसके पड़ोस में ज्यादा सक्रिय ना हो। चीन की चेतावनियों को दरकिनार कर अमेरिका ने फिलीपींस में अपनी उपस्थिति बढ़ दी है। अमेरिकी सेना ने जो तस्वीरें जारी की हैं, उनमें हेवी एक्सपेंडेड मोबिलिटी टैक्टिकल ट्रक (एचईएमटीटी) के ट्रैक्टर संस्करण द्वारा खींचे गए एकल ट्रेलर-आधारित कंटेनरीकृत लांचर को अमेरिकी वायु सेना सी-17ए ग्लोबमास्टर-3 परिवहन विमान पर दिखाया गया है। यह पहली बार है जब टाइफॉन प्रणाली के तत्वों को एयरलिफ्ट किया और 8,000 मील से अधिक लंबी यात्रा करने में उस विमान को 15 घंटे से अधिक का समय लगा।

भारतीय सैन्यकर्मियों का दूसरा समूह मालदीव से रवाना

माले। मालदीव को भारत द्वारा उपहार में दिए गए विमान के संचालन के लिए तैनात भारतीय सैन्यकर्मियों का दूसरा समूह राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की मांग के अनुसार द्वीप राष्ट्र से रवाना हो गया है। एक मीडिया रिपोर्ट में रविवार को यह जानकारी दी गई। नौ अप्रैल को मालदीव से रवाना होने वाले भारतीय सैन्य कर्मियों के दूसरे समूह में वे भारतीय सैनिक थे जो डोर्नियर विमान का संचालन कर रहे थे। पहले यह माना जा रहा था कि द्वीप राष्ट्र से रवाना होने वाले भारतीय सैन्यकर्मी एक हेलीकॉप्टर का संचालन कर रहे थे। भारतीय सैनिकों के दूसरे समूह की रवानगी की घोषणा सबसे पहले राष्ट्रपति मुइज्जू ने शुक्रवार को एक चुनाव प्रचार अभियान कार्यक्रम के दौरान की थी। चीन समर्थक माने जाने वाले मुइज्जू ने कहा था कि पहली टीम पहले ही जा चुकी है। अब दूसरे प्लेटफॉर्म से भी सैनिक हटा लिए गए हैं। राष्ट्रपति मुइज्जू ने कहा एक ही प्लेटफार्म बचा है। बाकी भारतीय सैन्य कर्मियों को भी 10 मई से पहले वापस बुला लिया जाएगा। वे चले जायेंगे। मालदीव सरकार ने देश से भारतीय सैन्य कर्मियों की हालिया रवानगी पर आधिकारिक तौर पर कोई जानकारी नहीं दी है। राष्ट्रपति मुइज्जू ने अपने देश से भारतीय सैन्य कर्मियों के पहले समूह की वापसी के लिए 10 मार्च की समय सीमा तय की थी। मालदीव और भारत के बीच फरवरी में हुए समझौते के तहत नयी दिल्ली ने देश द्वारा उपहार में दिए गए सैन्य विमानों के संचालन की देखरेख के लिए मालदीव में तैनात भारतीय सैन्य कर्मियों के स्थान पर भारत से प्रशिक्षित नागरिकों की तैनाती पर सहमति जताई थी।

ईरान की इजराइल को धमकी, ऐसा हथियार इस्तेमाल करेंगे जो कभी नहीं हुआ

-इजरायल ने भी कसम खाई, ईरान को हमले का जवाब जरुर देगा

तेहरान। ईरानी वाणिज्य दूतावास पर हमले के जवाब में ईरान ने इजरायल पर ताबड़तोड़ मिसाइलें दागकर एक नई जंग को दावत दे दिया है। ईरानी हमले के बाद इजरायल ने भी कसम खाई है कि वह इस हमले का बदला जरुर लेगा। इजरायल ईरान पर कब हमला करेगा यह तय नहीं है। इस बीच ईरान ने एक बार फिर इजरायल को धमकाया है और कहा है कि अगर बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार जवाबी कार्रवाई करती है तो ईरान ऐसा हथियार तैनात करेगा, जिसका इस्तेमाल पहले कभी नहीं हुआ। इससे तबाही हो सकती है। इजरायल के सैन्य प्रमुख ने कहा है हम ईरान के हमले का जवाब देंगे हमें इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के फैसले का इंतजार है। इजराइली धमकी के बाद ईरान ने भी कहा कि वह इजरायल के किसी भी हमले का सेकेंड में जवाब देगा और जरूरत पड़ने पर ऐसा हथियार इस्तेमाल करेगा जिसका पहले कभी इस्तेमाल नहीं किया गया है। इजरायली सैन्य प्रमुख हरजी हलेवी ने जोर देकर कहा कि इजरायल अपने अगले कदमों पर विचार कर रहा है और कहा कि ईरानी हमले का जवाब दिया जाएगा, जबकि ईरान के उप विदेश मंत्री अली बघेरी कान ने कहा कि ईरान की ओर से किसी भी गतिविधि का सेकंड से भी जवाब देंगे।

बता दें कि ईरान ने 13 अप्रैल को इजराइल पर हमले के दौरान सैंकड़ों ड्रोन, बैलिस्टिक मिसाइल और क्रूज मिसाइल दागीं थी। इजराइली सेना ने कहा कि उसने रक्षा प्रणाली व लड़ाकू विमानों और अमेरिका की मदद से 99 फीसदी ड्रोन और मिसाइलों को नाकाम कर दिया गया है। इजराइल ने दो सप्ताह पहले सीरिया की राजधानी दमिश्क में ईरान के वाणिज्य दूतावास की इमारत पर कथित तौर पर हमला किया था, जिसके जवाब में ईरान ने इजराइल पर हमला किया। दोनों देशों के बीच दशकों से जारी दुश्मनी के बीच ईरान ने पहली बार इजराइल पर सीधे सैन्य हमला किया।

न्यूयार्क में रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप के विरोध में बैनर लेकर प्रदर्शन करती हुई एक महिला और अन्य लोग।

ईरानी फतह मिसाइल के सामने कमजोर पड़ा इजरायल का आयरन डोम

तेलअवीव। ईरान ने 13 अप्रैल की रात इजरायल पर हमला करने से पहले अपने प्रमुख शहरों की इमारतों पर हाइपरसोनिक हथियार की होर्डिंग्स लगाई थीं। जिसमें लिखा था 400 सेकेंड में तेल अवीव। यानी मिसाइल अगर ईरान से लांच की जाए, तब तेल अवीव तक सिर्फ 400 सेकेंड में पहुंच जाएगी। यानी करीब साढ़े 6 मिनट में। इस मिसाइल का नाम है फतह है। यह मीडियम रेंज की बैलिस्टिक मिसाइल है। 1400 किलोमीटर रेंज है। इसकी गति आवाज की स्पीड से 15 गुना ज्यादा है। यानी 17.9 हजार किलोमीटर प्रतिघंटा। इस गति की मिसाइल को इजरायल ट्रैक तब कर सकता है लेकिन उसका एयर डिफेंस सिस्टम इस मिसाइल सिस्टम रोक पाएगा या नहीं इस पर दुविधा थी। लेकिन इसकी पुष्टि 13 अप्रैल को हुए ईरानी हमले में हो गई। पहले पूरी दुनिया को लगा था कि इजरायल का आयरन डोम और अन्य एयर डिफेंस सिस्टम सात ईरानी बैलिस्टिक मिसाइल को नहीं रोक पाए। असल में वे फतह हाइपरसोनिक मिसाइलें थीं। जिसे इजरायल का कोई भी एयर डिफेंस सिस्टम नहीं रोक पाया। यही सात मिसाइलें इजरायल के नेवातिम एयरबेस पर गिरीं। मॉस्को के मिलिट्री जानकार व्लादिस्लाव शुरिगिन ने बताया कि ईरान ने रात में किया गया हमला कई लहर में किया है। ईरान की मिसाइलों की रेंज और स्पीड बहुत ज्यादा नहीं है। इसके लिए पहले उन्होंने शाहेद ड्रोन और रॉकेट्स से हमला किया। इसके बाद सबसोनिक क्रूज मिसाइलों से हमला किया। फिर फतह हाइपरसोनिक मिसाइल और बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। ड्रोन और रॉकेट्स ने इजरायल पर लगभग एक साथ हमला किया। ये पहला शॉकवेव था। ठीक तभी इजरायली डिफेंस फोर्सेस, अमेरिकी नौसेना के विमानवाहक युद्धपोत और इजरायली आयरन डोम ने इस हमले को रोकने के लिए जरूरी प्रयास किए।

भारत को यह महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच देना चाहता है इजराइल.... लेकिन अमेरिका ने लगा रखा है अड़ंगा

-अमेरिका इजराइल की मांग पर जबाव क्या दें

तेल अवीव (एजेंसी)। ईरान के मिसाइल और ड्रोन हमलों के बाद इजराइल के जिस रक्षा कवच की चर्चा है, उसका नाम एरो मिसाइल डिफेंस सिस्टम है। यह इजराइली मिसाइल डिफेंस सिस्टम अंतरिक्ष में भी ईरानी मिसाइलों के खिलाफ घातक साबित हुआ। एरो ने ईरान की कई बैलिस्टिक मिसाइलों को हवा में ही तबाह कर अपनी ताकत का लोहा मनवाया है। इजराइल का एरो 3 मिसाइल डिफेंस सिस्टम लंबी दूरी तक मार करने वाली दुश्मन की मिसाइलों को अंतरिक्ष में रहने के दौरान ही मार गिराने के लिए बनाया गया है। एरो डिफेंस सिस्टम को साल 2017 में सक्रिय किया गया था और इस सिस्टम ने पिछले साल नवंबर में भी हूती विद्रोहियों की एक मिसाइल को मार गिराया था। एरो सिस्टम का जन्म इराक के 42 स्कड मिसाइल दागने के बाद हुआ था। इस एयर डिफेंस सिस्टम को इजराइल अपने खास दोस्त भारत को देना चाहता है लेकिन अमेरिका ने अड़ंगा डाल रखा है।

साल 1991 की बात है,जब इराक ने इजराइल की राजधानी तेल अवीव और हाइफा शहर पर 42 स्कड मिसाइलों से हमला किया था। इस भीषण हमले के बाद इजराइल ने एरो सिस्टम पर काम करना शुरू किया। इजराइल ने साल 2000 में एरो 2 सिस्टम को सक्रिय कर दिया था। इस सिस्टम का उद्देश्य इराक की स्कड और ईरान शहाब मिसाइलों को अंतरिक्ष में ही मार गिराना था। यह सिस्टम दुश्मन की किसी मिसाइल को इजराइली हवाई क्षेत्र से 200 किमी की दूरी पर नष्ट कर देता है। हालांकि यह काफी महंगा हैं, इसमें इंटरसेप्टर मिसाइल दागने पर 3 मिलियन डॉलर का खर्च आता है।

साल 2017 में एरो 3 को सक्रिय करने के बाद इजराइल के हाथ अब हाइपरसोनिक क्षमता आ गई है। यह बहुत बड़े इलाके की सुरक्षा करने में सक्षम है। इससे यह किसी बड़े शहर या इलाके को आसानी से सुरक्षा मुहैया कराता है। यह परमाणु बम लेकर आ रही मिसाइल को भी अंतरिक्ष में मार गिराने में सक्षम है। इजरायल एयरोस्पेस इंडस्ट्री कंपनी ने अमेरिका की मिसाइल डिफेंस एजेंसी के साथ मिलकर इस एरो सिस्टम को बनाया है।

इस कारण इजराइल दोस्त भारत को यह एयर डिफेंस सिस्टम बेचना चाहता है, लेकिन अमेरिका ने इसमें अड़ंगा लगा रखा है। आर्म्स कंट्रोल एसोशिएशन की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका यह फैसला नहीं कर पा रहा है कि वह इजराइल की मांग पर क्या जवाब दे। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने अभी तक इजराइल से एरो के लिए नहीं कहा है, लेकिन नई दिल्ली एंटी मिसाइल क्षमता को बढ़ाना चाहता है। भारत ने रूस से एस 400 खरीदा है और अमेरिका से भी कई एयर डिफेंस सिस्टम को लेकर बात की है। भारत को पाकिस्तान और चीन दोनों की ही मिसाइलों से बड़ा खतरा है।

लेकिन अमेरिकी विदेश मंत्रालय की वजह से मामला फंसा हुआ है। इसके पीछे बड़ी वजह मिसाइल तकनीक कंट्रोल रिजीम (एमटीसीआर) संधि है। यह संधि 500 किलो के वारहेड से लैस 300 किमी से ज्यादा की दूरी तक मार करने वाली मिसाइल को देने से रोकती है। एरो सिस्टम में यह क्षमता है।

अमेरिकी खुफिया अधिकारी ने बताया चीनी दादागिरी से मुकाबला लेने को तैयार हो रहा भारत

वाशिंगटन (एजेंसी)। इजराइल-ईरान तनाव के बीच शीर्ष अमेरिकी खुफिया अधिकारी ने कांग्रेस को बताया कि 2023 में भारत ने खुद को एक वैश्विक नेता के रूप में प्रदर्शित किया क्योंकि भारत ने पूरे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीनी दादागिरी का मुकाबला करने की अधिक इच्छा दिखाई और अपनी सेना को आधुनिक बनाने और रूसी मूल-उपकरणों पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए कदम उठाए। रक्षा खुफिया एजेंसी के निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल जेफरी क्रूस की टिप्पणी चीन का मुकाबला करने वाली रक्षा खुफिया पर कांग्रेस की सुनवाई के दौरान आई। क्रूस ने कहा, पिछले वर्ष के दौरान, भारत ने समूह 20 के आर्थिक शिखर सम्मेलन की मेजबानी करके खुद को एक वैश्विक नेता के रूप में प्रदर्शित किया है और पीआरसी (पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चीन) पूरे भारत-प्रशांत क्षेत्र में गतिविधि का मुकाबला करने की अधिक इच्छा जाहिर की है। क्रूस ने कहा, 2023 में भारत ने चीन से प्रतिस्पर्धा करने और रूसी मूल के उपकरणों पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए अपनी सेना को आधुनिक बनाने के लिए कदम उठाए। भारत ने अपने पहले घरेलू स्तर पर निर्मित विमानवाहक पोत का समुद्री परीक्षण किया और प्रमुख रक्षा प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण पर कई पश्चिमी देशों के साथ बातचीत भी की है। यूक्रेन पर रूस के हमले पर भारत ने अपना तटस्थ रुख बरकरार रखा है। क्रूस ने कहा, रूस भारत का सबसे महत्वपूर्ण रक्षा साझेदार बना हुआ है और भारत अपनी रक्षा अधिग्रहण साझेदारी में विविधता लाने की भारत की इच्छा के बावजूद, मास्को से एस-400 सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली जैसे हथियार हासिल करना जारी रखे हुए है। उन्होंने सांसदों से कहा, 2024 में, भारत शायद अपने राष्ट्रीय संसदीय चुनावों को सुरक्षित करने, आर्थिक विकास को बनाए रखने और अपने सैन्य आधुनिकीकरण प्रयास के हिस्से के रूप में मेक इन इंडिया पहल पर ध्यान केंद्रित करेगी, जिसका उद्देश्य बीजिंग का मुकाबला करना है। क्रूस ने सांसदों को बताया कि दोनों पक्षों ने क्षेत्र में लगभग 50,000-60,000 सैनिक बनाए रखे हैं और सीमा के पास अपने सैन्य बुनियादी ढांचे में सुधार जारी रखा है। पाकिस्तान पर, क्रूस ने सांसदों से कहा कि उसने कश्मीर के बारे में भारत के साथ अपने विवाद को सुलझाने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सहित अंतरराष्ट्रीय समर्थन मांगा है।

लाल टोपी जैद का वीडियो देखकर पाकिस्तानी यूजर ले रहे मजे

इस्लामाबाद (एजेंसी)। ईरान और इजरायल के बीच इस समय काफी तनाव है। ईरान के हमले के बाद दोनों देशों में युद्ध जैसे हालात बनते दिख रहे हैं। इस बीच पाकिस्तान की मीडिया और सोशल मीडिया पर चर्चा में रहने वाले जैद हामिद का एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में जैद हामिद बाकायदा गन लेकर ट्रेनिंग करते हुए दिख रहा है। जैद के इस वीडियो को पाकिस्तान के कई सोशल यूजर्स ने शेयर करते हुए जैद का मजाक उड़ाया है। वीडियो में लाल टोपी जैद दो प्वाइंट के बीच भागते हुए और फायरिंग करते हुए देखा जा सकता है। उसके हाथ में गन है और पीठ पर एक बैग भी है। इस दौरान वह किसी फौजी की तरह से कभी घुटनों पर बैठकर तब कभी लेटकर फायरिंग कर रहा है। जैद के वीडियो को शेयर करते हुए पिरधन बलूच ने लिखा, जैद यरूशलम के करीब पहुंच चुका था। अचानक जैद को ख्याल आया कि घर में पानी की टंकी भर गई होगी, तब मोटर बंद कर दूं, बस वह लौट आया। पाकिस्तान की पत्रकार आरजू काजमी ने जैद के वीडियो पर लिखा, ये भी क्या चीज बनाई है भाई लोगों ने। एक अन्य यूजर ने लिखा कि इस आदमी ने अपना पूरा जीवन जिहाद की तैयारी में बिता दिया लेकिन ये अलग बात है कि कहीं जाने की हिम्मत इसकी कभी नहीं हुई। सादिया ने कहा कि खुदा के वास्ते जैद हामिद खुद भी चला जाए और मुल्ला माफिया को भी अपने साथ ही इजरायल ले जाए। कई यूजर्स ने कहा कि यह इजरायल के खिलाफ जिहाद की तैयारी है। हालांकि वीडियो कब का है, इसकी जानकारी नहीं है। पाकिस्तान में लाल टोपी के नाम से कुख्यात जैद सोशल मीडिया पर अपने भड़काऊ बयानों को लिए पहचान रखता है। जैद कभी भारत, कभी अमेरिका कई बार इस्लामिक देशों के खिलाफ भी जहर उगलता रहा है। जैद हामिद का पसंदीदा विषय गजवा-ए-हिंद रहा है। अपने वीडियोज में जैद ने बार-बार कहा है कि जल्दी ही पाकिस्तान और भारत की जंग होने जा रही है। इस जंग में पाकिस्तानी फौज दिल्ली पर जीत हासिल करते हुए गजवा हिंद करेगी।

ईरान के हमले के बाद घर में ही घिरे नेतन्याहू, विपक्षी जल्द चुनाव की मांग कर रहे

तेल अवीव (एजेंसी)। ईरान के इजराइल पर हमले के बाद पीएम बेंजामिन नेतन्याहू विपक्ष के निशाने पर हैं। इजराइली पीएम नेतन्याहू की नीतियों और हाल के समय फैसलों के लिए विपक्षी नेता और पूर्व पीएम यायर लैपिड ने उन्हें खरी-खरी सुनाई है। लैपिड ने कहा कि जिस तरह से देश पर ईरान ने हमला किया, वहां अभूतपूर्व है। प्रधानमंत्री नेतन्याहू की सरकार ने इजराइल की खुद का बचाव करने की क्षमता को पूरी तरह से नुकसान पहुंचाया है। लैपिड की टिप्पणी ईरान के इजराइल पर 300 से अधिक मिसाइलें और ड्रोन लांच करने के दो दिन बाद आई है।

यायर ने लिखा, नेतन्याहू सरकार में कब्जे वाले वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनियों के खिलाफ जिस तरह की हिंसा हुई, वह उनके नियंत्रण से बाहर थी। 2022 में कई पार्टियों के साथ गठबंधन कर सत्ता में लौटे नेतन्याहू ने बीरी से किर्यत शमोना तक विनाश ही विनाश किया है। देश के लिए जरूरी है कि शीघ्र चुनाव कराए। गाजा सीमा के पास बेरी में किबुत्ज समुदाय पर 7 अक्टूबर को हमास ने हमला कर भारी तबाही मचाई थी। इसके बाद गाजा में युद्ध शुरू हुआ। इजराइल के उत्तरी शहर किर्यत शमोना में लेबनान सीमा से हिज्बुल्ला के लड़ाके लगातार गोलीबारी कर रहे हैं। इसकारण लोग यहां सामान्य जिंदगी नहीं चल पा रही है। इस सभी का यायर ने जिक्र करते हुए नेतन्याहू को घेरा है।

लैपिड ने सीधे तौर पर नेतन्याहू को घेरकर कहा कि वेस्ट बैंक और देश की स्थिति को देखते हुए ये जरूरी है कि ये मौजूदा सरकार को हटाया जाए। उन्होंने कहा कि अगर हम इस सरकार को नहीं हटाते हैं, तब यह हमारे लिए विनाश लाएगी। इसके लिए बहुत जरूरी हैं कि जल्दी से जल्दी देश में चुनाव हों और नेतन्याहू को सत्ता से हटाया जाए। ईरान के हमले के बाद घर में घिरे नेतन्याहू ने युद्ध कैबिनेट की बैठक की है। इसमें ईरानी हमले पर इजराइल की प्रतिक्रिया पर विचार किया गया। इजराइल ने ईरान को जवाब देने का अपने अधिकार सुरक्षित होने की बात कही है। ईरान और लेबनान की ओर से हमलों के साथ-साथ वेस्ट बैंक की स्थिति भी नेतन्याहू सरकार की चिंता बढ़ा रही है।

डोनाल्ड ट्रंप का ऐतिहासिक मुकदमा शुरू, चुनाव से पहले जेल जाने का मंडरा रहा खतरा

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। पूर्व अमेरकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का ऐतिहासिक मुकदमा शुरू हो गया, जिससे ट्रंप अमेरिकी इतिहास में आपराधिक मामले का सामना करने वाले पहले पूर्व राष्ट्रपति बन गए हैं। नवंबर में अमेरिका में होने वाले चुनाव में ट्रंप की उम्?मीदवारी को लेकर सवाल खड़े हो गए। एक मुकदमे में ट्रंप को एक पोर्न अभिनेत्री के साथ यौन संबंध बनाने के आरोपों के बारे में चुप कराने के लिए ट्रंप को अपनी कंपनी के व्यावसायिक रिकॉर्ड में हेराफेरी कर उसे पैसे देने के आरोप में आपराधिक सजा और जेल भी हो सकती है।

अभियोजक ने ट्रंप के खिलाफ हितों का टकराव पैदा करने के मामले में मुकदमा चलाने में मदद के लिए एक ब?ायफ्रेंड को करदाताओं को 650,000 डॉलर देने की कीमत पर काम पर रखा था। ट्रंप के खिलाफ 6 जनवरी, 2021 के दंगों के कारण चुनाव में हस्तक्षेप के आरोप वाला संघीय आपराधिक मामला भी लंबित है। यह मामला उस समय का है, जब कांग्रेस को बाइडेन के चुने जाने की पुष्टि करने से रोकने के लिए उनके समर्थकों ने कैपिटल में तोड़-फोड़ कर दी थी। सुप्रीम कोर्ट को अब राष्ट्रपति पद के उनके दावों पर फैसला करना है। उनके खिलाफ एक और लंबित संघीय आपराधिक मामला वर्गीकृत दस्तावेजों को न?ट करने को लेकर है।

ट्रंप ने अदालत में जाने से पहले कहा कि यह राजनीतिक उत्पीड़न है, यह ऐसा उत्पीड़न है जैसा पहले कभी नहीं हुआ, किसी ने भी ऐसा कभी नहीं देखा है। अभियोजकों ने कहा है कि अभियोजन केवल यह दर्शाता है कि लोकतंत्र में कोई भी कानून से ऊपर नहीं है। अदालत में ट्रंप अपने वकीलों के साथ एक मेज पर बैठे। उन्होंने अंतिम समय में न्यायाधीश पर पक्षपाती होने का आरोप लगाते हुए उन?हें खुद को सुनवाई से अलग करने के लिए कहा। मर्चन के साथ ट्रंप की झड़पें हुई हैं, उन?होंने मांग ठुकरा दी और मुकदमे को आगे बढ़ाया। मैनहट्टन के उप लोक अभियोजक ने ट्रंप के खिलाफ मामलों की दोबारा गिनती शुरू की। अभियोजक और बचाव पक्ष के वकील उन संभावित जूरी सदस्यों की बारीकी से जांच करेंगे जो उन पूर्वाग्रहों की तलाश कर रहे हैं जो उनके मामले को नुकसान पहुंचा सकते हैं और उन लोगों को जूरी में बैठने से रोकने की कोशिश करेंगे, जिन्हें वे पक्षपाती मानते हैं।

मैनहट्टन के लोक अभियोजक एल्विन ब्रैग, जो इस पद के लिए निर्वाचित डेमोक्रेट हैं, उनके द्वारा लाया गया मामला 130,000 डॉलर पर केंद्रित है, जो 2016 के चुनाव अभियान के दौरान पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को चुप कराने के साथ एक और सेक्स स्कैंडल से बचने के लिए उन्हें उनके पूर्व वकील माइकल कोहेन के जरिए भुगतान किया गया था। अभियोजन पक्ष का आरोप है कि भुगतान को कॉर्पोरेट कानूनी खर्चों के रूप में छिपाया गया था, जो राज्य कानून का उल्लंघन है। ट्रंप कई सिविल मामलों में भी फंसे हुए हैं। एक संघीय अदालत में चल रहे एक अन्य सिविल मामले में ट्रंप को एक महिला को बदनाम करने के कारण 83 मिलियन डॉलर का हर्जाना देने का आदेश दिया गया था।

नारायण और राम में कोई अंतर नहीं

नारायण और राम दोनों वास्तव में एक ही हैं, मात्र नामों का अंतर है। नारायण संस्कृत का शब्द है। राम का अर्थ क्या है? एक अर्थ है रमंते योगिनः यस्मिन रामः। अर्थात् राम ही मात्र एक ऐसे विषय है जो योगियों के आध्यात्मिक मानसिक आभोग हैं, मानसाध्यात्मिक भोजन है, मानसाध्यात्मिक आनंद और प्रसन्नता के स्रोत हैं।

एक कहानी है कि किसी ने हनुमान से कहा, हनुमान, तुम एक भक्त हो और जानते हो कि मूलतः नारायण और राम में कोई अंतर नहीं है। तब तुम सर्वदा राम का ही नाम लेते हो, कभी नारायण का नाम नहीं लेते हो जबकि दोनों मूलतः एक ही हैं।

राम का दूसरा अर्थ है, राति महीधरः रामः। रति का प्रथम अक्षर र है और महीधर का प्रथम अथर म, राम। रति महीधरः, संपूर्ण विश्व की सर्वश्रेष्ठ ज्योतित सत्ता है, जिनसे सभी ज्योतित (प्रकाशित) सत्ताएं ज्योति प्राप्त करती हैं। चन्द्रमा पृथ्वी से ज्योति प्राप्त करती है, पृथ्वी सूर्य से ज्योति प्राप्त करती है और सूर्य परम पुरुष से ज्योति प्राप्त करते हैं। वे ही वह सर्वोच्च सत्ता है जो दूसरों को प्रकाशित करते हैं। वह सर्वोच्च प्रकाशमान सत्ता कौन हैं? परम पुरुष ही सर्वोच्च ज्योतित सत्ता हैं। राति महीधरः का तात्पर्य है, मात्र परम पुरुष, कोई अलग सत्ता नहीं, कोई अन्य सत्ता नहीं। राम का तीसरा अर्थ है, रावणस्य मरणं रामः। रावण शब्द का प्रथम अक्षर है रा और मरणं का प्रथम अक्षर है म। राम-राम अर्थात वह सत्ता जिसके चाप से रावण मर जाता है। अस्तु, रावणस्य मरणं, रावण की मृत्यु कहां होती है, कब होती है? जब कोई राम की शरण में जाता है तो रावण मर जाता है। अतः रावणस्य मरणं राम, जो परम पुरुष, राम, चिति सत्ता की शरण में चला जाता है, वह रावण रूपी राक्षस का नाश कर सकता है। रावणस्य मरणं का तात्पर्य सर्वोच्च चितिसता। अतः राम और नारायण में कोई अंतर नहीं है। तुम्हें अधिकाधिक सचाई के साथ अपनी सम्पूर्ण मानसिक वृत्तियों को समाहृत करते हुए बिंदुभूत रूप में अपने लक्ष्य परम पुरुष की ओर चलना चाहिए। अपितु, सभी मानसिक वृत्तियों को सूई की नोक (सूच्यग्र) के समान एकाग्र करते हुए अपने मैं भाव को मात्र उस एक तत्व की ओर, बिना किसी अन्य रूप, नाम, वर्ण अथवा विषय पर ध्यान दिए तुम्हें परिचालित करना चाहिए। इसीलिए हनुमान कहते हैं, श्रीनाथे जानकी नाथे। श्री शब्द का योगारूढ़ार्थ है, वह सत्ता जो रजोगुणी शक्ति की अधिष्ठान है, जो शक्ति से पूर्ण है। श्रीनाथ, श्री के मालिक नारायण हैं और जानकी अर्थात् सीता के मालिक (पति) हैं राम। सीता में सी का अर्थ है खेतों को जोतना (कल्चर), और उसका विशेषण वाची शब्द है सीता अर्थात् पूर्ण संस्कारित। यह संस्कार आता कहां से है? कौन इस संस्कार (संस्कृति) का मालिक है? इस संस्कार (संस्कृति) का कौन प्रेरणास्रोत अथवा सहायक है? परम पुरुष, श्रीनाथ अथवा जानकीनाथ का तात्पर्य है, उन्हीं परम पुरुष से। इसीलिए श्रीनाथ और जानकीनाथ में कोई अंतर नहीं है। हनुमान कहते हैं, मैं इसे जानता हूं कि आध्यात्मिकता, अध्यात्मवाद और आध्यात्मिक साधना विज्ञान की भी दृष्टि से श्रीनाथ और जानकीनाथ में कोई अंतर नहीं है। तथापि मम सर्वस्वः रामः कमललोचनः।

अस्तु, मन की सम्पूर्ण वृत्तियों को एक ही तत्व की ओर परिचालित करो, एक नाम का उपयोग करो, मात्र अपने इष्ट मंत्र का उपयोग करो और किसी अन्य मंत्र का उपयोग मत करो। हनुमान इसीलिए कहते हैं, मैं मात्र राम का नाम जपता हूं। कभी भी नारायण का नाम नहीं जपता। मैं नहीं जानता कि और नारायण हैं कौन? प्रत्येक साधक को जानना चाहिए कि संपूर्ण विश्व में मात्र एक ही मंत्र है और वह है उसका इष्ट मंत्र। वह कोई और मंत्र जानता ही नहीं है।

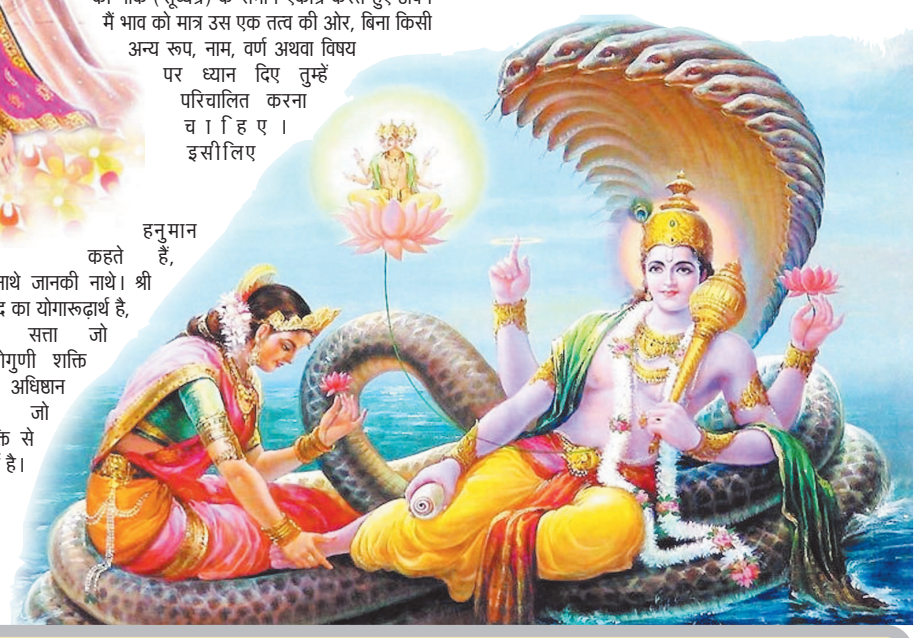

उंगलियां बताएंगी आपकी आर्थिक स्थिति

धन-संपति का होना या आपकी जिंदगी में इसका आना काफी हद तक आपके टैलंट के साथ-साथ आपके हाथों की रेखा पर भी निर्भर करता है। आइए जानें कि उंगलियों को देख आप कैसे पता लगाएंगे कि आपकी जिंदगी में कब धनागमन होगा या फिर इन चीजों से आपका जीवन सूना रहेगा।

1. यदि आपकी कनिष्ठा उंगली और अनामिका उंगली को आपस में सटाने के बाद बीच में गैप नज़र आ रहा हो तो समझ लीजिए कि बुढ़ापे में पैसों की तंगी से आप परेशान हो सकते हैं।
2. यही गैप यदि मध्यमा और अनामिका उंगली के बीच नज़र आ रही हो तो साफ है कि युवा अवस्था में आप पैसों के संकट से जूझ सकते हैं।
3. यदि मध्यमा और तर्जनी के बीच यह गैप हो तो बचपन में जातक को आर्थिक समस्या से सामना करना पड़ सकता है।
4. यदि यह गैप किसी भी उंगली के बीच न हो तो इसका अर्थ है कि व्यक्ति जन्म भर धन-संपति से परिपूर्ण रहता है।
5. यदि उंगलियों के सभी पर्व लंबे हों तो व्यक्ति धनवान होता है।
6. यदि मध्यमा उंगली के तीसरे पर्व के करीब अनामिका आकर मिल गई हो तो ऐसे लोग कलाकार, बुद्धिमान, विद्वान और विचारशील होते हैं और इस क्षेत्र में धन

कमाते हैं।

7. यदि अनामिका उंगली सीधी और लंबी है तो समझ लें कि जातक धन कमाने के मामले में काफी कुशल होता है।
8. यदि अनामिका उंगली तर्जनी के समान लंबी हो और उसका पहला पर्व चपटा हो तो व्यक्ति को खूब धन व सम्मान मिलता है।
9. यदि व्यक्ति की उंगलियों में अनामिका का तीसरा पर्व ज्यादा लंबा हो और गांठें उन्नत हों तो बिना वह किसी परेशानी के धन कमाने में लीन रहता है।
10. यदि जीवन रेखा से कई छोटी रेखाएं नज़र आएं और यह ऊपर की ओर जाती दिखे तो समझ लीजिए कि उस खास उम्र में व्यक्ति धन-संपत्ति और सम्मान पाता है।
11. यदि मस्तिष्क रेखा से कोई रेखा गुरु पर्वत की ओर जाए और उसके अंत पर क्रॉस जैसे निशान हो या फिर कोई टेढ़ी-मेढ़ी रेखा हो तो ऐसे लोगों को चाहकर भी धन पाने में सफलता नहीं मिल पाती।
12. अंगूठे के दोनों पर्व यदि कठोर और बराबर हैं तो यह धन और बिजनेस को खूब बढ़ाता है।

अंगूठा बताता है आपका व्यक्तित्व

कहते हैं अंगूठा मस्तिष्क का अहम बिंदु होता है। पुराने जमाने में किसी का अंगूठा देखकर उसकी बीमारी और उपचार के बारे में बताया जाता था। आइए, जानें कि अंगूठे का शेप क्या-क्या कहता है आपके बारे में...

- अंगूठा यदि मोटा हो तो कहते हैं ऐसे लोग बड़े ही जिद्दी स्वभाव के और भद्दे आचरण वाले होते हैं।
- अंगूठा यदि छोटा हो तो ऐसे लोग फिकल माइंड के होते हैं। पल में ये पल में वो- यह सोचने में उन्हें ज्यादा देर नहीं लगती। अंगूठा छोटा और पतला हो तो व्यक्ति की मानसिक स्थिति कमजोर और उनमें लीडिंग पावर की कमी दिखती है।
- लंबे अंगूठे वालों का व्यक्तित्व शानदार होता है। वे काफी जल्दी खुद पर कंट्रोल करना जानते हैं।
- कहते हैं कि अंगूठे के आगे का हिस्सा यदि शेप में पतला हो तो व्यक्ति बेहद होशियार, बुद्धिमान और हर बात को अलग और बेहतर तरीके से सोचने वाला और संवेदनशील होता है।
- कुछ लोगों का अंगूठा ऊपर से बिल्कुल चौड़ा सा नजर आता है। जिनका अंगूठा ऐसा हो, वह व्यक्ति प्रैक्टिकल होता है। कही अनकही बातों पर ध्यान न देते हुए वह वही करता है जो प्रैक्टिकली सही हो। हालांकि ऐसे लोग बड़ी जल्दी उतेजित भी हो जाते हैं।
- हममें से ज्यादातर लोगों का अंगूठा नीचे से मोटा और ऊपर थोड़ा पतला और मुड़ा होता है। लेकिन, यदि किसी का अंगूठा शेप में बिल्कुल सीधा हो तो समझ लें कि मूड खराब होने पर उन्हें समझाना किसी के बस की बात नहीं। स्वभाव से बड़े ही जिद्दी किस्म के होते हैं। लोग उनसे दूर रहना ही पसंद करते हैं।
- कुछ लोगों का अंगूठा बेहद लचीला होता है और ऐसे लोगों का स्वभाव भी काफी सॉफ्ट होता है। दोस्ती तो इनकी सबसे हो जाती है, लेकिन ऐसे लोगों पर भरोसा कोई जल्दी नहीं करता।

जब दैत्यों ने किया समुद्र मंथन के लिए मजबूर

एक दिन ऐरावत पर भ्रमण करते हुए देवराज इन्द्र से मार्ग में महर्षि दुर्वासा मिले। उन्होंने इन्द्र पर प्रसन्न होकर उन्हें अपने गले की पुष्प माला प्रसाद रूप में प्रदान की। इन्द्र ने उस माला को ऐरावत के मस्तक पर डाल दिया और ऐरावत ने उसे अपनी सूंड से नीचे डालकर पैरों से रौंद दिया। अपने प्रसाद का अपमान देखकर महर्षि दुर्वासा ने इन्द्र को श्रीभ्रष्ट होने का शाप दे दिया। महर्षि के शाप से श्रीहीन इन्द्र दैत्यराज बलि से युद्ध में परास्त हो गये। दैत्यराज बलि का तीनों लोकों पर अधिकार हो गया। हारकर देवता ब्रह्मा जी को साथ लेकर भगवान विष्णु की शरण में गये और इस घोर विपत्ति से मुक्ति दिलाने की प्रार्थना की। भगवान विष्णु ने कहा कि आप लोग दैत्यों से संधि कर लें और उनके सहयोग से मंदराचल को मथानी तथा वासुकी नाग को रस्सी बनाकर क्षीरसागर का मंथन करें। समुद्र से अमृत निकलेगा, जिसे पिलाकर मैं देवताओं को अमर बना दूंगा, तभी देवता दैत्यों को पराजित करके पुनः स्वर्ग को प्राप्त कर सकेंगे।

इन्द्र दैत्यराज बलि के पास गये और अमृत लोभ से देवताओं और दैत्यों में संधि हो गयी। देवताओं और दैत्यों ने मिलकर मंदराचल को उठाकर समुद्र तट की ओर ले जाने का प्रयास किया, किंतु असमर्थ रहे। अंत में स्मरण करने पर भक्त भयहारी भगवान पधारे। उन्होंने खेल खेल में ही भारी मंदराचल को उठाकर गरुण पर रख लिया और क्षणमात्र में क्षीरसागर के तट पर पहुंचा दिया। मंदराचल की मथानी और वासुकी नाग की रस्सी बनाकर समुद्र मंथन प्रारम्भ हुआ। भगवान ने मथानी को धंसते हुए देखकर स्वयं कच्छप रूप में मंदराचल को आधार प्रदान किया। मंथन से सबसे पहले विष प्रकट हुआ, जिसकी भयंकर ज्वाला से समस्त प्राणियों के प्राण संकट में पड़ गये। लोक कल्याण के लिए भगवान शंकर ने विष का पान किया। इसके बाद समुद्र से लक्ष्मी, कौस्तुभ, पारिजात, सुरा, धन्वन्तरि, चंद्रमा, पुष्पक, ऐरावत, पांचजन्य, शंख, रम्भा, कामधेनु, उच्चैः श्रवा और और अमृत कुंभ निकले। अमृत कुंभ निकलते ही धन्वन्तरि के हाथ से अमृतपूर्ण कलश छीनकर दैत्य लेकर भागे, क्योंकि उनमें से प्रत्येक सबसे पहले अमृतपान करना चाहता था।कलश के लिए छीना झपटी चल रही थी और देवता निराश खड़े थे। अचानक वहां एक अद्वितीय सौन्दर्य से भरपूर नारी प्रकट हुई। असुरों ने उसके सौंदर्य से प्रभावित होकर उससे मध्यस्थ बनकर अमृत बांटने की प्रार्थना की। वास्तव में भगवान ने ही दैत्यों को मोहित करने के लिए मोहिनी रूप धारण किया था। मोहिनी रूप धारी भगवान ने कहा कि मैं जैसे भी विभाजन का कार्य करूं, चाहे वह उचित हो या अनुचित, तुम लोग बीच में बाधा उत्पन्न न करने का वचन दो तभी मैं इस काम को करूंगी। सभी ने इस शर्त को स्वीकार किया। देवता और दैत्य अलग अलग पंक्तियों में बैठ गये। जिस समय भगवान मोहिनी रूप में देवताओं को अमृत पिला रहे थे, राहु धैर्य न रख सका।

वह देवताओं का रूप धारण करके सूर्य-चंद्रमा के बीच बैठ गया। जैसे ही उसे अमृत का घूंट मिला, सूर्य-चंद्रमा ने संकेत कर दिया। भगवान मोहिनी रूप का त्याग करके शंख चक्रधारी विष्णु हो गये और उन्होंने चक्र से राहु का मस्तक काट डाला। असुरों ने भी अपना शस्त्र उठाया और देवासुर संग्राम प्रारम्भ हो गया। अमृत के प्रभाव से तथा भगवान की कृपा से देवताओं की विजय हुई और उन्हें अपना स्वर्ग वापस मिल गया।

युगों-युगों के लिए आदर्श भाई बन गए भरत

श्रीराम वनवास के बाद महाराज दशरथ ने उनके वियोग में अपना प्राण त्याग दिया। फिर गुरुदेव वसिष्ठ के आदेश से उनके शरीर को सुरक्षित रख दिया गया और ननिहाल से भरत और शत्रुघ्न को बुलाने के लिए शीघ्रगामी दूत भेजे गये। भरतजी के ननिहाल से लौटने के बाद कैकेयी ने उन्हें प्रेमपूर्वक गले से लगाया और उनसे अपने पिता, भाई और माता की कुशल क्षेम पूछी। महाराज दशरथ को कैकेयी के महल में न देखकर भरत ने पूछा, मां तुम यहां अकेली बैठी हो, तुम्हारे बिना तो पिताजी एकांत में कभी नहीं रहते थे। भईया श्रीराम भी नहीं दिखाई दे रहे हैं। कारण क्या है उन्हें नहीं देखकर मुझे दुख हो रहा है।

कैकेयी ने कहा कि पुत्र तुम्हारे लिये भय और दुख की कोई बात नहीं है। मैंने महाराज से पूर्व वर के अनुसार तुम्हारे लिये राज्य तथा श्रीराम के लिये चौदह वर्षों का वनवास मांग लिया। श्रीराम के वनवास से दुखी होकर तुम्हारे पिता मृत्यु को प्राप्त हुए। कैकेयी के इस कुकृत्य को सुनकर भरत शोक समुद्र में डूब गये। उन्होंने कैकेयी से कहा, %अरी पापिनी, तू बात करने योग्य नहीं है। तू अपने पति की हत्या करने वाली हत्यारिणी है और तेरे गर्भ से जन्म लेने के कारण उस महापाप का मैं भी भागीदार हूं। मैं तेरा मुंह भी नहीं देखना चाहता। अतः तू मेरे सामने से तत्काल हट जा। कैकेयी के कुकृत्य की निंदा करने के बाद भरत माता कौशल्या के पास गये और उन्हें विभिन्न प्रकार से सांत्वना दी। उसके बाद उन्होंने गुरुदेव वसिष्ठ की आज्ञानुसार महाराज दशरथ का विधिवत अंतिम संस्कार किया तथा पिता के उद्देश्य से ब्राम्हणों को अनेक प्रकार का दान

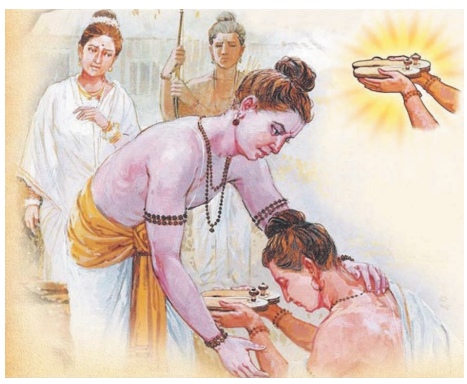

दिया। गुरुदेव वसिष्ठ के आदेश और माता कौसल्या के अनुरोध के बाद भी भरत ने राज्य लेना अस्वीकार कर दिया तथा सबको साथ लेकर श्रीराम को मनाने के लिए पैदल ही चित्रकूट चल दिये। मार्ग में निषादराज गुह और श्रीभरद्वाज जी से मिलते हुए भरतजी चित्रकूट पहुंचे। वहां उन्होंने दूर्वादल के समान श्याम शरीर और विशाल हृदय वाले श्रीराम को बैठे हुए देखा। वे श्रीजानकीजी को निहार रहे थे और श्रीलक्ष्मणजी उनके चरण कमलों में सेवा कर रहे थे। भरत पाहि नाथ कहते हुए दण्ड की भांति जमीन पर गिर पड़े और उन्होंने श्रीराम के युगल चरणों को पकड़ लिया। श्रीराम ने प्रेम से अधीर होकर उन्हें गले से लगाया। भरतजी ने श्रीराम से कहा, हे महाभाग! यह समस्त पैतृक राज्य आप ही का है। आप हमारे बड़े भाई हैं, आप हमारे पितातुल्य हैं। आप इस राज को स्वीकार करें और मेरी माता के अपराध को भुलाकर हमारी रक्षा करें।

श्रीराम ने कहा, भाई पिताजी ने मुझे चौदह वर्ष का वनवास और तुम्हें अयोध्या का राज्य दिया है। पिता के आदेश का पालन करना हम दोनों का परम धर्म है। जो मनुष्य पिता के आदेश का उल्लंघन करता है वह जीता हुआ भी मृतक के समान है। अतः तुम अयोध्या का पालन करो और मैं दण्डकारण्य में निवास करूंगा तथा वनवास से लौटने के बाद जैसा तुम चाहोगे वैसा करूंगा। इस तरह विभिन्न प्रकार से समझाकर श्रीराम ने अपनी चरण पादुकाएं श्री भरत जी को सौंप दीं। भरतजी अयोध्या लौट आये और उन पादुकाओं को सिंहासन पर स्थापित कर नंदीग्राम में तपस्वी जीवन व्यतीत करते हुए अयोध्या पर शासन करने लगे।

संपादकीय

चिंता मत करो : संत राजिंदर सिंहजी महाराज

इस तेज रफ्तार की दुनिया में बहुत से लोग चिंता और व्यग्रता से ग्रस्त है। चाहे वह व्यापारी हो या नौकरीपेशा, स्कूली छात्र हो या 80 साल का, अमीर व्यक्ति हो या भिखारी हर कोई किसी न किसी कारण से चिंता करता है। हमारे व्यक्तिगत जीवन में बुरी स्थितियों के बारे में चिंतित होना स्वाभाविक है लेकिन यह अनुचित स्तर तक बढ़ जाता है। चिंता का यह उच्च स्तर हमारी भावनात्मक ऊर्जा को सोख लेता है, हमारी चिंता के स्तर को बढ़ा देता है और हमारी उत्पादकता में बाधा डालता है जिससे हमारा दैनिक जीवन प्रभावित होता है। चिंता एक हिलती हुई खुशी की तरह है यह हमेशा गतिशील रहती है लेकिन यह किसी को कहीं नहीं ले जाती।

अक्सर हम खुद पर भरोसा करते हैं कि हम अपनी समस्याओं का समाधान कर सकते हैं। फिर भी कभी-कभी सभी प्रयासों के बाद भी हम असफल हो जाते हैं। हम क्या होगा की चिंता के कारण अपने भविष्य को लेकर चिंतित रहते हैं और हमेशा सोचते रहते हैं कि हमारे जीवन में सबसे खराब स्थिति में हमें क्या करना चाहिए? हम अपनी चिताओं को कैसे खत्म कर सकते हैं? क्या कोई समाधान है?

इस संबंध में एक घड़ी के बारे में एक कहानी प्रचलित है। एक दिन घड़ी ने सोचना शुरू कर दिया कि उसे कितनी बार टिक टॉक करना होगा। यह सोचने लगी कि उसे प्रति मिनट 60 बार टिक करना है। फिर उसे 60 बार प्रति मिनट गुना 60 मिनट प्रति घंटा पर ठीक करने के लिए 3600 बार प्रति घंटा के बराबर करना होगा। फिर दिन में 3600 बार प्रति घंटे के हिसाब से 24 घंटे में 86400 बार टिक करना होगा फिर घड़ी ने सोचा शुरू कर दिया कि उसे प्रत्येक सप्ताह महीने और वर्ष में कितनी बार टिक टिक करना होगा। जब तक कि वह घबरा ना जाए। यह बहुत ज्यादा काम है। मैं इस काम का बोझ कैसे जेल पाऊंगी? घड़ी इतनी चिंतित हो गई के चिंता के कारण उसकी धड़कनें छूटने लगी। जल्द ही उसका समय खत्म हो गया। मालिक द्वारा निकल जाने से चिंतित होकर घड़ी एक मनोचिकित्सक के पास गई।

घड़ी ने कहा डॉक्टर में वास्तव में चिंतित हूं। मैं बहुत चिंतित हूं कि मेरा टिकट अब ठीक से टिक नहीं कर रहा है। डॉक्टर ने कहा तुम किस बात की चिंता कर कर रही हो? घड़ी ने कहाज्मुझे इस बात की चिंता है कि मुझे प्रत्येक सप्ताह प्रत्येक मां प्रत्येक वर्ष कितनी बार टिक टिक करनी पड़ेगी। डॉक्टर ने कहा च्आपकी चिंता के कारण आप इन सभी धड़कनों को भूल रही हो। मेरे पास आपके लिए एक समाधान है।"वह क्या है?" घड़ी ने पूछा।

डॉक्टर ने पूछा" तुम्हें एक समय में कितनी टिक लगानी है?ज्घड़ी ने कहा बस एक समय में एक बार। डॉक्टर ने कहा तब मैं सलाह देता हूं कि अपनी सारी ऊर्जा का उपयोग एक समय में एक टिक लगाने पर ध्यान केंद्रित करो। यदि आप एक समय में केवल एक के बारे में चिंता करते हैं तो आप ठीक रहेंगे।

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

जब तक सृष्टि तब तक राम की दृष्टी

(लेखक- प्रभात झा)

(राम नवमी पर विशेष आलेख)

रामायण में वर्णन है-महर्षि वाल्मीकि ने मुनिश्रेष्ठ नारद से पूछा,卐भगवन् ! इस समय इस संसार में गुणी, शूरवीर, धर्मयज्ञ, सत्यवादी और दृढ़- प्रतिज्ञ कौन है ? सदाचारी, सब प्राणियों का हित करनेवाला, प्रियदर्शन, धैर्ययुक्त तथा काम-क्रोधादि शत्रुओं को जीतनेवाला कौन है? मुझे यह जानने की प्रबल अभिलाषा है। महर्षि ! आप इस प्रकार के श्रेष्ठ पुरुष के जानने में समर्थ हैं, अतः मुझे बताइये । महर्षि वाल्मीकि के ऐसा पूछने पर मुनिश्रेष्ठ नारद ने कहा, महर्षि ! आपने जिन गुणों का वर्णन किया है वे बहुत, श्रेष्ठ और दुर्लभ हैं तथा उन सबका एक ही व्यक्ति में मिलना कठिन है, फिर भी आप द्वारा पूछे सभी गुणों से युक्त एक व्यक्ति हैं जो इक्ष्वाकु वंश में उत्पन्न हुए हैं और 'राम' नाम से जगदविख्यात हैं। वे अति बलवान्, धैर्ययुक्त, जितेन्द्रिय, बुद्धिमान्, प्रियवक्ता, शत्रुघ्नों के नाशक, धर्म के जाननेवाले, सत्यवादी, प्राणियों के हित में तत्पर, वेदों के ज्ञाता, धनुर्वेद में कुशल,आर्य, प्रियदर्शन, गम्भीरता में समुद्र के समान, धेयं में हिमालय के सदृश, पराक्रम में विष्णु के तुल्य, क्रोध में कालाग्नि जैसे,क्षमा में पृथ्वी सम, दान करने में कुबेर और सत्य बोलने में दूसरे धर्म के समान हैं।

भगवान श्री राम के अवतरण के संदर्भ में गोस्वामी तुलसीदासजी ने रामचरितमानस में वर्णन किया है -

जब जब होई धरम कै हानी। बाढ़हिं असुर अधम अभिमानी।।
करहिं अनीति जाइ नहिं बरनी। सीदहिं बिप्र धेनु सुर धरनी॥
तब तब प्रभु धरि बिबिध सरीरा। हरहिं कृपानिधि सज्जन पीरा ।।
असुर मारि थापहिं सुरन्ह राखहिं निज श्रुति सेतु।
जग बिस्तारहिं बिसद जस राम जन्म कर हेतु।।

जब-जब धर्म का ह्रास होता है और नीच अभिमानी राक्षस बढ़ जाते है और वे ऐसा अन्याय करते हैं कि जिसका वर्णन नहीं हो सकता तथा ब्राह्मण, गो, देवता और पृथ्वी कष्ट पाते हैं, तब-तब वे कृपानिधान प्रभु भांति-भांति के (दिव्य) शरीर धारण कर सज्जनों की पीड़ा हरते हैं। वे असुरों को मारकर देवताओं को स्थापित करते हैं, अपने (श्वास रूप) वेदों की मर्यादा की रक्षा करते हैं और जगत में अपना निर्मल यश फैलाते हैं।

रामायण में वर्णन के अनुसार, त्रेता युग में सूर्य देव के पुत्र वंशज महाराज इक्ष्वाकु के कुल में अयोध्यापुरी के राजा दशरथ के पुत्र के रूप में विष्णु के सातवें अवतार भगवान राम का जन्म हुआ था। राजा दशरथ की तीन पत्नियां थी- कौशल्या, सुमित्रा तथा कैकेयी। अयोध्या के सूर्यवंशी राजा दशरथ को चौथेपन तक तीन रानियां होते हुये भी संतान प्राप्ति नहीं हुई। दुःखी सम्राट दशरथ जब अपनी यह अंतर्वेदना गुरु वशिष्ठ से कही तो उन्होंने श्रृंगी ऋषि को बुलाकर पुत्रकामेष्टि यज्ञ कराया। वशिष्ठ जी ने यज्ञ पश्चात खीर दशरथ जी को समर्पित की और राजा ने सभी रानियों को बुलाकर वह खीर वितरित की जिसका सेवन कर सभी रानियां गर्भवती हुईं और राजा दशरथ को चार पुत्रों का सुख प्राप्त हुआ। वाल्मीकि रामायण में ऋषि लिखते हैं, जिस समय महा कान्ति वाले राजा दशरथ जी पुत्रेष्टि यज्ञ करने लगे, उसी समय विष्णु भगवान ने पुत्र बनकर उनके यहां अवतार लेने का निश्चय कर लियाद्य इस प्रकार भगवान श्री राम का जन्म चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को हुआ था।

भगवान श्री राम जन्म प्रसंग को रामचरितमानस के बालकाण्ड में गोस्वामी तुलसीदासजी ने वर्णन किया है- भए प्रगट कृपाला दीनदयाला, कौसल्या हितकारी।

हरषित महतारी मुनि मन हारी अद्भुत रूप बिचारी॥ अर्थात दीनों पर दया करने वाले, माता कौशिल्या के हितकारी प्रगट हुए हैं। मुनियों के मन को हरने वाले भगवान के अदभुत रूप का विचार कर माता कौशल्या हर्ष से भर गई। गोस्वामी जी आगे वर्ण करते हैं-लोचन अभिरामा तनु घनस्यामा निज आयुध भुजचारी।

भूषन बनमाला नयन बिसाला सोभा सिंधु खरारी॥ अर्थात प्रभु के दर्शन नेत्रों को आनंद देने वाले हैं, उनका शरीर मेघों के समान श याम रंग का है तथा उन्होंने अपनी चारों भुजाओं में आयुध धारण किए हैं, दिव्य आभूषण और वन माला धारण की हैं। प्रभु के नेत्र बहुत ही सुंदर और विशाल है। इस प्रकार शोभा के समुद्र और खर नामक राक्षक का वध करने वाले भगवान प्रकट हुए हैं।

राम शब्द का शाब्दिक अर्थ होता है वह जो रोम रोम में बसे। श्रीरामस्रोत्र में वर्णन है-लोकाभिरामं रणरंगधीरं राजीवनेत्रं रघुवंशनाथम्। कारुण्यरूपं करुणाकरंतं श्रीरामचंद्रं शरणं प्रपद्येद्य अर्थात लोकों के आकर्षक, युद्ध में साहसी, राजीव(कमल) नेत्र वाले, रघुवंश के नाथ, कारुण्य स्वरुप, दयामयी हृदय वाले, ऐसे श्री राम चंद्र की शरण में हम आश्रय लेते हैंद्य यदि हम सामाजिक,ऐतिहासिक आदि रूपों से देखेंगे तब भी यह परिभाषा सर्वथा उपयुक्त बैठती है। इतिहास का कोई पृष्ठ नहीं जहां राम का प्रभाव न हो, समाज का कोई वर्ग नहीं जो राम भक्ति से अछूता हो। मर्यादापुरुषोत्तम भगवान श्री राम भारतीय जनमानस में बसते हैं। यहाँ पिछले सहस्त्रों वर्षों से आजतक जनता यदि किसी आदर्श शासनतंत्र को जानती है तो वो है रामराज्य। यदि कोई जिज्ञासावश जानना चाहे कि रामराज्य के इतने सहस्राब्दियों के बाद भी क्यों सब के इतने सहस्राब्दियों के बाद भी क्यों सब रामराज्य चाहते हैं तो उत्तर आता है करुणानिधान भगवान श्री राम की महानता।

भगवान श्री राम अपने गुणों की वजह से ही मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाए। उन्होंने दया, सत्य, सदाचार, मर्यादा, करुणा और धर्म का पालन किया। भगवान राम ने समाज के लोगों के सामने सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण पेश किया था। इसी कारण से उनको मर्यादा पुरुषोतम कहा जाता है।भगवान श्रीराम की महानता अथाह है। उनके अद्वितीय शौर्य एवं पराक्रम से उन्होने यज्ञरक्षा कर ऋषियों को भयहीन किया , उनका अनुपम बल ही खर, दूषण आदि का काल बना, वे ही शील के मूर्त स्वरूप है। धनुष भंग करने का सामर्थ्य होनेपर भी वा सभा मे शांति से बैठे थे और गुरुआज्ञा मिलने पर ही गए, पितृभक्ति ऐसी की पिता का वचन कभी मिथ्या न होने दिए भले स्वयं कष्ट सहे, त्याग ऐसा कि जब कुछ ही समय मे राजतिलक होना था तब भी वल्कल पहनकर वनगमन करने मे संकोच नहीं किया, ज्ञान वेद शास्त्रादि अनेकों ग्रथों का,मातृभूमि के प्रति प्रेम इतना कि अपनी जन्मभूमि अयोध्या नगरी के बारे मे कभी बुरे शब्द सुनना तक नहीं सहा, धर्म परायण ऐसे जो साधुओं का दुःख सुनकर बोल उठे निशिचर हीन करहु महि, भुज उठाए पन कीन्ह। अनुजों से स्नेह ऐसा कि युगो तक उनके उदाहरण दिए जाते हैं, सीता माता से ऐसा प्रेम किया आज भी कई लोग संबोधन के रूप मे सीताराम ही बोलते हैं, सत्यवादी ऐसे कि 'रामो द्विर्नाभिभाषते' आज प्रेरणा वाक्य है,शबरी को स्वयं नवधा भक्ति का उपदेश देकर सामाजिक सौहार्द के प्रतीक बने, सुग्रीव की कठिन समय मे सहायता कर सच्चे मित्र होने का अर्थ समझाया, घोषणा करके समाज मे नारियों के सम्मान की शिक्षा दी-अनुज बधू भगिनि सुत नारी, सुन सठ कन्या सम ए चारि। इन्हे कुदृष्टि बिलोकि जेई, ताहि बधे कछु पाप न होई॥ राम अपने भक्तों के सामर्थ्य से भली भांति परिचित हैं तभी वह हनुमान को ही मुद्रिका देते हैं, भगवान राम की उदारता ऐसी है कि जो सम्पति रावण को दस शीशों के दान के बाद मिली वो सम्पति वो विभीषण को तो उसके आगमन के साथ दे देते है। यह परमपुनीत भगवान का बड़प्पन ही है जो पापियों को भी सुधरने का अवसर देते, रावण के पास भी उन्होने शांतिदूत अंगद को भेजा थे। मातृभक्ति ऐसी की कभी मन मे भी कैकयी माता के प्रति द्वेष भाव न रखा और वापस आ कर सर्वश्रेष्ठ शासक बन कर दिखाए जिनका उदाहरण लोग कई युगो बाद आज भी देते हैं-दैहिक दैविक भौतिक तापा। राम राज नहिं काहुहि ब्यापा॥ सब नर करहिं परस्पर प्रीती। चलहिं स्वधर्म निरत श्रुति नीती॥

सदैव अनुकरणीय रहेंगे भगवान श्रीराम के आदर्श

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

(रामनवमी (17 अप्रैल) पर विशेष)

समूचे भारतवर्ष में प्रतिवर्ष चैत्र मास की शुक्ल पक्ष नवमी को रामनवमी का त्यौहार भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है, जो इस वर्ष 17 अप्रैल को मनाया जा रहा है। मान्यता है कि त्रेता युग में इसी दिन अयोध्या के महाराजा दशरथ की पटरानी महारानी कौशल्या ने मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम को जन्म दिया था। रामनवमी के दिन श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या में उत्सवों का विशेष आयोजन होता है, जिनमें भाग लेने के लिए देशभर से हजारों भक्तगण अयोध्या पहुंचते हैं। अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर में जनवरी महीने में हुई भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के बाद इस बार पहली बार रामनवमी बेहद खास होगी। समूची अयोध्या नगरी इस दिन पूरी तरह राममय नजर आएगी और हर तरफ भजन-कीर्तनों तथा अखण्ड रामायण के पाठ की गूंज सुनाई पड़ेगी। रामनवमी के अवसर पर भगवान राम के दर्शन के लिए इस बार लाखों लोगों के अयोध्या पहुंचने का अनुमान है और इसके लिए राम मंदिर ट्रस्ट द्वारा खास प्रबंध किए गए हैं।

विधि के विधान के अनुसार भगवान श्रीराम को दुष्ट राक्षसों का विनाश करने के लिए ही वनवास मिला था। उन्होंने अपने मानव अवतार में न तो भगवान श्रीकृष्ण की भांति रासलीलाएं खेली और न ही कदम-कदम पर चमत्कारों का प्रदर्शन किया बल्कि उन्होंने सृष्टि के समक्ष अपने क्रियाकलापों के जरिये ऐसा अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया, जिसकी वजह से उन्हें 'मर्यादा पुरूषोत्तम' कहा गया। मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम में सभी के प्रति प्रेम की अगाध भावना कूट-कूटकर भरी थी। उनकी प्रजा वात्सल्यता, न्यायप्रियता और सत्यता के कारण ही उनके शासन को आज भी 'आदर्श' शासन की संज्ञा दी जाती है और आज भी अच्छे शासन को 'रामराज्य' कहकर परिभाषित किया जाता है। श्रीराम का चरित्र बेहद उदार प्रवृत्ति का था। उन्होंने उस अहिल्या का भी उद्धार किया, जिसे उसके पति ने देवराज इन्द्र द्वारा छलपूर्वक उसका शीलभंग किए जाने के कारण पतित घोषित कर पत्थर की मूर्त बना दिया था। जिस अहिल्या को निर्दोष मानकर किसी ने नहीं अपनाया, उसे भगवान श्रीराम ने अपनी छत्रछाया प्रदान की। लोगों को गंगा नदी पार कराने वाले एक मामूली से नाविक केवट की अपने प्रति अपार श्रद्धा व भक्ति से प्रभावित होकर भगवान श्रीराम ने उसे अपने छोटे भाई का दर्जा दिया और उसे मोक्ष प्रदान किया। अपनी परम भक्त शबरी नामक भीलनी के झूठे बेर खाकर शबरी का कल्याण किया।

महारानी केकैयी ने महाराजा दशरथ से जब राम को 14 वर्ष का वनवास दिए जाने और अपने लाड़ले पुत्र भरत को राम की जगह राजगद्दी सौंपने का वचन मांगा तो दशरथ गंभीर धर्मसंकट में फंस गए थे। वह बिना किसी कारण राम को 14 वर्ष के लिए वनों में भटकने के लिए भला कैसे कह सकते थे और श्रीराम में तो वैसे भी उनके प्राण बसते थे। दूसरी ओर वचन का पालन करना रघुकुल की मर्यादा थी। ऐसे में जब श्रीराम को माता केकैयी द्वारा यह वचन मांगने और अपने पिता महाराज दशरथ के इस धर्मसंकट में फंसे होने का पता चला तो उन्होंने खुशी-खुशी उनकी यह कठोर आज्ञा भी सहज भाव से शिरोधार्य की और उसी समय 14 वर्ष का वनवास भोगने तथा छोटे भाई भरत को राजगद्दी सौंपने की तैयारी कर ली। श्रीराम द्वारा लाख मना किए जाने पर भी उनकी पत्नी सीता जी और अनुज लक्ष्मण भी उनके साथ वनों में निकल पड़े। वनवास की यात्रा की शुरूआत श्रृंगवेरपुर नामक स्थान से प्रारंभ कर वहां से वे भारद्वाज मुनि के आश्रम में चित्रकूट पहुंचे। उसके बाद विभिन्न स्थानों की यात्रा के दौरान पंचवटी में उन्होंने अपनी कुटिया बनाने का निश्चय किया। यहीं पर रावण की बहन शूर्पणखां की नाक काटे जाने की घटना हुई। उसी घटना के कारण वहां खर-दूषण सहित 14 हजार राक्षस राम-लक्ष्मण के हाथों मारे गए। यहीं से श्रीराम व लक्ष्मण की अनुपस्थिति में लंका का राजा रावण माता सीता का अपहरण कर उन्हें अपने साथ लंका ले गया। कहा जाता है कि जब सीता का विरह श्रीराम से नहीं सहा गया तो उन्होंने साधारण मनुष्य की भांति विलाप किया लेकिन हिम्मत न हारते हुए सीता जी की खोज में राम-लक्ष्मण जंगलों में भटकने लगे। इसी दौरान उनकी भेंट श्रीराम के अनन्य भक्त हनुमान से हुई, जिन्होंने राम-लक्ष्मण को वानरराज बाली के छोटे भाई सुग्रीव से मिलाया, जो उस समय बाली के भय से यहां-वहां छिपता फिर रहा था। श्रीराम ने बाली का वध करके सुग्रीव तथा बाली के पुत्र अंगद को किष्किंधा का शासन सौंपा और उसके बाद सुग्रीव की वानरसेना के नेतृत्व में लंका पर आक्रमण कर देवताओं पर भी विजय पाने वाले महाप्रतापी, महाबली, महापंडित तथा भगवान शिव के घोर उपासक लंका नरेश राक्षसराज

रावण का वध कर सीता को उसके बंधन से मुक्त कराया और लंका पर खुद अपना अधिकार न जमाकर लंका का शासन रावण के छोटे भाई विभीषण को सौंप दिया तथा वनवास की अवधि समाप्त होने पर भैया लक्ष्मण, सीता जी व हनुमान सहित अयोध्या लौट आए। एक ओर जहां रावण अन्याय, अत्याचार व अनाचार का प्रतीक था तो श्रीराम सत्य, न्याय एवं सदाचार के प्रतीक थे। सीता जी के अपहरण के बाद भी श्रीराम ने अपनी मर्यादाओं को कभी तिलांजलि नहीं दी। उन्होंने इसके बाद भी रावण को एक महाज्ञानी के रूप में सदैव सम्मान दिया और यह इससे साबित भी हुआ कि रावण की मृत्यु से कुछ ही क्षण पूर्व श्रीराम ने लक्ष्मण को रावण के पास ज्ञान अर्जन के लिए भेजा था।

(लेखक 34 वर्षों से साहित्य एवं पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

विचार मंथन

इजरायल ईरान युद्ध की आशंका से शेयर बाजार में निवेशकों के लाखों करोड़ डुबे

(लेखक - सनत जैन)

इजराइल और ईरान युद्ध की आहट और आशंका के चलते दुनिया भर के शेयर बाजारों में हाहाकार मच गया है। भारतीय शेयर बाजार में एक दिन के अंदर 8.21 लाख करोड़ रुपए निवेशकों के डूब गए हैं। इजराइल और ईरान के बीच जिस तरह से तनातनी बढ़ रही है। अमेरिका और यूरोप के देश इजराइल के समर्थन में एकजुट हैं। वहीं ईरान के समर्थन में रूस और चीन जैसी महाशक्तियों के एकजुट होने से तृतीय विश्व युद्ध की आशंका से सारी दुनिया भयाक्रान्त हैं। भारत के शेयर बाजार में इसका सबसे ज्यादा असर पड़ा है। दुनिया में भारत का शेयर बाजार ही ऐसा बाजार था, जो बेलगाम घोड़े की तरह भाग रहा था। शेयर बाजार को नियंत्रित करने वाले अडानी और अंबानी भी इस घाटे से नहीं बचे। सेंसेक्स और निफ्टी बुरी तरह से टूट कर बंद हुआ। 75000 की छलांग लगाने वाला सेंसेक्स 73400 के स्तर पर बंद हुआ। इस कारण भारतीय निवेशकों के 8.1 लाख करोड रुपए कुछ ही घंटे के अंदर स्वाहा हो गए। इजराइल- हमास युद्ध में ईरान के शामिल हो जाने के कारण, मिडिल ईस्ट के देशों में तनाव दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। यही तनाव दुनिया के अन्य देशों के बीच देखने को मिलने लगा है। संयुक्त राष्ट्र संघ और सुरक्षा परिषद जैसी अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों को इस तनाव को कम करने के लिए, जिन महाशक्तियों के माध्यम से शांति कराने के प्रयास करने थे, वही शांति के स्थान पर अशांति फैलाने का काम कर रहे हैं। 7 अक्टूबर 2023 के बाद से मिडिल ईस्ट के देशों के साथ तनाव बढ़ता ही जा रहा है। हाल ही में ईरान ने इजराइल पर 300 से ज्यादा ड्रोन मिसाइल से हमला किया। इसके पहले ईरान की सेना के अधिकारियों की दूतावास में हत्या के बाद से यह मामला तूल पकड़ता जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद ने एक आपातकालीन बैठक जरूर बुलाई है। इस बैठक को संबोधित करते हुए ईरान के राजदूत अमीर सईद इरावनी ने कहा, ईरान अपनी आत्म रक्षा के अधिकार का प्रयोग करेगा। ईरान ने कहा वह किसी भी हमले और आक्रामकता का मुंह तोड़ जवाब देगा। वहीं इजरायल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट द्वारा जवाबी हमले की धमकी दी गई है। इजरायल मंत्रिमंडल की युद्ध कैबिनेट की बैठक हुई, जिसमें इजरायल द्वारा कहा गया, कि वह ईरान से इजराइल पर किए गए हमले की कीमत वसूलेगा। देर सबेरे इजरायल बदला जरूर लेगा।

पिछले कई माह से रूस और यूक्रेन के बीच भीषण युद्ध चल रहा है। नाटो देशों ने रूस को अपना निशाना बनाया हुआ है। रूस और यूक्रेन के लाखों लोग इसके शिकार हुए हैं। फिलिस्तीन और इजरायल के बीच में भी पिछले कई माह से घातक युद्ध चल रहा है। हजारों निर्दोष नागरिकों की मौत हो चुकी है। इसका असर सारी दुनिया के देशों पर पढ़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां हाथ पर हाथ रखकर बैठी हुई है। उसका भी मुख्य कारण है, जिन महाशक्तियों को इस युद्ध को रोकने के लिए पहल करनी चाहिए थी, वही तनाव को बढ़ाने का काम कर रही हैं। अंतरराष्ट्रीय जगत में अब ऐसा कोई देश या राजनेता नहीं है, जो तृतीय विश्व युद्ध को रोकने के लिए आगे आए। दुनिया के देश अंतरराष्ट्रीय समुदाय की बात को मानते हुए शांति बनाए रखने के लिए फैसला कर सकें। इजराइल और फिलीस्तीन के युद्ध को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जो प्रस्ताव पास किए गए। उनका पालन नहीं हुआ। अमेरिका, चीन, रूस जिस तरह से आग में घी डालने का काम कर रहे हैं, वह सबसे बड़ी चिंता का काम बन गया है। सारी दुनिया के देशों में जिस तरह से आणविक और एटम बम के साथ अत्याधुनिक हथियारों के बल पर तृतीय विश्व युद्ध के लड़ने की तैयारी की जा रही है। इसकी आशंका मात्र से दुनिया भर के देशों के नागरिकों में अज्ञात भय देखा जा रहा है। द्वितीय विश्व युद्ध को समाप्त हुए करीब 80 वर्ष हो चुके हैं। प्रथम विश्व युद्ध और द्वितीय विश्व युद्ध की तबाही भी सारी दुनिया के देशों को पता है। 80 वर्षों में जो विकास सारी दुनिया के देश कर पाए थे। इस विकास को नष्ट करने में दुनिया के शक्तिशाली देश लग गए हैं। इससे आम नागरिकों की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। 1993 से सारी दुनिया के देश का एक दूसरे के साथ व्यापार संधि को लेकर समझौता किया। यह माना जा रहा था, कि इससे एक नए वैश्विक युग की शुरुआत होगी। सारी दुनिया के देशों को वैश्विक व्यापार संधि के बाद पूंजीवाद और कर्जवाद ने जकड़ लिया है। यही सबसे बड़े विनाश का कारण बन रहा है।

पिछले 20 वर्षों में दुनिया के देशों में जो भी सत्ता पर बैठे हुए लोग हैं। वह अपने अहंकार के आगे कुछ भी सोचने समझने लायक नहीं रहे। जिसका खामियाजा अब दुनिया के देशों के आम नागरिकों को भुगतना पड़ रहा है, यही कहा जा सकता है।

यह है आत्मविश्वास बढ़ाने की कुंजी

(रवीन्द्र गुप्ता)

हर इंसान अपने लक्ष्य की प्राप्ति में प्रयासरत रहता है। उसके लिए जरूरी होता है 'आत्मविश्वास'। 'आत्मविश्वास' यानी अपनी आत्मा पर विश्वास या अपने आप पर विश्वास।

जीवन में हर काम अपने आत्मविश्वास के बलबूते पर ही होते हैं। आत्मविश्वास के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण का होना जरूरी होता है। बिना आत्मविश्वास के कोई भी काम सफल नहीं हो सकता है।

अगर होता भी है तो निम्नस्तर का या आधा-अधूरा व खराब। आइए, हम जानते हैं आत्मविश्वास के बारे में-

क्या है आत्मविश्वास?

आत्मविश्वास वस्तुतः एक मानसिक एवं आध्यात्मिक शक्ति है। इससे महान कार्यों के संपादन में सहजता और सफलता हमें प्राप्त होती है। बगैर आत्मविश्वास के इन कार्यों की सफलता संदिग्ध ही बनी रहती है।

एकाग्रचित बनें

जिस भी व्यक्ति का मन शंका, चिंता और भय से भरा हो वह बड़े कार्य तो क्या, साधारण से साधारण कार्य भी नहीं कर सकता है। चिंता व शंका आपके मन को कभी भी एकाग्र न होने देंगे अतः आत्मविश्वास बढ़ाने हेतु अपने मन से सभी प्रकार के संदेह निकालें तथा एकाग्रता को बढ़ाएं।

आत्मविश्वास अद्भुत शक्ति

आत्मविश्वास एक अद्भुत शक्ति होती है। इसके बल से व्यक्ति तमाम विपत्तियों तथा शत्रुओं का सामना कर लेता है। संसार के अभी तक के बड़े से बड़े कार्य आत्मविश्वास के बलबूते ही हुए हैं और हो रहे हैं तथा होते रहेंगे।

बच्चों में आत्मविश्वास भरें

माता-पिता को चाहिए कि वे अपने बच्चों में आत्मविश्वास भरें। उनका आत्मविश्वास कभी कम नहीं करना चाहिए। उन्हें कभी भी इस प्रकार के नकारात्मक शब्द कि 'तुम कुछ नहीं जानते' या 'तुम में इस बात की कमी है' कभी नहीं कहने चाहिए।

इससे बच्चों का आत्मविश्वास कम होता है तथा इससे उनमें हीनभावना जागृत होती है तथा वे कुंठित हो जाते हैं। आज जग में जो निराशा की भावना तथा गरीबी दिखाई दे रही है उसके पीछे प्रमुख कारण यही हीनभावना है।

ऐसे बढ़ाएं आत्मविश्वास -

सकारात्मक चिंतन हो : सबसे पहले व्यक्ति को चाहिए कि वह हमेशा सकारात्मक चिंतन करे। सकारात्मक विचारधारा के लोगों के साथ ही रहें। कहा भी जाता है कि 'जैसी संगति, वैसी उन्नति'। जैसी आपकी विचारधारा होगी, दिमाग भी वही सोचने लगता है अतः सकारात्मक ही सोचें तथा साथ ही अपनी खामियों को भी स्वीकार करें।

आत्मविश्वास से भरपूर होने का अभ्यास करें -

आप अपना आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए यह प्रयास करें कि मैं सक्षम हूं। मैं यह कार्य कर सकता हूं। मुझे इसमें कोई दिक्कत नहीं आएगी।

महानायक अमिताभ बच्चन को भी पहली बार अभिनय करते वक्त काफी डर लगता था। जब अधिक डर लगता था तो वे स्वयं से कहते थे कि 'मैं जिसका रोल कर रहा हूं वह व्यक्ति मैं ही हूं' ऐसा सोचते व करते उनका आत्मविश्वास बढ़ गया व आज वे 'बिग बी' कहलाते हैं।

बीती ताहि बिसारि दे : अपने द्वारा भूतकाल में की गई गलतियों, असफलताओं को आप भुलाकर नई शुरुआत करें। भविष्य की योजना बनाएं तथा लक्ष्य निर्धारित कर उसकी प्राप्ति में जुट जाएं।

उपलब्धियां याद रखें : आत्मविश्वास की कुंजी है असफलता को स्वीकारना। श्रेष्ठ काम के लिए स्वयं को सराहें। आपके द्वारा सफलतापूर्वक किया गया काम आप फिर दोहरा सकते हैं इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

नया सीखते रहें : यदि आपको वर्तमान परिस्थिति जटिल लगे तो उसे नए तरीके से सीखने का प्रयास करना चाहिए। कुछ नया सीखने से आपका आत्मविश्वास तथा उत्साह बढ़ेगा तथा आपको इस बात का एहसास होता रहेगा कि 'मैं कुछ अलग व नया जानता हूं।' इससे आपका काम कम समय में बेहतर तरीके से होगा।

व्यक्तित्व को निखारिए : अपने व्यक्तित्व विकास पर ध्यान देते रहें तथा हमेशा अपना व्यक्तित्व आकर्षक बनाए रखिए। बॉडी लैंग्वेज और कम्युनिकेशन स्किल को सुधारें। संकीर्ण मनोवृत्ति का न बनें। स्वयं को नई सूचनाओं से अपडेट रखें तथा आसपास के परिवेश से भी तालमेल बैठाए रखें।

इस प्रकार की चंद बातों को आजमाकर आप अपना आत्मविश्वास बढ़ा सकते हैं तथा जीवन में नित नई उन्नति कर सकते हैं। तो आप भी आज से जुट जाइए अपना आत्मविश्वास बढ़ाने व तरक्की करने में।

टॉपर्स बनने के टिप्स

सफलता को पाने के लिए कड़ी मेहनत तो करनी ही पड़ती है। हम किसी कक्षा की एग्जाम या प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हों, इसके लिए सिर्फ एक ही लक्ष्य रखना पड़ता है वह है पढ़ाई।

किसी परीक्षा में टॉप करने वाले स्टूडेंट्स को देखकर मन में यही विचार आता है कि टॉपर्स किस तरह से परीक्षा की तैयारी करते हैं।

कुछ टिप्स जो टॉपर्स अपनाते हैं-

- शुरुआत में ही यह सोच लें कि आपको किस क्षेत्र में करियर बनाना है, उस क्षेत्र में सफलता के लिए जुट जाएं।
- पूर्ण समर्पण के साथ पढ़ाई करें। अगर कोचिंग के अलावा घर पर भी पढ़ाई करें।
- स्वयं का आत्मविश्वास बनाएं रखें। स्वयं पर किसी प्रकार का दबाव न आने दें।
- अपनी कमजोरियों को खोजें और उन्हें दूर करने का प्रयास करें।
- टॉपिक्स को रटने की बजाय समझकर पढ़ने की कोशिश करें।
- पढ़ाई में निरंतरता रखें। रेग्यूलर पढ़ाई करने से वह बोझ महसूस नहीं होती।
- किसी प्रतियोगी एग्जाम की तैयारी प्लानिंग से करें ताकि रिविजन में परेशानी न आए।
- अपने ऊपर किसी प्रकार का दबाव न आने दें।
- पढ़ाई के दौरान किसी भी प्रकार की परेशानी आने पर उसका टीचर्स से या दोस्तों के साथ मिलकर हल निकालने का प्रयास करें।
- जिस क्षेत्र में आप तैयारी कर रहे हैं, उस क्षेत्र के एक्सपर्ट?स का मार्गदर्शन समय-समय पर लेते रहें।

ऐसे करें टाइम मैनेजमेंट

समय का पहिया निरंतर घूमता रहता है। किसी के लिए रुकता नहीं है। जिस तरह मुट्ठी में बंधी हुई रेत को फिसलने से हाथ में ?नहीं रोका जा सकता है, उसी तरह समय के ?पहिए को भी नहीं रोका जा सकता है।

कॉम्पीटिशन के इस दौर में समय के साथ चलना जरूरी है। अक्सर लोग समय का रोना रोते रहते हैं। खासकर युवा व्यर्थ कामों में अपना समय लगाकर अपने महत्वपूर्ण काम की अनदेखी करते हैं। फिर उनकी शिकायत रहती है हमें समय ही नहीं मिलता। ऐसे में आवश्यकता होती है टाइम मैनेजमेंट की। आप अपना कार्य जितने व्यवस्थित तरीके से करेंगे, काम उतना बेहतर और जल्दी होगा।

जानिए टाइम मैनेजमेंट के कुछ टिप्स-

- सबसे पहले यह देखें कि आप कहां टाइम वेस्ट कर रहे हैं। जैसे चेटिंग, फेसबुक, ई-मेल या टीवी वगैरह। इन कामों का समय निर्धारित कर आप काफी टाइम बचा सकते हैं।
- प्राथमिकताएं तय कीजिए। जो काम जरूरी है उसे अभी ?कीजिए और जो बाद में किया जा सकता है, उसके लिए समय तय कीजिए। गैर जरूरी काम छोड़कर भी आप वर्कलोड कम कर सकते हैं।
- टाइम मैनेजमेंट टूल्स का उपयोग कीजिए। मोबाइल, कैलेंडर या चार्ट वगैरह की मदद से काम समय पर निपटाए जा सकते हैं। बस रिमांडर को अवॉइड करने की आदत छोड़नी होगी।
- काम आउटसोर्स कीजिए। आप चाहें स्टूडेंट हों, प्रोफेशनल हों या गृहिणी, ऐसे कई काम हैं जो दूसरों से करवाए जा सकते हैं। इससे आपका वर्कलोड कम होगा और आप बेहतर काम कर पाएंगे।
- इंतजार में वक्त बर्बाद न करें। कई मौकों पर हमें इंतजार करते हुए लंबा समय गुजारना पड़ता है। कुछ छोटे-मोटे काम इस समय निपटाए जा सकते हैं। जैसे मेल्स चेक करना, नोट?स बनाना या जरूरी फोन लगाना।

इन आसान टिप्स को अपनाकर आप समय के सदउपयोग के साथ उसके साथ आगे बढ़ सकेंगे।

संकल्पों के साथ कैरियर की शुरुआत

जो संकल्प लिया गया हो, उसके बारे में अपने दोस्तों तथा रिश्तेदारों को भी बताना जरूरी है। इससे फायदा यह होगा कि आप संकल्प पूर्ण करने में जरा भी कमजोर या निष्क्रिय दिखाई दिए तो आपके दोस्त व रिश्तेदार आपको आपके संकल्प की याद दिला देंगे।

कई लोगों को लगता है कि जिंदगी बहुत छोटी है, इसमें कई बड़े काम करने हैं। यह सही है कि जीवन बहुत छोटा है, लेकिन यह सोच कतई उचित नहीं है कि आप एकसाथ कई संकल्प कर लें या कामों की लाइन लगा दें। मतलब यही कि आप कई संकल्प एकसाथ न लें। ऐसा करना अपनी क्षमताओं को बहुत ज्यादा आंकने से भी हो सकता है। इसलिए जरूरी है कि ठोक-बजाकर वही संकल्प लें, जिसे पूरा करना संभव हो।

अक्सर देखा जाता है कि देखा-देखी या किसी के कहने में आकर भी संकल्प ले लिए जाते हैं। ऐसे संकल्पों की कोई ठोस जमीन नहीं होती। नतीजतन संकल्प का कोई मतलब नहीं रह जाता। इससे बेहतर है कि अपनी रुचि, इच्छा तथा तैयारी हो तभी संकल्प लें। हरेक व्यक्ति की क्षमता, सोच, उत्साह, जोश, प्रवृत्ति, प्रकृति आदि अलग-अलग होते हैं। इसलिए अपने व्यक्तित्व को जाँचकर संकल्प लें।

जो संकल्प लिया गया हो उसके बारे में अपने दोस्तों तथा रिश्तेदारों को भी बताना जरूरी है। इससे फायदा यह होगा कि आप संकल्प पूर्ण करने में जरा भी कमजोर या निष्क्रिय दिखाई दिए तो आपके दोस्त व रिश्तेदार आपको आपके संकल्प की याद दिला देंगे।

बड़े काम तभी संभव हो पाते हैं, जब उन्हें पूरा करने में हम पूरी दृढ़ता के साथ पूरी शक्ति, उमंग, जोश तथा ऊर्जा के साथ लग जाते हैं। यदि हमारी मनःस्थिति डुलमुल रही या हम 'हां-ना' के जाल में फंसे रहे तो एक कदम भी आगे नहीं बढ़ा सकते। काम छोटा हो या बड़ा, उसे पूरा करने के लिए सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

जीवन को अर्थवान बनाने के लिए कई लोग तरह-तरह के संकल्प लेते हैं। इससे उनके जीवन का लक्ष्य तय होता है। प्रसिद्ध विचारक स्वेट मॉर्डेन ने अपनी पुस्तक में लिखा है, 'ऐसा व्यक्ति कठिनाई से मिलता है, जो विश्वासपूर्वक यह कह सके कि मैं करूंगा। जो कार्य मुझे करना चाहिए मैं उसे करता हूं, जो कार्य मैं कर सकता हूं, वह मुझे करना चाहिए। भगवान की कृपा से मैं ऐसे कार्य अवश्य पूरे करूंगा। मैंने परम पिता परमेश्वर के सम्मुख प्रण लिया है कि मैं इसे अवश्य पूर्ण करूंगा।' व्यक्ति इस आधार पर अपना संकल्प तय कर ले तो उसमें जो आत्मविश्वास एवं दृढ़ता आएगी, उससे उसके संकल्प के पूरा होने में कोई संदेह नहीं रहेगा।

किसी भी संकल्प को लेने से पहले सबसे ज्यादा जरूरी है कि बिलकुल शांत तथा एकाग्र हो जाएं। फिर अपनी तमाम शक्तियों या क्षमताओं तथा कमजोरियों का पूरा आकलन करें। इसमें अपनी रुचि को सर्वोच्च स्थान दें।

ऐसा करने से आपको अपनी सीमाओं का पता चल जाएगा और आप अपनी हद में रहकर संकल्प ले सकेंगे। यदि ऐसा नहीं किया गया तो संकल्प अति उत्साह या आवेग में लिया हुआ होगा, जिसका ज्वार बहुत जल्दी उतर जाता है। ऐसे में व्यक्ति का संकल्प भी धरा-का-धरा रह जाता है। इसका असर इतना विपरीत होता है कि व्यक्ति निराश एवं हताश हो जाता है, जिससे उसके दूसरे कार्य भी बिगड़ जाते हैं। उसका संपूर्ण व्यक्तित्व नकारात्मक दिशा में जा सकता है।

नहीं मिल रही है नौकरी, तो करें...

अगर सभी योग्यता और डिग्री होने के बाद भी आपको नौकरी नहीं मिल रही है। भरपूर प्रयत्न करने के बाद भी आप जॉब मार्केट में कंपनियों का ध्यान आकर्षित नहीं कर पा रहे हैं। आप इंटरव्यू में सफल नहीं हो पा रहे हैं तो आपको सेल्फ एनालिसिस करना होगा।

इससे आप अपनी खूबियों को पहचान सकेंगे और उन्हें जॉब्स ढूंढने में उपयोग कर सकते हैं। कुछ खास बातें जो आपको नौकरी दिलाने में मददगार हो सकती हैं-

कम्युनिकेशन बढ़ाएं- सोशल नेटवर्किंग वेबसाइट?स पर सक्रिय रहें। लोगों से मिलें। हर जॉब पोर्टल पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाना चाहिए। नौकरी की अपनी जरूरतों को स्पष्ट रूप से बता देना चाहिए। ई-मेल या फोन करने की बजाय लोगों से सीधे मिलें। इससे आपका प्रभाव लोगो पर अच्छा पड़ेगा।

विकल्पों पर रखें नजर- आप जिस क्षेत्र में नौकरी करना चाहते हैं, उससे जुड़ी कंपनियों के वर्क कल्चर और हायरिंग प्रोसेस के बारे में जानकारी जुटाएं। कुछ ऐसी कंपनियों पर भी गौर कर सकते हैं, जो अलग-अलग तरह के काम करवाती हैं।

अपनी खूबियों को पहचानें- नौकरी ढूंढने से पहले आपको अपनी खूबियों की बारे में पूरी जानकारी होनी चाहिए। इस बात की भी जानकारी रखें कि आज जॉब्स देने वाली कंपनियों की जरूरतें क्या हैं। आजकल एक नौकरी के लिए हजारों आवेदन आते हैं, ऐसे में आपमें कुछ खास योग्यताएं होनी चाहिए , ताकि आप वह जॉब हासिल कर सकें।

आकर्षक हो रिज्यूमे- आपका रिज्यूमे आकर्षक होना चाहिए। रिज्यूमे में ओवरलोड कंटेंट नहीं होगा चाहिए। अपनी खूबियां संक्षेप में होनी चाहिए। आपका प्रोफाइल खास होना चाहिए। अपनी पसंद और नापसंद और काम करने के तरीके के बारे खास तरीके से प्रस्तुति दें।

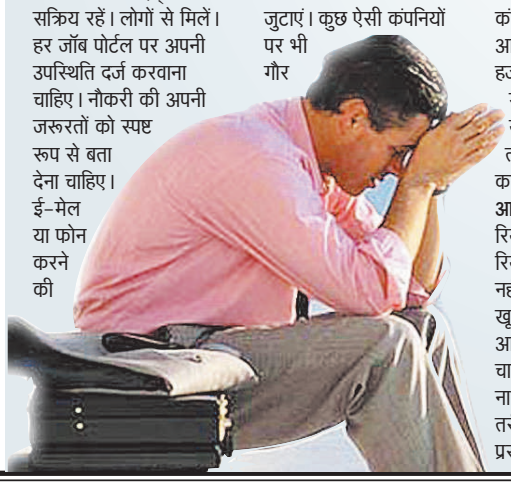

इंटरव्यू के लिए खास बातें

कहते हैं फर्स्ट इंम्प्रेशन इज़ लास्ट इम्प्रेशन। किसी जॉब के लिए इंटरव्यू देते समय आपको इन्हीं बातों का ध्यान रखना पड़ता है। आप इंटरव्यू में अपने आपको सही तरीके से प्रस्तुत करेंगे तो आपको जॉब मिलने में आसानी होगी। आइए जानते हैं कुछ इंटरव्यू टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप इंटरव्यू में सफल हो सकते हैं।

समय से पहले न पहुचें- समय से पहले पहुंचने पर इंटरव्यूअर पर आपके प्रति नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। समय का पाबंद रहना अच्छा गुण है। इस बात का ध्यान रखें कि आप न देर से पहुचें और न समय से पहले पहुंच कर वहां खाली बैठे रहें। कुछ हायरिंग मैनेजरों को कैंडिडेट्स का बिना वजह खाली बैठे रहना पसंद नहीं आता।

हरेक गतिविधि पर नजर- इंटरव्यू देते वक्त आपका ध्यान सिर्फ उसी पर रहता है। इंटरव्यूअर आपसे सवाल-जवाब करने के दौरान आपकी प्रत्येक हलचल पर ध्यान रखता है।कई कंपनियों में तो कैंडिडेट?स के व्यवहार को देखने के लिए रिसेप्शन पर कैमरे तक लगाए जाते हैं। हायरिंग मैनेजर इन कैमरों से यह देखते हैं कि आप रिसेप्शनिस्ट और दूसरे इंटरव्यू देने आए प्रतिभागियों से कैसा व्यवहार कर रहे हैं।

बातों को बढ़ा-चढ़ाकर न बोलें- इंटरव्यू के दौरान अनावश्यक न बोलें। आपसे जो सवाल किया जाए, उसी का सीधे तरीके से जवाब दें। कई लोगों की आदत जरूरत से ज्यादा बोलने की होती है। इंटरव्यूवर को इस बात से सख्त नफरत होती है कि आप उसके सवाल का जवाब देने की बजाय इधर-उधर की बातें करें। अगर आप फालतू की बात करेंगे तो यही माना जाएगा कि आपको कुछ पता नहीं है।

सकारात्मक जवाब- इंटरव्यू के दौरान अपने पॉजीटिव एटिट्यूट को प्रदर्शित करें। इंटरव्यू के दौरान आपसे चाहे जितने नकारात्मक प्रश्न पूछे जाएं, आप उनका जवाब पॉजीटिव ही दें। इंटरव्यू के दौरान ज्यादा कम्फर्टेबल और फ्रेंडली होने का प्रयास भी न करें।

अपने इम्प्लोयर की न करें आलोचना- आप अपने वर्तमान जॉब से चाहे कितने ही असंतुष्ट क्यों न हों, लेकिन इंटरव्यू के दौरान अपने इम्प्लोयर की किसी भी तरह की आलोचना न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो इंटरव्यू पैनल में आपके बारे में गलत संदेश जाएगा।

कूलिंग उपकरणों पर फ्लिपकार्ट की वार्षिक बिक्री 17 अप्रैल से

नई दिल्ली । ई-कॉमर्स प्लेटफार्म फ्लिपकार्ट 17 अप्रैल से 23 अप्रैल तक कूलिंग उपकरणों पर वार्षिक ग्रीष्मकालीन बिक्री शुरू करने जा रहा है। इसमें एयर कंडीशनर (एसी), रेफ्रिजरेटर, एयर कूलर, पंखे जैसे घरेलू उपकरण किफायती दामों पर बेचे जाएंगे। फ्लिपकार्ट ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि ई-वाणिज्य मंच सुपर कूलिंग डेज़ 2024 का छठा संस्करण ला रहा है। इसमें ग्राहकों को गर्मी से राहत देने के लिए घरेलू उपकरणों को किफायती दामों में बेचा जाएगा। बिक्री को बढ़ावा देने के लिए भुगतान के भी विभिन्न विकल्प पेश किए जाएंगे। बयान के अनुसार बिना किसी शुल्क के मासिक किस्त, अग्रिम भुगतान, उत्पाद मिलने के बाद भुगतान (कैश ऑन डिलीवरी) और फ्लिपकार्ट पे लेटर ईएमआई आदि विकल्प उपलब्ध होंगे।

सरकार ने बुजुर्गों से सावधि जमा ब्याज पर टैक्स के रूप में लिए 27,000 करोड़

मुंबई । केंद्र सरकार ने पिछले वित्त वर्ष में सावधि जमा पर कमाए गए ब्याज पर वरिष्ठ नागरिकों से 27,000 करोड़ रुपए से अधिक कर जमा किया है। देश के सबसे बड़े ऋणदाता एसबीआई के शोधकर्ताओं ने यह जानकारी दी। एसबीआई शोधकर्ताओं की रिपोर्ट कहती है कि पिछले पांच वर्षों में जमा की कुल राशि वित्त वर्ष 2023-24 के ओ खिर में 143 प्रतिशत बढ़कर 34 लाख करोड़ रुपए हो गई जबकि पांच साल पहले यह 14 लाख करोड़ रुपए थी। रिपोर्ट के मुताबिक सावधि जमाओं पर अधिक ब्याज दर होने से वरिष्ठ नागरिकों के बीच यह जमा योजना काफी लोकप्रिय हुई है। इस अवधि में सावधि जमा खातों की कुल संख्या 81 प्रतिशत बढ़कर 7.4 करोड़ हो गई है। एसबीआई शोधकर्ताओं का कहना है कि इनमें से 7.3 करोड़ खातों में 15 लाख रुपए से अधिक की राशि जमा है। इन जमाओं पर 7.5 प्रतिशत का ब्याज मिलने के अनुमान को ध्यान में रखें तो वरिष्ठ नागरिकों ने सिर्फ ब्याज के रूप में ही पिछले वित्त वर्ष में 2.7 लाख करोड़ रुपए कमाए हैं। इसमें बैंक जमा से 2.57 लाख करोड़ रुपए और शेष राशि वरिष्ठ नागरिक बचत योजना की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वरिष्ठ नागरिकों द्वारा भुगतान किए गए 10 प्रतिशत कर को सभी वर्गों के बीच सुसंगत मानते हुए, भारत सरकार द्वारा कर संग्रहण लगभग 27,106 करोड़ रुपए होगा।

सरकार ने क्रूड पर विंडफॉल टैक्स बढ़ाकर 9600 रुपए किया

मुंबई । केंद्र सरकार ने देश में पेट्रोलियम क्रूड पर लगने वाले विंडफॉल टैक्स में बढ़ोतरी कर दी है। पेट्रो लियम क्रूड पर विंडफॉल टैक्स 6800 रुपए प्रति टन से बढ़ाकर 9600 रुपए प्रति मीट्रिक टन कर दिया गया है। जो 16 अप्रैल से लागू हो गया है और यह विंडफॉल टैक्स देश में उत्पादित कच्चे तेल के लिए है। हालांकि सरकार ने डीजल और एविएशन टरबाइन फ्यूल पर कोई टैक्स नहीं लगेगा। इससे समीक्षा बैठक जो 4 अप्रैल 2024 को हुई थी उसमें भी पेट्रोलियम क्रूड पर विंडफॉल टैक्स बढ़ाया गया था और इसे 4900 रुपए मीट्रिक टन से बढ़ाकर 6800 रुपए मीट्रिक टन किया गया था। ईरान-इजरायल के बीच चल रहा तनाव इस समय अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों को प्रभो वित कर रहा है। मंगलवार को ब्रेंट क्रूड 91 डॉलर प्रति बैरल के आसपास जा रहा है और इसमें तेजी का ही रुख देखा जा रहा है। वैश्विक अस्थिरता का क्रूड ऑयल के भाव पर प्रभाव निगेटिव ही पड़ता है और इसके कीमतों में उबाल आता है जैसा इस समय देखा जा रहा है।

वैश्विक स्मार्टफोन की बिक्री पहली तिमाही में आठ प्रतिशत बढ़ी

न्यूयॉर्क ।

इंटरनेशनल डेटा कॉर्प (आईडीसी) के शुरुआती आंकड़ों के अनुसार 2024 की पहली तिमाही में वैश्विक स्मार्टफोन बिक्री लगभग आठ प्रतिशत बढ़ी है। इस तरह वैश्विक बिक्री में लगातार तीसरी तिमाही में वृद्धि हुई और इस दौरान सैमसंग ने पहले स्थान पर वापसी की। आईडीसी के वैश्विक तिमाही मोबाइल फोन ट्रैकर के अनुसार इस अवधि में कुल 28.94 करोड़ इकाई की बिक्री हुई। समीक्षाधीन तिमाही में 6.01 करोड़ इकाई की बिक्री के साथ सैमसंग शीर्ष स्थान पर है। एप्पल 5.01 करोड़ इकाई के साथ दूसरे स्थान पर है। इससे पहले 2023 की आखिरी तिमाही में एप्पल शीर्ष स्थान पर थी। तीसरे स्थान पर शाओमी और चौथे स्थान पर ट्रांसन का स्थान है। दोनों कंपनियों की बाजार हिस्सेदारी में सालाना आधार पर क्रमशः 34 प्रतिशत और 85 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई। आईडीसी की वैश्विक ट्रैकर टीम की शोध निदेशक नबीला पोपल ने बयान में कहा कि औसत बिक्री कीमतों में सुधार जारी है और उपभोक्ता अधिक महंगे उपकरण खरीद रहे हैं।

एक समझौते के बाद जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयर में तेजी

मुंबई ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज की फाइनेंशियल सर्विस कंपनी जियो फाइनेंशियल सर्विसेज का शेयर मंगलवार इंट्राडे सेशन के दौरान 5 प्रतिशत से ज्यादा के उछाल के साथ 371.95 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गया। कंपनी के शेयरों में यह वृद्धि ब्लैकरॉक के साथ 50-50 जॉइंट वेंचर स्थापित करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद आई है। इस जॉइंट वेंचर का उद्देश्य वेल्थ मैनेजमेंट गतिविधियों में शामिल होना है। इसके बाद फंड मैनेजमेंट कंपनी की स्थापना की जाएगी और उसके बाद भारत में एक ब्रोकरेज फर्म खोलने की योजना है। कंपनी ने कहा, यह संयुक्त उद्यम ब्लैकरॉक, इंक. के साथ कंपनी के संबंधों को और मजबूत करता है। इसके साथ कंपनी ने डिजिटल-फर्स्ट पेशकश के जरिये भारत के परिसंपत्ति प्रबंधन उद्योग को बदलने और निवेश तक पहुंच को लोकतांत्रिक बनाने के लिए 26 जुलाई, 2023 को 50-50 प्रतिशत वाले हिस्सेदारी के साथ जॉइंट वेंचर की घोषणा की है।

एलन मस्क ने ट्विटर पर बंद किए 2 लाख से ज्यादा एकाउंट

न्यूयॉर्क । एलन मस्क ने ट्विटर की मो सिक कंप्लाइंस रिपोर्ट साझा की है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि एक्स यानि ट्विटर पर 2.13 लाख अकाउंट बंद कर दिए गए हैं। इसका कारण कंपनी की पॉलिसीज के उल्लंघन की वजह बताया गया है। बताया जा रहा है कि 26 फरवरी से 25 मार्च 2024 के बीच में 2.13 लाख अकाउंट्स को बंद किया है। ये अकाउंट कंपनी की पॉलिसी के खिलाफ होकर अश्लीलता फैलाने के साथ- साथ कुछ आतंकवादी गतिविधि में शामिल थे। ये एक्स अकाउंटस गैरकानूनी और नुकसान पहुंचाने वाले कंटेंट में शामिल थे। इसके अलावा 1,235 एक्स अकाउंट्स ऐसे पाए गए हैं, जो भारत में आतंकवाद को बढ़ावा देने का काम कर रहे थे। कंपनी ने रिपोर्ट में बताया कि एक्स पर चाइल्ड सेक्सुअल से जुड़ा कोई भी कंटेंट चाहे वह टेक्स्ट, इल्यूट्रेशन या फिर कंप्यूटर जनरेटेड फाइल हो को अनदेखा नहीं किया जा सकता। बता दें कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म हर महीने अपनी कंप्लांस रिपोर्ट जारी करती है। इस रिपोर्ट में यूजर्स की सुरक्षा के लिए उठाए गए कदमों के बारे में बताया जाता है। एक्स के अलावा अन्य अकाउंट्स द्वारा ऐसी रिपोर्ट जारी की जाती है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 456 , निफ्टी 124 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को भी गिरावट जारी रही। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट अंतराष्ट्रीय बाजार से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। मध्य पूर्व में ईरान-इजराइल के बीच बढ़ते तनाव के कारण भी विश्व भर के बाजार गिरे हैं जिससे भारतीय बाजार पर भी दबाव पड़ा है। मध्य पूर्व में तनाव बढ़ने की आशंकाओं से भी आईटी शेयरों में भारी बिकवाली रही। इससे बेंचमार्क सूचकांकों सेंसेक्स और निफ्टी भी नीचे आये। वहीं विदेशी कोष की निकासी को देखते हुए भी निवेशक सतर्कता बरत रहे हैं। व्यापक बाजारों की बात करें तो स्मॉलकैप इंडेक्स 0.5 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ, पर मिडकैप इंडेक्स 0.1 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ। इससे पहले सोमवार को भी बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ था। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई मानक सूचकांक सेंसेक्स 456.10 अंक करीब 0.62 फीसदी बढ़कर 72,943.68 अंक पर बंद हुआ। वहीं ओर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 124.60 अंक तकरीबन 0.56 फीसदी नीचे आकर दिन के अंत में 22,147.90 अंक पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरानर सेंसेक्स के शेयरों में, इंफोसिस, इंडसइंड बैंक, बजाज फिनसर्व, विप्रो, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, बजाज फाइनेंस, टेक महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और लार्सन एंड टुब्रो के शेयर नीचे आये जबकि टाइटन, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी बैंक, मारुति, आईटीसी, पावर ग्रिड और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर लाभ में रहे। वहीं दूसरी ओर एशियाई बाजारों में, सियोल, टोक्यो, शंघाई और हांगकांग के अलावा यूरोपीय बाजार में भी गिरावट रही। अमेरिकी बाजार भी सोमवार को गिरावट पर बंद हुए थे। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों गत दिवस 3,268 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची थी। इससे पहले गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर रुझानों के बीच ही बाजार में शुरुआती कारोबार में गिरावट जारी रही। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के लगातार बिकवाल रहने और ब्रेंट कच्चे तेल की उच्च कीमतों से भी निवेशकों की भावनाएं प्रभावित हुईं। बीएसई का 30 शेयर वाला सूचकांक सेंसेक्स 585.63 अंक गिरकर 72,814.15 अंक पर रहा। एनएसई निफ्टी 168.65 अंक फिसलकर 22,103.85 अंक पर पहुंच गया। वहीं हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को सेंसेक्स 845.12 अंकों की गिरावट के साथ 73,399 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर निफ्टी 246.91 अंक टूटकर 22,272.50 के स्तर पर बंद हुआ।

ब्याज के बारे में बैंक सरल शब्दों में ग्राहकों को दें मुख्य तथ्यों का विवरण

-ग्राहकों को शब्दों के जाल से बचाने के लिए आरबीआई की पहल

मुंबई।

भारतीय रिजर्व बैंक ने देश के सभी बैंकों और हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों को निर्देश दिया कि वे लोन लेने वाले ग्राहकों को उन ऋणों और ब्याज के बारे में सरल शब्दों में मुख्य बातों का विवरण पेश करें जिनका भुगतान करने की उनसे अपेक्षा की जाती है ताकि उन्हें निर्णय लेने में मदद मिल सके। ग्राहकों को बैंकिंग के तकनीकी शब्दों के जाल से बचाने के लिए केंद्रीय बैंक ने यह पहल की है। आरबीआई ने निर्देश में कहा गया है कि बैंकों और हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों जैसी सभी विनियमित संस्थाओं को आरबीआई द्वारा दिए गए मानकीकृत प्रारूप के अनुसार, ऋण अनुबंध निष्पादित करने से पहले सभी संभावित उधारकर्ताओं को केएफएस प्रदान करना होगा। केएफएस ऐसे ग्राहकों द्वारा समझी जाने वाली भाषा में लिखा जाएगा। इसके कंटेंट को उधारकर्ता को समझाया जाएगा और एक पावती दी जाएगी जिसमें लिखा होगा कि उसने इसे समझ लिया है। आरबीआई ने केएफएस पर सभी निर्देशों और वार्षिक प्रतिशत दर (एपीआर) के प्रकटीकरण में सामंजस्य स्थापित करने का निर्णय लिया है। यह पारदर्शिता बढ़ाने और विभिन्न विनियमित संस्थाओं द्वारा पेश किए जा रहे वित्तीय उत्पादों पर सूचना विषमता को कम करने के लिए किया जा रहा है, जिससे उधारकर्ताओं को सूचित वित्तीय निर्णय लेने में सशक्त बनाया जा सके। सामंजस्यपूर्ण निर्देश सभी विनियमित संस्थाओं, जैसे बैंकों और आवास वित्त कंपनियों द्वारा विस्तारित सभी खुदरा और एमएसएमई सावधि ऋण उत्पादों पर लागू होंगे।

स्टरलाइट ने क्यूआईपी से जुटाए 1000 करोड़

नई दिल्ली ।

ब्रॉडबैंड प्रौद्योगिकी कंपनी स्टरलाइट टेक्नोलॉजीज ने एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, निप्पॉन लाइफ इंडिया, गोल्डमैन सैक्स और बंधन म्यूचुअल फंड सहित पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) को इक्विटी जारी करके 1,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। आवंटन के बाद स्टरलाइट टेक्नोलॉजीज (एसटीएल) की चुकता इक्विटी शेयर पूंजी बढ़कर 97.5 करोड़ रुपये हो गई है, जिसमें 48.5 करोड़ इक्विटी शेयर शामिल हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि एसटीएल ने पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिए 1,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। एसटीएल के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने कहा कि हम अपने निवेशकों का उनके निरंतर समर्थन तथा एसटीएल की विकास क्षमता में विश्वास करने के लिए आभार व्यक्त करते हैं। क्यूआईपी के जरिए जुटाए गए धन का उपयोग हमारी बैलेंस शीट को मजबूत करने के लिए किया जाएगा ताकि हम दुनिया को जोड़कर अरबों लोगों के जीवन को बदलने के अपने प्रयासों को दोगुना कर सकें।

रिलायंस कैपिटल के दो सीए पर लगा दस साल का बैन, जुर्माना भी ठोका

-एनएफआरए ने की फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन के मामले में बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली।

नेशनल फाइनेंशियल रिपोर्टिंग अथॉरिटी (एनएफआरए) ने अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस कैपिटल से जुड़े फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। अथॉरिटी ने गड़बड़ी के आरोप में दो चार्टर्ड अकाउंटेंट्स पर पांच और दस साल के प्रतिबंध लगा दिया है। साथ ही उन पर जुर्माना भी लगाया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक एनएफआरए ने 12 अप्रैल के अपने एक आदेश में कहा कि ऑडिट फर्म पाठक, एच.डी. एंड एसोसिएट्स पर तीन करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। साथ ही इंगेजमेंट पार्टनर (ईपी) सीए परिमल कुमार झा पर एक करोड़ रुपये और इंगेजमेंट क्वालिटी कंट्रोल रिव्यू पार्टनर सीए (ईक्यूसीआर) विशाल डी शाह पर 50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। ईपी को 10 साल और ईक्यूसीआर को पांच साल के लिए बैन कर दिया गया है। इस दौरान ये किसी कंपनी में ऑडिटर या इंटरनल ऑडिटर का काम नहीं कर सकते हैं। साथ ही किसी कंपनी के फाइनेंशियल एक्टिविटी में हिस्सा नहीं ले सकते हैं। आदेश में कहा गया है कि रिलायंस कैपिटल पर 2019 में बैंकों का करीब 12,000 करोड़ रुपये का लोन था। साथ ही एक्टरनल डेट के रूप में कंपनी पर 32,000 करोड़ रुपये का बकाया था।

बता दे कि आरबीआई ने 29 नवंबर, 2021 को भुगतान में चूक और गवर्नेंस से जुड़ी गंभीर समस्याओं के कारण अनिल अंबारी की कंपनी रिलायंस कैपिटल के बोर्ड को भंग कर दिया था और नागेश्वर राव वाई को प्रशासक नियुक्त किया था। रिलायंस कैपिटल में लगभग 20 फाइनेंशियल सर्विसेज कंपनियां हैं। सितंबर, 2021 में रिलायंस कैपिटल ने अपने शेयरहोल्डर्स को बताया था कि कंपनी पर 40,000 करोड़ रुपये से अधिक कर्ज है।

अब वन प्लस 11 5जी खरीदने पर बचेंगे 5 हजार से ज़्यादा

मुंबई।

कंपनी ने अपने वनप्लस 11 5जी मॉडल की कीमत में कटौती कर दी है। वनप्लस 11 5जी का 8जीबी वेरिएंट 56,999 रुपये में लॉन्च किया गया था लेकिन मौजूदा समय में ये वेरिएंट वनप्लस इंडिया की वेबसाइट पर इसकी कीमत 51,999 रुपये कर दी गई है। ऑफिशियल लिस्टिंग में कहा गया है कि ग्राहक अडिशनल डिस्काउंट का फायदा भी उठा सकते हैं, जो कि एक्सचेंज ऑफर के तहत 5,000 रुपये की छूट के रूप में मिल जाएगा। इसके अलावा आईसीआईसीआई, एचडीएफसी बैंक क्रेडिट कार्ड या वनकार्ड का इस्तेमाल करते हैं तो इस पर 3,000 रुपये का डिस्काउंट मिलेगा। खरीदारों को 12 महीने तक की नो-कॉस्ट ईएमआई का विकल्प भी मिल रहा है। ये एंड्रॉयड 13 पर बेस्ड कंपनी के ऑक्सीजन ओएस 13 इंटरफेस पर चलता है। वनप्लस के इस 5जी फोन के रियर पर 50 मेगापिक्सल का प्राइमरी कैमरा, 48 मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाइड एंगल कैमरा और 32 मेगापिक्सल का टेलीफोटो कैमरा दिया गया है। वहीं सेल्फी के लिए फोन के फ्रंट में 16 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा मौजूद है।

इसमें स्टीरियो स्पीकर्स भी दिए गए हैं। फोन में इन-डिस्प्ले फिंगरप्रिंट सेंसर दिया गया है। पावर के लिए 5,000 एमएएच की बैटरी दी गई है और यहां 100वाट फास्ट चार्जिंग का सपोर्ट मौजूद है। कंपनी के मुताबिक ये 25 मिनट में फुल चार्ज होता है।

टीसीएस, एक्सेंचर, कॉग्निजेंट लिंक्डइन की प्रमुख कंपनियों की सूची में अव्वल

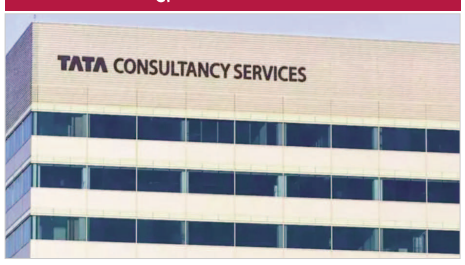

नई दिल्ली ।

भारत में काम करने वाली प्रमुख कंपनियों की लिंक्डइन की नई सूची में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज पहले नंबर पर है। इसके बाद एक्सेंचर दूसरे और कॉग्निजेंट तीसरे स्थान पर हैं। पेशेवर नेटवर्किंग मंच लिंक्डइन ने हाल ही में भारत के लिए 2024 शीर्ष कंपनियों की सूची जारी की। इसमें आईटी कंपनियों ने प्रमुख तीन स्थान प्राप्त किए हैं। सूची में वित्तीय सेवा क्षेत्र का दबदबा रहा, जिसकी नौ कंपनियों ने इसमें अपना स्थान अे र्जित किया है। आठवीं बार यह सूची पेश की गई है।

इसे लिंक्डइन के डेटा के आधार पर बनया गया। शीर्ष 25 बड़ी कंपनियों, 15 सर्वश्रेष्ठ मध्यम आकार की कंपनियों को सूचीबद्ध किया गया है। बड़ी कंपनियों में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने इस साल अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा, उसके बाद एक्सेंचर तथा कॉग्निजेंट का स्थान रहा। लिंक्डइन ने कहा कि पिछले साल के रुझान को जारी रखते हुए मैक्रेरी ग्रुप (चौथे स्थान), मॉर्गन स्टेनली (पांचवें) और जेपी मॉर्गन चेज़ एंड कंपनी (छठे) सहित इस क्षेत्र की 25 में से 9 कंपनियों के साथ वित्तीय सेवाओं ने 2024 की सूची में अपना दबदबा कायम रखा। सॉफ्टवेयर-ए-ए-सर्विस (सास) मंच लेंट्रा मध्यम आकार (250-500 कर्मचारी वाली) की शीर्ष कंपनियों की सूची में पहले स्थान पर है। दूसरे स्थान पर भारतीय ऑनलाइन यात्रा मंच मेकमायट्रिप ने जगह बनाई। कंपनियों के लिए सबसे उपयुक्त स्थान में बेंगलुरु शीर्ष पर रहा, जहां ये शीर्ष कंपनियां स्थित हैं। इसके बाद हैदराबाद, मुंबई महानगर क्षेत्र और पुणे का स्थान रहा।

सिप्ला 130 करोड़ में आइविया ब्यूटी का करेगी अधिग्रहण

नई दिल्ली ।

दवा कंपनी सिप्ला 130 करोड़ रुपये में आइविया ब्यूटी को खरीदने पर विचार कर रही है। आईविया ब्यूटी प्राइवेट लिमिटेड दुनिया भर में सौंदर्य प्रसाधन व व्यक्तिगत देखभाल वितरण तथा विपणन व्यवसाय करती है। इसमें उसके ब्रांड एस्टाबेरी, आइकिन और भीमसैनी भी शामिल हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि एक पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी तथा उपभोक्ता स्वास्थ्य सेवा शाखा सिप्ला हेल्थ लिमिटेड (सीएचएल) ने आइविया ब्यूटी प्राइवेट लिमिटेड के सौंदर्य प्रसाधन व व्यक्तिगत देखभाल व्यवसाय के वितरण और विपणन व्यवसाय उपक्रम की खरीद के लिए एक बिजनेस ट्रांसफर एग्रीमेंट (बीटीए) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह रणनीतिक कदम सिप्ला के अपने उपभोक्ता स्वास्थ्य देखभाल और कल्याण खंड को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने के अनुरूप है। कंपनी ने कहा कि इस अधिग्रहण में आइविया ब्यूटी के एस्टाबेरी, आइकिन और भीमसैनी ब्रांड शामिल होंगे। अधिग्रहण की लागत पर सिप्ला ने कहा कि अंतिम तिथि पर यह 130 करोड़ रुपये और बीटीए में अगले तीन वर्षों के लिए उल्लिखित कुछ वित्तीय मापदंड पूरे होने पर 110 करोड़ रुपये होगी। कंपनी के अनुसार लेन-देन के बीटीए पर हस्ताक्षर करने के 60 दिन के भीतर या पक्षों के बीच लिखित रूप में पारस्परिक सहमति से किसी अन्य तारीख के भीतर पूरा होने की उम्मीद है। यह बीटीए में उल्लिखित पूर्ववर्ती और समापन शर्तों के सफल समापन या छूट के अधीन होगा।

आईपीएल 2024 : गुजरात टाइटन्स और दिल्ली कैपिटल्स में मुकाबला आज

अहमदाबाद (एजेंसी)। आईपीएल में बुधवार को गुजरात टाइटंस अपने घरेलू मैदान पर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। इस मैच में दोनो ही टीम जीत के इरादे से उतरेंगी। गुजरात को अपने पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स से जीत मिली थी जबकि दिल्ली ने लखनऊ सुपरजायंट्स को हराया था। ऐसे में दोनो ही टीमों की ताकत करीब-करीब बराबर नजर आती है। ऐसे में इस मैच को जीतकर दोनो ही प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाओं को बेहतर करना चाहेंगी। पिछले दो चरण की तरह गुजरात अभी तक एक इकाई के तौर पर बेहतर प्रदर्शन नहीं कर सकी है, ऐसे में उसे इस मैच में जीत के लिए सभी को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। शुभमन गिल की कप्तानी में गुजरात टीम अपने पहले छह मैच में केवल दो में ही जीत सकी है और अभी आठ मैच बाकी हैं, ऐसे में उसके पास बेहतर प्रदर्शन का अवसर है। टीम के लिए बल्लेबाजों के साथ ही गेंदबाजों को भी अच्छा प्रदर्शन करना होगा। अनुभवी तेज गेंदबाज उमेश यादव ने अभी तक सात विकेट लिए हैं परा प्रति ओवर 10 से ज्यादा रन दिये हैं। उनके जोड़ीदार स्पेंसर जॉनसन और अनुभवी मोहित शर्मा को भी अपने इकोनोमी रेट में सुधार करना होगा। स्टार स्पिनर राशिद खान ने अच्छी गेंदबाजी की है पर वह विकेट नहीं ले पाये हैं। पिछले मैच में उनकी आक्रामक बल्लेबाजी से गुजरात टाइटन्स रोमांचक जीत हासिल करने में सफल रही और टीम को उनसे इस बार भी उसी प्रकार के प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

दूसरी ओर ऋषभ पंत की की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स ने भी अब तक दो मैच जीते हैं। टीम फॉर्म और फिटनेस मामलों के कारण अभी तक अपनी सर्वश्रेष्ठ अंतिम अंतिम ग्यारह नहीं उतार पायी है। पांच मुकाबलों में चार हार के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स पर मिली जीत से टीम का मनोबल बढ़ा है पर अगर उन्हें प्लेऑफ में जगह बनाना है तो अपनी कमियों में सुधार करके मुकाबले जीतने होंगे। फिट होकर वापसी करने वाले स्पिनर कुलदीप यादव से टीम की गेंदबाजी बेहतर हुई है। कुलदीप ने ने लखनऊ सुपर जायंट्स के तीन विकेट लिए थे।

गुजरात टाइटन्स के लिए कुलदीप का

सामना करना, विशेषकर उनकी गुगली को खेलना कठिन हो सकता है। वहीं ऑस्ट्रेलिया के युवा जैक फ्रेजर मैकगुर्क के रूप में दिल्ली कैपिटल्स को तीसरे नंबर पर अच्छा खिलाड़ी मिल गया है और टीम उम्मीद कर रही होगी कि वह अपने पहले आईपीएल मैच की तरह आगे भी ऐसे ही खेलता रहे। तेज गेंदबाज एनरिच नॉर्किया और मुकेश कुमार अब तक प्रभावी नहीं रहे हैं जिससे दिल्ली को नुकसान हुआ है।

टीम के लिए सबसे सकारात्मक बात कप्तान ऋषभ की बल्लेबाजी फॉर्म रही है जो प्रत्येक मैच के साथ बेहतर से बेहतर होते जा रहे हैं। दिल्ली कैपिटल्स के पास भारतीय बल्लेबाजी प्रतिभाओं की कमी है सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर और पृथ्वी शॉ भी अब तक विफल रहे हैं। ऐसे में इस मैच में रोमांचक मुकाबला होने की संभावनाएं हैं।

टीम

गुजरात टाइटंस- शुभमन गिल (कप्तान), डेविड मिलर, मैथ्यू वेड, रिद्धिमान साहा, रॉबिन मिंज, केन विलियमसन, अभिनव मंधार, बी साई सुदर्शन, दर्शन नालकंडे, विजय शंकर, अजमतुल्लाह उमरजई, शाहरुख खान, जयंत यादव, राहुल तेवतिया, कार्तिक त्यागी, शशांत मिश्रा, स्पेंसर जॉनसन, नूर अहमद, साई किशोर, उमेश यादव, राशिद खान, जोशुआ लिटिल, मोहित शर्मा और मानव सुथार।

दिल्ली कैपिटल्स - ऋषभ पंत (कप्तान), डेविड वॉर्नर, पृथ्वी शॉ, स्वस्तिक चिकारा, यश ढुल, एनरिच नॉर्किया, ईशांत शर्मा, झाय रिचर्डसन, खलील अहमद, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, प्रवीण दुबे, रसिक डार, विकी ओस्तवाल, अक्षर पटेल, जैक फ्रेजर गुर्क, ललित यादव, मिचेल मार्श, सुमित कुमार, अभिषेक पोरेल, कुमार कुशाग्र, रिकी भुई, शाइ होप, ट्रिस्टन स्टब्स।

आरसीबी की गेंदबाजी में कमजोर सामने आई : हरभजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने आईपीएल में लगातार हार का सामना कर रही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की गेंदबाजी को कमजोर बताया है। हरभजन के अनुसार ये कमजोर ही नहीं चिन्ता का कारण भी बनी है। इसी कारण सनराइजर्स हैदराबाद की टीम आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर बनाने में सफल रही। हरभजन सिंह ने कहा, आरसीबी की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। नीलामी के बाद उनकी कमजोर गेंदबाजी लाइन-अप के बारे में बातें हुईं थी जो सच साबित हुईं। सनराइजर्स ने इसी कारण आईपीएल में अब तक का सबसे बड़ा स्कोर बनाया है। चिन्नास्वामी की पिच बल्लेबाजों के अनुरुप थी पर आरसीबी के गेंदबाजों को भी अपनी ओर प्रयास करने चाहिये थे जो उन्होंने नहीं किये। हरभजन ने इस मैच में दिनेश कार्तिक की बल्लेबाजी की प्रशंसा की और कहा कि उसने हर मैच में बेहतर बल्लेबाजी की है।

आरसीबी ने इस मैच में सनराइजर्स को पहले बल्लेबाजी का जो आमंत्रण दिया। वह भी गलत साबित हुआ और पैट कमिंस की टीम ने इस सत्र में दूसरी बार सबसे अधिक स्कार बनाया। इस मैच में आरसीबी के गेंदबाज नाकाम रहे। अपना चार ओवर का स्पैल पूरा करने के दौरान सभी गेंदबाजों ने 50 से अधिक रन दिए। रीस टॉपले ने एक विकेट लिया पर 68 रन दे दिये। यश दयाल ने 51 रन जबकि लॉकी फर्ग्यूसन ने 52 रन देकर दो विकेट लिए। विजयकुमार वैश्य ने भी 64 रन दिए। पूरे टूर्नामेंट के दौरान आरसीबी की गेंदबाजी इकाई में धार नहीं रही जिससे वह लगातार हारती गयी है। सात मैचों में आरसीबी को चार बार अपने लक्ष्य का बचाव करना पड़ा जिसमें उसके गेंदबाज विफल रहे।

मैक्सवेल ने थकान और खराब प्रदर्शन के कारण आईपीएल से लिया ब्रेक

बेंगलुरु (एजेंसी)। ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीए) 2024 से ब्रेक ले लिया है। आईपीएल में इस बार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम में शामिल रहे मैक्सवेल ने मानसिक थकान के कारण ये ब्रेक लिया है। मैक्सवेल ने कहा कि मुंबई इंडियंस के खिलाफ पिछले मैच में उन्हें उंगली में चोट लग गयी थी। मैक्सवेल ने कहा कि ब्रेक का फैसला काफी आसान था। मैं मुंबई इंडियंस के खिलाफ अंतिम मैच के बाद कप्तान फाफ और कोचों के पास गया और कहा कि शायद अब समय आ गया है कि मेरी जगह किसी अन्य को शामिल किया जाये। यह वास्तव में खुद को थोड़ा मानसिक और शारीरिक आराम देने, अपने शरीर को तरोताजा करने का एक अच्छा समय है। अगर टूर्नामेंट के दौरान फिर मुझे इसमें शामिल होने की जरुरत होगी तो उस समय तक मैं मानसिक और शारीरिक रुप से बेहतर हो सकता हूं।

यह करियर में दूसरी बार है जब मैक्सवेल ने अपने को तरोताजा करने के लिए प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से अलग होने का फैसला किया है। उन्होंने इससे पहले अक्टूबर 2019 में भी ऐसा ही ब्रेक लिया था और कहा था कि उस समय वह मानसिक और शारीरिक रूप से परेशानी का अनुभव कर रहे थे। इसके बाद इसखिलाड़ी ने कुछ महीने बाद वापसी की। इस आईपीएल में मैक्सवेल ने इस सत्र में खेले गए छह मैचों में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है और वह 5.33 की औसत और 94 की स्ट्राइक-रेट से केवल 32 रन ही बना पाये हैं।

हार्दिक पंड्या पर टी20 वर्ल्ड कप 2024 से बाहर होने मंडरा रहा खतरा

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल 2024 में मुंबई इंडियंस का नेतृत्व कर रहे ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। दरअसल, हार्दिक पंड्या की कप्तानी में मुंबई का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। टीम ने अब तक 6 में से महज 2 मैच जीते हैं। साथ ही पंड्या खुद भी अपनी गेंदबाजी और बल्लेबाजी के कारण फ्लॉप दिख रहे हैं।

वहीं अब उनके ऊपर इस साल होने वाले टी20 वर्ल्ड कप से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। ये बात भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई की मीटिंग में भी साफ कर दिया गया है। इस साल टी20 वर्ल्ड कप अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में खेला जाएगा। ये टूर्नामेंट जून में खेला जाएगा।

ये मीटिंग चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर, रोहित शर्मा, राहुल द्रविड़ समेत बीसीसीआई के बाकी सदस्यों के बीच हुई। इंडियन एक्सप्रेस के अनुसार, सेलेक्टर्स की पैनी नजर सिर्फ हार्दिक पंड्या की गेदंबाजी पर है। मीटिंग 2 घंटे तक चली, जिसमें महज तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर्स को लेकर चर्चा हुई। इसमें बताया गया कि टी20 वर्ल्ड कप 2024 में हार्दिक पंड्या का सेलेक्शन तभी होगा, जब वो आईपीएल के बचे हुए मैचों में गेंदबाजी में कमाल दिखाएंगे। सेलेक्टर्स का मानना है कि पंड्या की टीम में वापसी तभी होगी, जब वो लगातार अच्छी गेदंबाजी करेंगे।

आरसीबी के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाएं समाप्त

मुंबई (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूर (आरसीबी) इस बार भी आईपीएल में कोई कमाल नहीं कर पायी और उसका लीग से बाहर होना लगभग तय है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मिली हार के साथ ही आरसीबी को इस सत्र में सात मैचों में छठी हार मिली है। इस प्रकार वह अंक तालिका में सबसे नीचे पहुंच गयी है। ऐसे में उसका प्लेऑफ में पहुंचना असंभव है। सनराइजर्स हैदराबाद ने आरसीबी के खिलाफ हुए सातवें मुकाबले में 3 विकेट पर 287 रन का विशाल स्कोर बना डाला जिसके जवाब में आरसीबी 262 रन ही बना पायी।

इस मैच में सनराइजर्स की ओर से ट्रेविस हेड के तेज शतक के बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए विराट कोहली के 42 रन, कप्तान फाफ डु प्लेसिस 62 रन और आखिर में दिनेश कार्तिक की 83 रन की पारी से आरसीबी ने 262 रन बनाए।

अब आरसीबी की उम्मीदें तभी बन सकती हैं जब वह बचे हुए सभी 7 मैच जीते। जो उसके वर्तमान प्रदर्शन को देखते हुए असंभव है। चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ पहला मैच हारने के बाद टीम ने केवल पंजाब किंग्स के खिलाफ जीत दर्ज की थी। वहीं पूर्व क्रिकेटर और कमेंटटर इरफान पठान ने कहा अगर आरसीबी की टीम को आईपीएल के अगले दौर में जाना है तो अगले सारे मुकाबले में जीतने होंगे जो किसी के लिए भी संभव नहीं है।

ऑस्ट्रेलियाई के नहीं खेलने से अफगानिस्तान के लोग निराश : राशिद

नई दिल्ली । अभी भारत में आईपीएल खेल रहे अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान ने कहा कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) अगर उनके साथ खेलने से मना करता है तो कुछ नहीं किया जा सकता। राशिद ने कहा कि सीए को ये भी देखना चाहिये कि क्रिकेट अफगान लोगों को खुशी के अवसर देता है। उन्होंने कहा कि सीए ने जिस पकार अफगानिस्तान के साथ द्विपक्षीय क्रिकेट खेलने से मना किया है उससे देशवासियों को दुख हुआ है क्योंकि अब उन्हें खेल देखने का अवसर नहीं मिलेगा। वहीं इससे पहले सीए ने तालिबान सरकार के महिलाओं के साथ भेदभाव के आरोप में साल 2023 में ही अफगानिस्तान के साथ होने वाली वनडे सीरीज खेलने से इंकार कर दिया था। इसके बाद उसने इस साल के अंत में यूएई में होने वाली टी20 सीरीज में खेलने से भी मना कर दिया हालांकि राशिद सहित अफगानिस्तान के अन्य खिलाड़ी ऑस्ट्रेलियाई घरेलू लीग में खेल रहे हैं। राशिद ने कहा, 'मैं और सभी खिलाड़ी क्रिकेट खेलना चाहते हैं क्योंकि अफगानिस्तान में लोगों के लिए खुशी का यही एक तरीका यही है और अगर आप इसे भी उन्हें नहीं दोगे तो लोग किसी भी चीज का जश्न नहीं मना सकेंगे। गौरतब है कि पिछले साल राशिद ने आस्ट्रेलिया के उनके साथ द्विपक्षीय क्रिकेट खेलने से इनकार के बाद बिग बैश लीग से हटने की धमकी दी थी। इस 25 साल के गेंदबाज के कई आस्ट्रेलियाई मित्र हैं लेकिन उन्होंने उनसे इस मुद्दे पर बात नहीं की है।

मैं दबाव में नहीं, टीम से मिल रहा पूरा समर्थन : स्टार्क

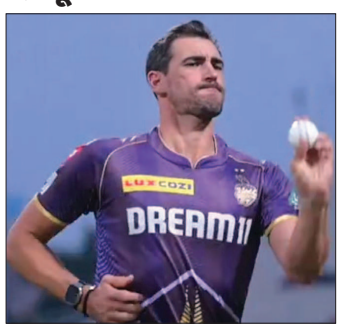

मुम्बई । आईपीएल इतिहास में सबसे अधिक कीमत मिलने के बाद भी अब तक उम्मीद के अनुसार सफलता नहीं मिलने से ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क दबाव में नहीं है। स्टार्क के अनुसार उन्हें अपनी टीम से पूरा समर्थन मिल रहा है। स्टार्क ने कहा कि उनके पास टी20 में अनुभव की जो कमी थी। उसी कारण वह अभी तक लय हासिल नहीं कर पाये हैं। उन्हें लय हासिल करने में अधिक समय लग सकता है। स्टार्क को केकेआर ने 24.75 करोड़ रुपये में अपनी टीम से जोड़ा था। वह आईपीएल के शुरुआत मैचों में असफल रहे हालांकि उन्होंने लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ आईपीएल सत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 28 रन देकर तीन विकेट लिये। इस मुकाबले से पहले स्टार्क ने चार मैचों में 77 की औसत से सिर्फ दो विकेट लिये थे और 11 रन प्रति ओवर के हिसाब से रन दिये थे। स्टार्क ने कहा कि उनपर दबाव नहीं पड़ा क्योंकि कौन क्या कह रहा है या सोशल मीडिया पर उनको लेकर क्या आ रहा है वह उसपर ध्यान नहीं देते हैं। इस तेज गेंदबाज ने कहा, '' मैं कुछ भी नहीं पढ़ता इसलिए मुझे परेशानी नहीं होती।'' उन्होंने साथ ही कहा, '' मैंने पिछले कुछ साल में बहुत अधिक टी20 क्रिकेट नहीं खेला है, इसलिए मुझे गेंदबाजी की लय हासिल करने में कुछ अधिक समय लगा है।'' स्टार्क ने हालांकि कहा कि टी20 क्रिकेट और आईपीएल से तालमेल बिठाना टेस्ट क्रिकेटरों के लिए मुश्किल नहीं है। उन्होंने कहा, ''मैं 34 वर्ष का हूं, इसलिए लेबे समय से खेलने के कारण मेरे लिए अपने अनुभव के कारण टी20 में तालमेल बिठाना आसान हो गया है।

टी20 विश्वकप के लिए भारतीय टीम में 7 खिलाड़ियों पर होना है फैसला

-आईपीएल के प्रदर्शन पर भी नजरें

मुम्बई (एजेंसी)। आगमी टी20 विश्वकप के लिए भारतीय क्रिकेट टीम में 8 खिलाड़ियों के नाम तय माने जा रहे हैं जबकि 7 खिलाड़ियों पर अभी फैसला होना है। रोहित शर्मा की कप्तानी में उतरने जा रही भारतीय टीम का लक्ष्य यहां किसी प्रकार से आईसीसी विश्वकप जीतना रहेगा। अभी जारी इंडियन प्रीमियर लीग में बेहतर प्रदर्शन वाले खिलाड़ियों को भी इस लीग में जगह मिल सकती है। टीम में कप्तान रोहित शर्मा और पूर्व कप्तान विराट कोहली के अलावा मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा का नाम तय है। इसके अलावा चयनकर्ताओं ने 15 सदस्यीय टीमों के चयन के लिए अन्य जो नाम रखे हैं उसमें कुलदीप यादव, रवींद्र जडेजा, सूर्यकुमार यादव के अलावा हार्दिक पंड्या और ऋषभ पंत भी हैं। कुलदीप शानदार फॉर्म में चल रहे हैं जबकि ऋषभ ने वापसी के बाद शानदार प्रदर्शन किया है। जिन 7 जगह के लिए खिलाड़ियों के बीच टक्कर होगी उसमें शानदार प्रदर्शन करने वाले ऑलराउंडर शिवम दुबे , रिंकू सिंह के अलावा सलामी जोड़ीदार के तौर यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल का नाम है। वहीं स्पिनर के तौर पर आर अश्विन और युजवेंद्र चहल के बीच मुकाबला है। इसके

अलावा तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह में किसे बुमराह का जोड़ीदार बनाया जाएगा यह भी देखना होगा। चयनकर्ता दोनों गेंदबाज को मौका देने के बारे में सोच सकते हैं. दूसरे विकेटकीपर के तौर पर ऋषभ पंत के बाद संजू सैमसन और ईशान किशन के नाम पर चर्चा हो सकती है।

रोहित शर्मा, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पंड्या, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रविंद्र जडेजा, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह।

पेरिस ओलंपिक में अब विजेताओं को मिलेगी भारी भरकम इनामी राशि

पेरिस । पेरिस ओलंपिक खेलों में भाग लेने वाले एथलीटों को इसबार काफी लाभ होगा। इसका कारण है कि विश्व एथलेटिक्स (डब्ल्यूए) ने ट्रैक एवं फील्ड के 48 स्पर्धाओं के स्वर्ण पदक विजेताओं को 50,000 डॉलर करीब 41.60 लाख रुपये की पुरस्कार राशि देने की बात कही है। इस प्रकार डब्ल्यूए ओलंपिक खेलों में पुरस्कार राशि देने वाला पहला अंतरराष्ट्रीय महासंघ भी बन जाएगा। विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन को ने कहा कि ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं के लिए पुरस्कार राशि की शुरुआत एथलेटिक्स के महत्व को देखते हुए की गयी है। साथ ही कहा कि हमने उन एथलीट की सहायता का फैसला किया है जो अपने प्रदर्शन से खेलों को वैश्विक स्तर पर सफल बनाते हैं। उन्होंने कहा, '' अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के राजस्व आवंटन से कुल 2.4 मिलियन डॉलर लगभग 18.63 अरब रुपये पुरस्कार के लिए रखे गये है, जो हर चार साल में विश्व एथलेटिक्स को मिलता है। इसका उपयोग 48 एथलेटिक्स खेलों में से स्वर्ण पदक जीतने वाले एथलीटों को 50,000 डॉलर की राशि देकर किया जाएगा।'' इसके अलावा रिले टीमों को भी इसी राशि से सम्मानित किया जायेगा, जिसे टीम के सभी खिलाड़ी आपस में साझा करेंगे। उन्होंने कहा कि 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक से जुड़ी पुरस्कार राशि के प्रारूप और संरचना की घोषणा खेलों के समय के करीब की जाएगी। इस पुरस्कार राशि का भुगतान हालांकि विश्व एथलेटिक्स की प्रक्रिया पर निर्भर करेगा, जिसमें सामान्य डोपिंग रोधी प्रक्रियाओं से गुजरने और अन्य जरूरी प्रक्रिया का पालन करने वाले एथलीटों को ही शामिल किया जाएगा।

नेट पर धोनी के खिलाफ गेंदबाजी से हो रहा लाभ : एरिक सिमंस

मुंबई (एजेंसी)। (ईएमएस)। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के गेंदबाजी सलाहकार एरिक सिमंस ने टीम की अच्छी गेंदबाजी के कारण ये है कि उसके गेंदबाज नेट पर महेन्द्र सिंह धोनी के खिलाफ डेथ ओवरों की गेंदबाजी का अभ्यास करते हैं। साथ ही कहा कि ट्रेनिंग सत्र में उनके खिलाफ सफल रहने के लिए जो रणनीतियां अपनायी जाती हैं, वह मैच में भी काम करती हैं। सिमंस ने कहा, ' मुम्बई की टीम हमें 200 रन से कम पर रोकने में लगी थी पर धोनी ने एक ओवर में ही हालात बदल दिये और टीम को 206 रन रन तक पहुंचा दिया। साथ ही कहा कि वह हर बार हमें इसी तरह से हैरान करते हैं। मैदान में जाना और पहली ही गेंद पर छक्का जड़ना और फिर इसी प्रकार शॉट लगाकर रन बनाते रहना आसान नहीं होता।

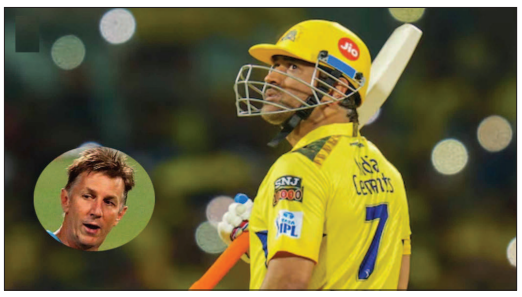

सिमंस ने कहा कि एक बल्लेबाज के रूप में धोनी सीएसके के गेंदबाजों के लिए डेथ ओवरों में अपनी गेंदबाजी का अभ्यास करने के लिए सबसे बेहतर खिलाड़ी रहे हैं। सिमंस ने कहा, 'जब हम डेथ ओवरों में गेंदबाजी करते हैं तो सत्र पूर्व ट्रेनिंग में उनके खिलाफ अभ्यास करते हैं क्योंकि वह इसमें काफी अच्छे हैं। अगर हम उनके खिलाफ अपनी रणनीतियों का परीक्षण कर सकते हैं तो हम जानते हैं कि ये कितना काम करेगा। सिमंस ने मान है कि धोनी घुटने की चोट से जूझ रहे हैं पर उन्होंने बहादुरी से इसका सामना किया है। उन्होंने कहा, 'हर किसी को उसकी चोटों में उसकी तुलना में अधिक रुचि है। वह उन सबसे कठोर व्यक्तियों में से एक है जिनसे मैं कभी मिला हूं। इसके बाद भी वह सहज होकर खेलते हैं और कुभी भी जाहिर नहीं करते हैं।

पावर प्ले में अधिक से अधिक रन बटोरना हमारा लक्ष्य : हेड

बेंगलुरु। सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से इस आईपीएल सत्र में धमाकेदार बल्लेबाजी कर रहे ट्रेविस हेड ने कहा है कि उनका लक्ष्य पावर प्ले में अधिक से अधिक रन बटोरना रहा है। इसी कारण वह शुरुआत से ही आक्रमक बल्लेबाजी करते हैं। हेड ने आरसीबी के खिलाफ 39 गेंद में ही शतक लगाकर अपनी टीम को आईपीएल इतिहास के सबसे अधिक स्कोर 287 रन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। हेड ने कहा कि उनका प्रयास पावरप्ले के अंदर ही अर्धशतक लगाना रहता है। इस सत्र में दूसरी बार हेड ने पहले छह ओवर के अंदर ही अपना अर्धशतक कर कर लिया। हेड ने कहा, 'निश्चित रूप से हमने अपने शीर्ष और मध्यक्रम के कारण ही सबसे ज्यादा रन बनाये हैं। मुझे लगता है कि अपने मजबूत शीर्ष और मध्यक्रम का हमें लाभ मिला है। हेड जहां तेज गेंदबाजों को निशाना बनाते हैं। वहीं उनके जोड़ीदार अभिषेक शर्मा धीमे गेंदबाजों पर तेजी से आक्रामक करते है। हेड ने कहा, 'मुझे लगता है कि शीर्ष क्रम में अभिषेक और मैं पावरप्ले का अधिक से अधिक लाभ उठाना चाहते हैं। इसमें हम ज्यादा से ज्यादा चौके और छक्के लगाने का प्रयास करते हैं।

ऑस्ट्रेलिया की आक्रामक शैली से निपटने के लिए बेहतर पासिंग और तालमेल की जरूरत : रूपिंदर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पूर्व ड्रैग फ्लिक विशेषज्ञ रूपिंदर पाल सिंह को लगता है कि भारतीय पुरुष हॉकी टीम बेहतर रक्षात्मक तालमेल और बेहतर पासिंग से आस्ट्रेलिया की आक्रामक खेल शैली से निपट सकती है। हाल में भारत को पर्थ में हुई पांच टेस्ट की सीरीज में आस्ट्रेलिया से 0-5 से हार का सामना करना पड़ा।

यह दौरा भारत के लिए निराशाजनक रहा जबकि इससे पहले टीम ने एफआईएच प्रो लीग में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। टीम से जुलाई-अगस्त में होने वाले पेरिस ओलंपिक में तोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक से बेहतर या इसके बराबरी वाले प्रदर्शन की उम्मीद है। भारत की 2014 एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता टीम के सदस्य सिंह हालांकि आस्ट्रेलिया के खिलाफ इस नतीजे से ज्यादा चिंतित नहीं हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि टीम प्रत्येक मैच के साथ सुधार करती गयी।

रुपिंदर सिंह ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, ''हम पहला मैच 5-1 से हारे लेकिन इसके बाद टीम ने सुधार किया और स्कोर बराबरी का रहा। हमने कुछ मौके गंवाये जिसे देखते हुए ओलंपिक से पहले कुछ काम करने की जरूरत है। यह श्रृंखला पेरिस ओलंपिक की तैयारियों के लिए थी जिसमें नये वैरिएशन और खिलाड़ियों को आजमाया गया था।''

आस्ट्रेलिया की आक्रामक शैली से निपटने के तरीके के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि नये तरह की पासिंग से निपटा जा सकता है। उन्होंने सुझाव दिया, ''आस्ट्रेलिया से निपटने के लिए उच्च स्तर के तालमेल की जरूरत है जिसमें डिफेंडर से डिफेंडर तक गेंद ट्रांसफर, मिडफील्ड में डिफेंडरों के तेज पास, ऊपर के पास इस तरह की शैली से निपटने के लिए फायदेमंद हो सकते हैं।

हमें अपनी गलतियों को सुधारना होगा -डु प्लेसी

बेंगलूर । रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान डु प्लेसी ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ टीम को मिली हार पर निराश जाहिर करते हुए कहा है कि हमें अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाना होगा। डु प्लेसी ने कहा ,'' सनराइजर्स ने इतने ज्यादा रन इस मैच में बनाये। ऐसे में 270 रन का लक्ष्य भी कठिन रहता। हमने कुछ चीजें की जो प्रभावी नहीं रहीं। '' उन्होंने कहा,'' खेल इतना तेज तेज हो गया है कि हमें बल्लेबाजी में अपनी कुछ गलतियों को ठीक करना होगा। हैदराबाद से मिले रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी को 25 रन से हार का सामना करना पड़ा। इसी को लेकर डु प्लेसी ने कहा कि बल्लेबाजी में कुछ गलतियों को ठीक करना जरूरी है। सनराइजर्स ने इसी सत्र में बनाया अपना ही 277 रन का रिकॉर्ड तोड़ते हुए तीन विकेट पर 287 रन बनाये। वहीं इसके जवाब में आरसीबी सात विकेट पर 262 रन ही बना पायी। डु प्लेसी ने कहा मैच में हमें मानसिक तौर पर मजबूती से उतरना होगा। तभी टीम बेहतर प्रदर्शन कर पायेगी। आरसीब अब तक इस सत्र में केवल एक मैच ही जीत पायी है।

तृतीय लिंग राज्य आइकन निकिता कुँवर ने सूरत में मतदान जागरूकता अभियान में मतदाताओं से की अपील

सूरत। आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर सूरत के किन्नर समाज (थर्ड जेंडर) की स्टेट आइकॉन निकिता कुंवेरे ने लोकतंत्र के महापर्व में अधिक से अधिक संख्या में मतदाता मतदान करें और अधिक से अधिक लोग उत्सव में भाग लें, इसके लिए आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर च्चुनाव का पर्वज में सूरत के नागरिकों से अधिक से अधिक मतदान करने की अपील की।

निकिता कुँवर ने सभी नागरिकों से मतदान के अपने पवित्र अधिकार का प्रयोग करने का अनुरोध किया और कहा कि जागरूक मतदाता लोकतंत्र का भाग्य है। इसीलिए लोकतंत्र में मतदान इतना महत्वपूर्ण है। सभी मतदाता एक परिवार के रूप में मतदान करें और लोकतंत्र के महापर्व को मनायें। जब भारत को युवाओं का देश माना जाता है, तो 18 वर्ष से अधिक उम्र के युवाओं को जागने और मतदान करके लोकतंत्र की प्रक्रिया में भाग लेने के लिए दृढ़ता से कहा गया।

किन्नर समाज की नेता नूरी कुंवर कशिश कुंवर ने नागरिकों से वोट करने की अपील करते हुए कहा कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत में जनता द्वारा, जनता के लिए और जनता द्वारा शासन किया जाता है. जबकि अठारह वर्ष से अधिक आयु के सभी नागरिकों को वोट देने का अधिकार है, लोकतंत्र में वोट देने का अधिकार अमूल्य है। गुजरात में 7 मई को देशभर में कई चरणों में होने वाले लोकतांत्रिक चुनावों के महापर्व में सभी नागरिकों को अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए।

नूरी कुँवर कशिश कुँवर ने आगे कहा कि देश के सर्वांगीण विकास में हमारे प्रत्येक वोट का विशेष महत्व है। मजबूत लोकतंत्र के निर्माण के लिए, देश को सशक्त बनाने के लिए मतदान बहुत जरूरी है। और देश के नागरिक के रूप में कर्तव्य भी है, जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कराता है। इसलिए उन्होंने किन्नर समाज की ओर से सूरत शहर सहित राज्य के नागरिकों से होन्शे परिवार के साथ मतदान कर इस महापर्व में भाग लेने की अपील की है।

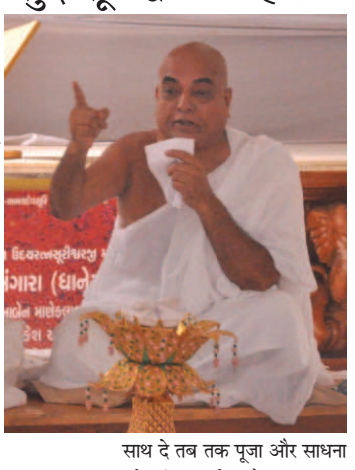

निराकार बनने के लिए शरीर से ही साधना करनी होगी: आचार्य जिनसुंदरसूरीश्वरजी महाराज

सूरत । श्री नीलकंठ जैन संघ - अमरोली (सूरत) के परिसर में पूज्यपाद आचार्य देवश्री जिनसुंदरसूरीश्वरजी महाराज ने प्रवचन में कहा कि आज नवपदजी का दूसरा दिन है, इसलिए इस दिन हमें सिद्ध परमात्मा की पूजा करनी है जिसमें 8 खमासना-प्रदक्षिणा -सथिया 8 लोगरसनो काउसग लौगरा के और "ओम ह्रीं नमो सिद्धाणं" पद के 20 माला गिनने होते हैं। इस पूजा के साथ-साथ सिद्धि में गुणों की भी पूजा करनी होती है। सिद्ध भगवंत बिना शारीर के हैं। उन्होंने शरीर का मोह भी छोड़ दिया है। इतना ही! इसलिए निराकार बनने के लिए इनका मोह छोड़ना होगा। अगर शरीर पर मच्छर भी बैठ जाए तो बर्दाश्त नहीं होता। यह शरीर मल-मूत्र से भरा हुआ है जो एक दिन श्मशान में एकत्रित होना है। इसमें कोई भी अच्छी चीज डालने पर वह कुछ ही सेकंड में खराब हो जाती है। इस पर छिड़का हुआ महँगा सेंट परफ्यूम भी इसे 2/4 घंटे में बदबूदार बन जाता है। दुनिया में शरीर नाम की एक ही मशीन होगी जो अच्छे को बुरे में बदल देती है। इसलिए जितना हो सके शरीर का उपयोग करना चाहिए। अगर इस शरीर में कोई बीमारी आ गई तो होटल जाना बंद हो जाएगा और तीर्थयात्रा भी बंद हो जाएगी। इसलिए जब तक शरीर साथ दे तब तक पूजा और साधना करें। जितना हो सके उतना पुण्य इकट्ठा करो। जितना संभव हो सके कर्म को नष्ट करें।संक्षेप में सिद्ध भगवान निराकार हैं और शरीर नाशवान है इसलिए निराकार बनने के लिए शरीर का उपयोग करें।

सुरत भुमि, सुरत। श्री सोमवंशिय सहस्त्रार्जुन क्षत्रिय समाज पंच सुरत द्वारा दि.16/04/2024 मंगलवार के दिन शाम को उधना के ओम साई जलाराम नगर में श्री सहस्त्रार्जुन समाज की वाड़ी में चैत्र सुद अष्टमी के दिन होम-हवन कर पूजा की गई । इस हवन में राजेशभाई मकवाने, विकासभाई और कनैयालाल कटयारे द्वारा पूजाविधि की गई। जिसमे समाज के प्रमुख ,उपप्रमुख समाज अग्रणी सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे थे।

हायर इंडिया ने पेश की S800QT QLED सीरीज, इमर्सिव व्यूइंग के लिए नया बेंचमार्क किया स्थापित

नई दिल्ली। लगातार 15 सालों से नंबर 1 वैश्विक प्रमुख उपकरण ब्रांड, हायर अप्लायंसेज इंडिया ने अपनी नवीनतम स्मार्ट QLED सीरीज S800QT के लॉन्च की घोषणा की है। होम एंटरटेनमेंट एक्सपीरियंस को बेहतर बनाने के लिए डिज़ाइन की गई इस सीरीज में 4K QLED डिस्प्ले है और यह 4 साइज 75", 65", 55" और 43" में आती है, जो सभी चैनलों पर 38,990 रुपये की शुरुआती कीमत पर उपलब्ध होगी।

ऑल-न्यू QLED सीरीज एक अद्वितीय मनोरंजन अनुभव प्रदान करने, उन्नत सुविधाओं की पेशकश करने और मंत्रमुग्ध करने वाले डिजाइन तत्वों की हायर इंडिया की व्यापक प्रशंसा पर आधारित है। अपने मूल में क्वांटम डॉट तकनीक के साथ, स्800त्तक्ष सीरीज रंगों का एक असाधारण स्पेक्ट्रम, अविश्वसनीय रूप से शानदार विज़अल्स और 4K डिस्प्ले के साथ बेजोड़ स्पष्टता प्रदान करती है। यह रेवोल्यूशनरी सीरीज दृश्यात्मक रूप से आकर्षक लुक के साथ अत्याधुनिक तकनीक को एकीकृत करती है, जिसका लक्ष्य उपभोक्ताओं को अपने घर के आराम से एक अद्वितीय सिनेमाई यात्रा में डुबो देना है।

हायर इंडिया के प्रेजिडेंट श्री एनएस सतीश ने कहा, च्च्हायर में, हम घरेलू मनोरंजन अनुभव को लगातार पुनर्परिभाषित करने के लिए समर्पित हैं और फीचर पैक्ड S800QT QLED सीरीज के साथ, हम अत्याधुनिक तकनीक और सौंदर्य संबंधी कुशलता का सामंजस्यपूर्ण मिश्रण प्रदान कर रहे हैं। हमारा मकसद उपभोक्ताओं को ऐसी तकनीक सर्व करना है जो अपने घरों में बेजोड़ पिक्चर क्वालिटी और एक व्यापक सिनेमेटिक एक्सपीरियंस चाहते हैं। ऐसे में हायर इंडिया का लक्ष्य उपभोक्ताओं की बढ़ती जरूरतों और प्राथमिकताओं को पूरा करना है और उन्हें एक अद्वितीय होम एंटरटेनमेंट सॉल्यूशन देना है। नई QLED सीरीज का लॉन्च उपभोक्ताओं को बेस्ट टेक्नोलॉजी और प्रोडक्ट देने की हमारी प्रतिबद्धता को उजागर करता है, जो स्टाइल और इनोवेशन को जोड़ते हैं।"

डॉल्बी विज़न एटमॉस के साथ, आप वास्तव में फिल्म, शो, म्यूजिक, स्पोर्ट्स या कोई अपना पसंदीदा गेम देखने, सुनने और खेलते वक्त उनसे जुड़ाव का एक गहन अनुभव महसूस कर सकते हैं। एक अद्वितीय इमर्सिव एक्सपीरियंस के साथ तैयार रहें, जो आपको और अधिक ललचाने पर मजबूर कर देगा।

नई सीरीज होम इंटरटेनमेंट में एक नया मानदंड स्थापित करने के लिए तैयार है, जो उपभोक्ताओं को उन्नत प्रौद्योगिकी और बेहतर डिजाइन की प्रतिभा का आनंद लेने के लिए आमंत्रित करती है। इस नवीनतम पेशकश के साथ, हायर इंडिया ने उद्योग में अग्रणी के रूप में अपनी स्थिति की पुष्टि की है, जो अपने समझदार ग्राहकों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने और उससे आगे बढ़ने के लिए लगातार इनोवेशन कर रहा है।

हायर का S800QT गूगल के साथ सहजता से एकीकृत होता है और ऐप्स, कंटेंट और स्ट्रीमिंग सेवाओं की एक विशाल सीरीज तक पहुंच प्रदान करता है, जो कि उपभोक्ताओं को एक बटन टच करने पर मनोरंजन की अनंत संभावनाओं का अनुभव करने की अनुमति देता है। यह आपको आपकी देखने की आदतों के आधार पर क्यूरेटेड अनुशंसाएँ भी प्रदान करता है।

रियलमी ने 15,999 रुपये के शुरुआती मूल्य में सेगमेंट में सबसे अच्छी परफ़ॉर्मेंस और डिस्प्ले के साथ रियलमी पी सीरीज़ 5जी लॉन्च की

नई दिल्ली। भारत के सबसे विश्वसनीय स्मार्टफोन सेवा प्रदाता, रियलमी ने अपनी लेटेस्ट रियलमी पी सीरीज़ में 5जी स्मार्टफोन - रियलमी पी1 प्रो 5जी और रियलमी पी1 5जी लॉन्च किए हैं। ये दोनों अत्याधुनिक डिवाइस अपनी शानदार परफ़ॉर्मेंस और असाधारण यूज़र अनुभव के साथ मिड-रेंज स्मार्टफोन सेगमेंट में हलचल मचा देंगी। ये भारतीय ग्राहकों को फ्लिपकार्ट पर उपलब्ध होंगी। नई पी सीरीज़ के साथ रियलमी अपना रियलमी पैड 2, वाई-फाई वैरिएंट और रियलमी टी110 बड्स भी लॉन्च करेगा।

नई रियलमी पी सीरीज 5जी "परफ़ॉर्मेंस और डिस्प्ले के मामले में सर्वश्रेष्ठ" होने के साथ शक्ति का प्रतिनिधित्व करती है। इन स्मार्टफोन्स का डिज़ाइन रियलमी के डीएनए के अनुरूप बोल्ड और बाजार में नया है, जो यूज़र्स को मोहित कर देगा। रियलमी पी1 5जी में शक्तिशाली मीडियाटेक डाइमेंसिटी 7050 5जी चिपसेट, 120हर्ट्ज़ एमोलेड डिस्प्ले, 45वॉट सुपरवूक चार्जिंग और 5000mAh की शक्तिशाली बैटरी दी गई है। जबकि रियलमी पी1 प्रो 5जी में ओआईएस के साथ 50 मेगापिक्सल का सोनी लाइट-600 कैमरा, 120हर्ट्ज़ कर्व्ड विजन डिस्प्ले, 45वॉट सुपरवूक चार्ज के साथ 5000mAh की शक्तिशाली बैटरी और क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 6 जेन 1 5जी चिपसेट है।

इस लॉन्च के बारे में रियलमी के प्रवक्ता ने कहा, "हमें रियलमी पी सीरीज़ 5जी पेश करने की खुशी है। यह स्मार्टफोन उद्योग में परफ़ॉर्मेंस के नए मानक स्थापित कर देगा। रियलमी पी सीरीज़ 5जी के साथ हमने अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी और आधुनिक फीचर्स पेश किए हैं, जो मिड-रेंज सेगमेंट की परिभाषा बदल देंगे। साथ ही हमने नई पी सीरीज़ के साथ रियलमी पैड 2, वाई-फाई वैरिएंट और रियलमी टी110 बड्स भी लॉन्च किए हैं। हमारा मानना है कि ये स्मार्टफोन और एआईओटी उत्पाद इनोवेटिव और ट्रेंडसेटिंग स्मार्टफोन पेश करने वाले ब्रांड के रूप में हमारी प्रतिष्ठा को बढ़ाएंगे। हम इस साल नई पी सीरीज़ के लॉन्च के साथ फ्लिपकार्ट पर 50 मिलियन बिक्री का आंकड़ा छूना चाहते हैं।"

रियलमी ञ्110 वायरलेस ईयरबड्स स्टाइल और पॉवर के साथ बेहतरीन ऑडियो अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। इनमें 10 मिमी के डायनामिक बेस ड्राइवर के साथ शानदार साउंड क्वालिटी और 38 घंटे का प्लेबैक मिलता है। साथ ही, एआई ईएनसी नॉइज़ कैंसिलेशन टेक्नोलॉजी से शोरगुल के वातावरण में भी स्पष्ट कॉल मिलती है। इनमें ब्लूटूथ 5.4 कनेक्टिविटी और 88एमएस की सुपर लो लेटेंसी है, जिससे बहुत तेजी से कनेक्शन स्थापित होता है और सुगम स्ट्रीमिंग प्राप्त होती है। आईपीएक्स5 वाटर रेजिस्टेंस के कारण इन्हें वर्कआउट और बाहर की गतिविधियों में बेफिक्र होकर इस्तेमाल किया जा सकता है। म्यूजिक और कॉल्स के बीच एक टैप में आसान नैविगेशन के लिए इनमें इंटैलीजेंट टच कंट्रोल दिया गया है।

रियलमी पैड 2 - वाई-फाई वैरिएंट अपनी अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी के साथ टैबलेट के अनुभव में क्रांतिकारी परिवर्तन ला देगा। इसमें सबसे अच्छे विजुअल अनुभव के लिए एक बड़ा 120हर्ट्ज़ 2के डिस्प्ले दिया गया है। इसके अलावा, इसमें उत्पादकता बढ़ाने के लिए अनेक फ़ीचर्स दिए गए हैं, जैसे इसमें 33वॉट का सुपरवूक चार्जिंग सिस्टम और 8360mAh की शक्तिशाली बैटरी है, जो पूरे दिन लगातार उपयोग की जा सकती है।

कॉइनस्विच ने प्रो पर सबसे बड़े क्रिप्टो ट्रेडिंग लीग की घोषणा की

कॉइनस्विच के मल्टी-एक्सचेंज क्रिप्टो ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म, कॉइनस्विच प्रो ने भारतीय क्रिप्टो समुदाय के लिए सबसे बड़ी क्रिप्टो ट्रेडिंग लीग की घोषणा की है। ट्रेडिंग लीग उन स्किलड ट्रेडर्स को 1 करोड़ रुपये तक के पुरस्कार प्रदान करती है जो अपनी रैंकिंग बढ़ाने के लिए अपनी विशेषज्ञता का उपयोग करेंगे, टॉप ट्रेडर्स ही इस प्रतियोगिता को जीतेंगे।

प्रतिभागी ट्रेडर्स को जीतने के लिए कॉइनस्विच प्रो प्लेटफॉर्म पर सक्रिय रूप से ट्रेड करना होगा। टॉप ट्रेडर को क्रिप्टो वर्ल्ड टूर से पुरस्कृत किया जाएगा, जिसमें दावोस, स्विजरलैंड, दुबई और सिंगापुर की यात्रा करने को मिलेगी और उसका सारा खर्चा कंपनी द्वारा वहन किया जाएगा। दूसरे स्थान पर आने वाले विजेता को हाई परफॉर्मेंस वाली कावासाकी निंजा ZX-10 ऋसुपरबाइक मिलेगी और तीसरे स्थान पर रहने वाले ट्रेडर को 10 लाख रुपये मूल्य के बिटकॉइन (BTC) से सम्मानित किया जाएगा।

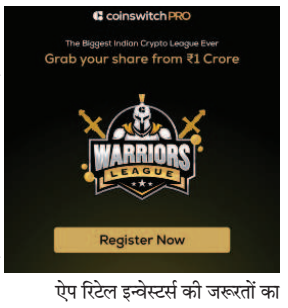

कॉइनस्विच प्रो, एक मल्टी-एक्सचेंज ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म है, जिसे भारत के सबसे बड़े क्रिप्टो ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म कॉइनस्विच ने लॉन्च किया है, जो यूजर्स को सिंगल लॉगिन का उपयोग करके भारतीय रुपयों में मल्टीपल एक्सचेंज पर क्रिप्टो एसेट ट्रेड करने की सुविधा प्रदान करता है। कॉइनस्विच प्रो एडवांस ट्रेडर्स को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है, जबकि कॉइनस्विच ऐप रिटेल इन्वेस्टर्स की जरूरतों का ख्याल रखता है।

पिछले साल कॉइनस्विच प्रो ने मार्केट शेयर में 350 प्रतिशत की वृद्धि देखी गयी है। कंपनी ने प्लेटफॉर्म पर कई अन्य महत्वपूर्ण सुधार किए हैं, जिनमें अधिक शक्तिशाली मोबाइल संस्करण, 'आर्बिट्रेज फाइंडर', 'एपीआई ट्रेडिंग ऑप्शन', 'एल्गो ट्रेडिंग' और अन्य ट्रेड-फ्रेंडली फीचर्स शामिल हैं।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने नई इनोवा हाईक्रॉस पेट्रोल जीएक्स (ओ) ग्रेड पेश की

बेंगलुरु । ग्राहक-सबसे पहले की अपनी संस्कृति और उनकी आवश्यकताओं का ख्याल रखते हुए, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने इनोवा हाईक्रॉस जीएक्स (ओ) पेट्रोल संस्करण में एक नए ग्रेड की शुरुआत की घोषणा की। इनोवा हाइक्रॉस लाइन-अप का नवीनतम संयोजन10 से अधिक उन्नत आराम और प्रौद्योगिकी सुविधाओं का दावा करता है, जिससे उन ग्राहकों के लिए मूल्य प्रस्ताव का स्तर बढ़ जाता है जो अधिक की तलाश में हैं। इनोवा हाईक्रॉस जीएक्स (ओ) ग्रेड की बुकिंग खुली हुई है और डिलीवरी 15 अप्रैल 2024 से शुरू होने की उम्मीद है।

जीएक्स (ओ) ग्रेड 7 और 8 सीट वाले विकल्पों में पेश किया गया है। यह सात गतिशील रंगों में उपलब्ध है - ब्लैकिश एजहा ग्लास फ्लेक, प्लैटिनम व्हाइट पर्ल, एटीट्यूड ब्लैक मीका, स्पार्कलिंग ब्लैक पर्ल क्रिस्टल शाइन, सिल्वर मेटालिक, सुपर व्हाइट और अवंत गार्डे ब्रोन्ज मेटैलिक।

नई पेशकश पर टिप्पणी करते हुए, श्री सबरी मनोहर – वाइस प्रेसिडेंट, बिक्री-सेवा-प्रयुक्त कार व्यवसाय, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने कहा, च्च्टीकेएम में, हम लगातार बाजार की जरूरतों को सुन रहे हैं और इस प्रकार यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हम जो भी वाहन पेश करते हैं वह हमारे ग्राहकों की बढ़ती जरूरतों के अनुरूप हो। नई इनोवा हाईक्रॉस पेट्रोल जीएक्स (ओ) ग्रेड इस दर्शन का एक प्रमाण है जो विलासिता और दक्षता की भावना को सावधानीपूर्वक मिश्रित करते हुए बेहतर आराम और उन्नत तकनीक प्रदान करता है। जबकि प्रदर्शन शीर्ष श्रेणी का बना हुआ है, 10+ फीचर्स उन ग्राहकों के साथ दृढ़ता से प्रतिध्वनित होने की उम्मीद है जो अपनी विकसित जीवनशैली आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य से एक आकर्षक प्रस्ताव के साथ पूरी तरह से लोडेड पेट्रोल रूपांतर की तलाश में हैं।

इसके अलावा, हम न केवल इनोवा हाईक्रॉस बल्कि अपने पूरे उत्पाद पोर्टफोलियो को मिली जबरदस्त स्वीकृति के लिए अपने ग्राहकों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। ग्राहक-प्रथम दृष्टिकोण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता हमें प्रेरित करती रहेगी और भविष्य में नवीन उत्पादों और सेवाओं के निर्माण के लिए प्रेरित

बजाज आलियांज लाइफ ने ग्राहकों को व्हाट्सएप पर डिजिटल लेनदेन की सुविधा प्रदान की

पुणे। अग्रणी निजी जीवन बीमाकर्ता कंपनियों में में से एक बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस ने मेटा के साथ साझेदारी के माध्यम से व्हाट्सएप पर प्रीमियम भुगतान का विकल्प पेश किया है। लाखों भारतीय उपभोक्ताओं को जोड़कर, व्हाट्सएप संचार और सेवा के लिए एक लोकप्रिय ऐप के रूप में सामने आया है। इस लोकप्रियता का लाभ उठाने और ग्राहकों को बेहतरीन सुविधा प्रदान करने के लिए, बजाज आलियांज लाइफ ने व्हाट्सएप के माध्यम से अपनी प्रीमियम भुगतान सेवाओं को अपग्रेड किया है। इस तरह ग्राहक एक ही स्थान पर अपनी पॉलिसी और अपने पेमेंट्स को मैनेज कर सकते हैं। ग्राहक सीधे व्हाट्सएप इंटरफेस के भीतर नेट बैंकिंग, क्रेडिट कार्ड, यूपीआई जैसे विभिन्न पेमेंट मोड के माध्यम से अपने प्रीमियम का भुगतान आसानी से कर सकते हैं।

यह पहल भुगतान प्रक्रिया को और सुव्यवस्थित करती है, साथ ही विभिन्न पेमेंट ऐप्स के बीच स्विच करने की आवश्यकता को समाप्त करती है और सीधे व्हाट्सएप के भीतर निर्बाध और कुशल तरीके से प्रीमियम भुगतान सुनिश्चित किया जा सकता है। इस तरह ग्राहक के अनुभव को और बेहतर बनाया जा सकता है। व्हाट्सएप के व्यापक उपयोग का लाभ उठाते हुए, बजाज आलियांज लाइफ इस ऐप पर 25 से अधिक सेवाएं प्रदान करता है। व्हाट्सएप पे के एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन के साथ, सभी लेनदेन सुरक्षित हैं, और यह भी सुनिश्चित है कि केवल प्रेषक और प्राप्तकर्ता ही उन तक पहुंच सकते हैं, जिससे यह एक अत्यधिक सुरक्षित भुगतान विकल्प बन जाता है। आसान प्रक्रिया और विश्वास के साथ कुल मिलाकर ग्राहकों को बेहतर अनुभव हासिल होता है और इस तरह बजाज आलियांज लाइफ बीमा उद्योग के भीतर ग्राहक-केंद्रित इनोवेशन के मामले में अग्रणी कंपनी बन जाती है।

बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस के चीफ ऑपरेशंस और कस्टमर एक्सपीरियंस ऑफिसर राजेश कृष्णन ने कहा, "बजाज आलियांज लाइफ में हमेशा ग्राहकों की बेहतरी के बारे में सबसे पहले विचार किया जाता है और इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए हमने व्हाट्सएप पर डिजिटल लेनदेन की सुविधा प्रदान की है। ग्राहक अब 25 से अधिक सेवाओं का लाभ उठाने के लिए हमारे अत्याधुनिक व्हाट्सएप चैटबॉट का उपयोग कर सकते हैं। प्लेटफॉर्म पर नए प्रीमियम भुगतान विकल्प के साथ, ग्राहकों को अब और भी बेहतर और निर्बाध अनुभव हासिल होगा।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)